विजय मत

राष्ट्र को समर्पित

मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

www.vijaymat.com | भोपाल, गुरुवार, 2 अप्रैल 2026 | वर्ष- 11 | अंक- 112 | पेज- 08 | मूल्य- 5 रुपए /-

ज्ञानामृत

वाणी के बजाय कार्य से दिए गए उदहारण कहीं ज्यादा प्रभावी होते है।

अज्ञात

न्यूज इन शॉर्ट

पाकिस्तान क्रिकेट शर्मसार, पीसीबी ने फखर जमां को दो मैच के लिए किया निलंबित, गेंद से छेड़खानी करने की मिली सजा

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने धार स्थित भोजशाला परिसर से जुड़े विवाद में एएसआई सर्वे को लेकर दायर याचिकाओं पर हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया है। अदालत ने स्पष्ट कहा कि मुस्लिम पक्ष अपनी सभी आपत्तियों और साक्ष्यों से जुड़े मुद्दों को मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के समक्ष रखे।

मामले में वकील विष्णु शंकर जैन ने बताया कि मौला कमालुद्दीन की ओर से दायर एसएलपी में एएसआई सर्वे की वीडियोग्राफी की कॉपी उपलब्ध कराने की मांग की गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस संबंध में उठने वाली आपत्तियों पर हाईकोर्ट ही विचार करेगा। मुस्लिम पक्ष का प्रतिनिधित्व कर रही कमाल मौलाना वेलफेयर सोसायटी ने हाईकोर्ट की कार्यवाही पर असंतोष जताते हुए शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया था।

कश्मीर के गांदरबल में एक आतंकी ढेर, रात से ऑपरेशन चल रहा था

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के गांदरबल में सेना ने बुधवार सुबह एक आतंकवादी को ढेर कर दिया। यह ऑपरेशन मंगलवार रात से जारी था। एक अधिकारी ने बताया कि खास इंटेलिजेंस इनपुट के आधार पर, पुलिस और सेना की एक जॉइंट टीम ने मंगलवार शाम को घेराबंदी और सर्च ऑपरेशन शुरू किया। एक आतंकी के छिपे होने की जानकारी मिली। अंधेरे की वजह से ऑपरेशन रोक दिया गया था। सुबह आतंकी को मार गिराया गया। इससे पहले फरवरी में सेना ने जम्मू-कश्मीर में 6 आतंकवादियों को मार गिराया था। किश्तवाड़ के चतरू में 3 आतंकी ढेर हुए थे। वहीं 4 फरवरी को भी चतरू में ही सुरक्षाबलों ने जैश के ही एक आतंकी को मार गिराया था। वहीं, उधमपुर जिले में भी गुफा में छिपे जैश के 2 आतंकियों को ग्रेनेड विस्फोट में मार गिराया गया था।

एयरपोर्ट सिस्टम हुआ डिजिटल, देशभर में ई-अराइवल कार्ड अब अनिवार्य

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत सरकार ने अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए 1 अप्रैल 2026 से ई-अराइवल कार्ड अनिवार्य कर दिया है। अब विदेश से भारत आने वाले यात्रियों को फ्लाइट में सवार होने से पहले यह डिजिटल फॉर्म भरना होगा। यह व्यवस्था पुराने कागजी डिसएम्बार्केशन फॉर्म की जगह लेगी। नियम के अनुसार, यात्रियों को भारत पहुंचने से 72 घंटे पहले ऑनलाइन फॉर्म भरना होगा। फॉर्म जमा करने के बाद एक क्यूआर कोड मिलेगा, जिसे इमिग्रेशन के समय दिखाना जरूरी होगा। यह नियम विदेशी नागरिकों और ओसीआई कार्डधारकों पर लागू होगा, जबकि भारतीय नागरिकों को इससे छूट दी गई है। एक परिवार के पांच सदस्य एक ही फॉर्म में अपनी जानकारी दर्ज कर सकते हैं।

एलआईसी को 3750 करोड़ की चपत, अनिल अंबानी पर सीबीआई का शिकंजा

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने उद्योगपति अनिल अंबानी, उनकी कंपनी रिलायंस कम्युनिकेशंस (आरकॉम) और कुछ अज्ञात लोकसेवकों के खिलाफ बड़ा मामला दर्ज किया है। आरोप है कि इस प्रकरण में भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को करीब 3,750 करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचाया गया। सीबीआई के अनुसार, यह कार्रवाई एलआईसी की शिकायत के आधार पर की गई है। आरोप है कि कंपनी ने अपनी वित्तीय स्थिति और परिसंपत्तियों को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया और भ्रामक जानकारी देकर एलआईसी को हजारों करोड़ रुपये के डिबेंचर खरीदने के लिए प्रेरित किया।

मुख्यमंत्री ने राज्यस्तरीय प्रवेशोत्सव कार्यक्रम-2026 का किया शुभारंभ

मप्र के हर बच्चे को शिक्षा से जोड़ना ही सरकार की प्राथमिकता : मोहन

विजय मत, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश के हर बच्चे को शिक्षा से जोड़ना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बुधवार को भोपाल के टी.टी. नगर स्थित मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में राज्यस्तरीय प्रवेशोत्सव कार्यक्रम-2026 का शुभारंभ करते हुए यह बात कही। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया और उन्हें निःशुल्क साइकिल व पाठ्य पुस्तकें वितरित कीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में 1 से 4 अप्रैल तक ÷स्कूल चले हम÷ अभियान चलाया जा रहा है, जिसके माध्यम से प्रत्येक बच्चे को स्कूल से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने शासकीय विद्यालयों में ड्रॉपआउट की संख्या शून्य करने के प्रयासों के लिए स्कूल शिक्षा विभाग की सराहना की और कहा कि यह उपलब्धि समाज के सामूहिक प्रयास का परिणाम है। उन्होंने बताया कि प्रवेश प्रक्रिया को सरल बनाने के कारण कक्षा 1, 6 और 9 में नामांकन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। प्रदेश में शासकीय स्कूलों के नामांकन में 32.4 प्रतिशत तक वृद्धि दर्ज की गई है, जो इन स्कूलों के प्रति बढ़ते भरोसे का संकेत है। राज्य सरकार ने इस शैक्षणिक सत्र में 1 करोड़ 45 लाख विद्यार्थियों के नामांकन का लक्ष्य निर्धारित किया है।

सुविधाओं और योजनाओं से मजबूत हो रही शिक्षा व्यवस्था

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक सुधार किए जा रहे हैं। 369 सांदीपनि विद्यालयों और पीएमश्री स्कूलों के माध्यम से विद्यार्थियों को आधुनिक और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जा रही है। अटल टिंकरिंग लैब, रोबोटिक लैब और आईसीटी सुविधाओं के जरिए बच्चों को तकनीकी शिक्षा से जोड़ा जा रहा है। शिक्षकों की कमी को दूर करने के लिए 76 हजार से अधिक शिक्षकों की नियुक्ति की गई है। सरकार का उद्देश्य है कि हर बच्चे को बेहतर शिक्षा और आधुनिक संसाधन उपलब्ध कराए जाएं, ताकि उनका सर्वांगीण विकास हो सके।

मेधावी छात्रों को प्रोत्साहन और भविष्य की तैयारी

मुख्यमंत्री ने बताया कि शिक्षा नीति-2020 के तहत स्थानीय भाषाओं में पाठ्य सामग्री तैयार कर विद्यार्थियों तक पहुंचाई जा रही है। मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए 94 हजार से अधिक छात्रों को निःशुल्क लैपटॉप वितरित किए गए हैं, जबकि स्कूल टॉपर्स को स्कूटी प्रदान की जा रही है। बजट में लैपटॉप, साइकिल और स्कूटी योजनाओं के लिए विशेष प्रावधान किया गया है। इसके साथ ही विकासखंड स्तर पर बुक फेयर आयोजित करने की योजना है, जिससे निजी स्कूलों के विद्यार्थियों को भी सस्ती पुस्तकें उपलब्ध हो सकें।

विद्यार्थियों ने साइकिल की घंटियां बजाकर किया मुख्यमंत्री का स्वागत

कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने साइकिल की घंटियां बजाकर मुख्यमंत्री का स्वागत किया, वहीं स्काउट-गाइड दल ने सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। मुख्यमंत्री ने विभिन्न शैक्षणिक स्टॉल का अवलोकन भी किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर नवाचार करते हुए बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रतिबद्ध है और यह अभियान प्रदेश को शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा।

निः शुल्क गणवेश, किताबें और भोजन की व्यवस्था की जा रही

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बच्चों को स्कूल आने-जाने के लिए निः शुल्क साइकिलें वितरित की गई हैं। आगामी 3 से 4 महीने तक शासकीय स्कूलों के 4 लाख बच्चों को साइकिलें मिलेंगी। विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क गणवेश, किताबें और भोजन की व्यवस्था की जा रही है। हमारे बच्चे डॉक्टर, इंजीनियर और उद्यमी बनें, उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए स्कूली शिक्षा व्यवस्था को सशक्त किया जा रहा है। शिक्षकों की कमी दूर करने के लिए 76 हजार 325 शिक्षकों की समय पर नियुक्ति की गई।

असम में राहुल पर पीएम मोदी का वार

राजकुमार की पराजय की सेंचुरी आने वाली है

गुवाहाटी, एजेंसी

असम में चुनावी रैली के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कांग्रेस पर जमकर बरसे। पीएम मोदी ने कहा कि असम में कांग्रेस की हार तय है। कांग्रेस के स्वघोषित राजकुमार की पराजय की सेंचुरी लगने वाली है। उन्होंने कहा कि पहले सर्वानंद सोनोवाल जी का नेतृत्व और फिर हिमंता विश्व शर्मा जी की अगुवाई में असम ने बीते 10 वर्षों में सेवा और सुशासन का नया दौर देखा है। असम के ये चुनाव विकसित असम से विकसित भारत बनाने का चुनाव है। इस बार भाजपा-ह्ष्ट सरकार की हैट्रिक लगनी तय है। असम में 9 अप्रैल को विधानसभा चुनाव होने हैं।

असम में बनाएंगे 40 लाख लखपति दीदी

पीएम मोदी ने असम के धेमाजी के गोगामुख में रैली को संबोधित करते हुए कहा, ५असम के चुनाव की घोषणा के बाद ये मेरी पहली जनसभा है। ये जो सामने जनसमुद्र है, युवाओं का ये उत्साह, बहनों-बेटियों का ये आशीर्वाद, ये प्यार इस बात की खुली घोषणा है कि इस बार हैट्रिक पक्की है। लखपति दीदी अभियान से असम की बहनों को बहुत लाभ हुआ है।

बाढ़ का भी स्थायी समाधान निकालने की कोशिश

असम में हर साल आने वाली बाढ़ का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा, असम में यूनियन सिविल कोड लागू करना और हमारे आदिवासी समाज, संस्कृति और परंपराओं को सुरक्षित रखना, असम की संस्कृति और परंपराओं को सुरक्षित रखना।

चंडीगढ़ में पंजाब बीजेपी हेडक्वार्टर के बाहर ब्लास्ट

ग्रेनेड फेंकने का वीडियो सामने आया, दावा- यह इसी अटैक का, 2 संदिग्धों की तलाश

चंडीगढ़, एजेंसी

चंडीगढ़ में बीजेपी के पंजाब मुख्यालय के बाहर बुधवार शाम 5 बजे ब्लास्ट हुआ। ब्लास्ट के बाद वहां पार्किंग में खड़ी कई गाड़ियों के शीशे टूट गए। बीजेपी ऑफिस की दीवार पर 70 से 80 छर्रे जैसे निशान बन गए हैं। अब इसका एक वीडियो सामने आया है, जिसमें एक व्यक्ति ग्रेनेड की पिन खोलकर उसे फेंककर भाग रहा है। इस दौरान धमाके की भी आवाज सुनाई देती है। दावा किया जा रहा है कि यह वीडियो बीजेपी ऑफिस पर हमले का है। ब्लास्ट की सूचना मिलते ही चंडीगढ़ पुलिस की कई टीमें मौके पर हैं। भारतीय सेना और एनआईए की टीम भी मौके पर आई है। बम व डॉग स्क्वायड और फोरेंसिक टीमों के जरिए पूरे इलाके को खंगाला जा रहा है। टीम ने विस्फोटक के टुकड़ों की भी जांच की। पुलिस को सीसीटीवी में 2 संदिग्ध नजर आए हैं। ये दोनों बाइक पर बीजेपी ऑफिस के आसपास आते-जाते नजर भी आ रहे हैं। इनकी तलाश की जा रही है।

टेक कंपनी ओरेकल ने 30 हजार कर्मचारी निकाले, इनमें 12 हजार भारतीय शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी

दुनिया के छठे सबसे अमीर कारोबारी लैरी एलिसन की टेक कंपनी ओरेकल ने करीब 30 हजार कर्मचारियों को निकाल दिया है। इनमें भारत के 12 हजार कर्मचारी हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी अगले महीने छंटनी का दूसरा दौर भी शुरू कर सकती है। कर्मचारियों को सोमवाह सुबह 6 बजे इनबॉक्स में टर्मिनेशन लेटर मिले। इसमें लिखा था कि आज उनका लास्ट वर्किंग डे है। कुछ ही मिनटों में उनका सिस्टम एक्सेस बंद कर दिया गया। कंपनी ने अभी तक छंटनी की वजह नहीं बताई है।

ओरेकल ने 30 हजार कर्मचारियों को किया मेल

हम आपको आपके पद से जुड़ी एक जरूरी और कठिन जानकारी देना चाहते हैं। कंपनी की वर्तमान जरूरतों को ध्यान में रखते हुए हमने संगठन में बड़े बदलाव के तहत आपका पद खत्म करने का फैसला किया है। इसलिए आज आपका आखिरी कार्य दिवस है। हम आपके योगदान, मेहनत और काम के लिए धन्यवाद देते हैं। टर्मिनेशन से जुड़े दस्तावेज साइन करने के बाद आप सेवरेंस पैकेज पाने के पात्र होंगे, जो कंपनी की शर्तों के अनुसार होगा।

डिजिटल पेमेंट में टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन अनिवार्य, यूपीआई ट्रांजैक्शन सुरक्षित

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक ने बढ़ती ऑनलाइन धोखाधड़ी पर लगाम लगाने के लिए बड़ा कदम उठाया है। 1 अप्रैल 2026 से यूपीआई समेत सभी डिजिटल भुगतान के लिए टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन (2एफए) अनिवार्य कर दिया गया है। अब केवल पिन डालकर भुगतान संभव नहीं होगा, बल्कि अतिरिक्त सत्यापन जरूरी होगा। नए नियम के तहत उपयोगकर्ताओं को हर ट्रांजैक्शन के लिए पिन के साथ ओटीपी, फिंगरप्रिंट या फेस रिकॉग्निशन के जरिए पुष्टि करनी होगी।

ईरान जंग के बीच पश्चिमी देशों में बढ़ा मतभेद

नाटो को ट्रम्प ने बताया कागजी शेर, ब्रिटेन भी नहीं देगा अमेरिका का साथ

वॉशिंगटन/लंदन/तेहरान, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने नाटो को लेकर बड़ा बयान देते हुए कहा है कि वे इससे बाहर निकलने पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। उन्होंने नाटो को कागजी शेर बताते हुए आरोप लगाया कि संकट के समय सहयोगी देश अमेरिका के साथ नहीं खड़े हुए। यह बयान ऐसे समय आया है, जब ईरान के साथ जारी युद्ध में कई नाटो देशों ने अमेरिका को सैन्य समर्थन देने से इनकार कर दिया है। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका हमेशा अपने सहयोगियों के साथ खड़ा रहा है, लेकिन इस बार उसे वैसा समर्थन नहीं मिला। उन्होंने यूक्रेन का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां अमेरिका ने मदद की थी, लेकिन बदले में सहयोग नहीं मिला। उन्होंने यह भी कहा कि व्लादिमीर पुतिन भी नाटो को गंभीरता से नहीं लेते।

मिडिल ईस्ट को जंग से 18 लाख करोड़ रुपये का नुकसान

यूनाइटेड नेशन्स डेवलोपमेन्ट प्रोग्राम की रिपोर्ट के अनुसार, मध्य पूर्व में जारी संघर्ष से पूरे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को बड़ा झटका लग सकता है। क्षेत्रीय जीडीपी में 3.7 से 6 प्रतिशत तक गिरावट का अनुमान है और कुल नुकसान लगभग 18 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही 70 प्रतिशत तक घट गई है।

जंग के बीच भारत को राहत... 94,000 टन एलपीजी लेकर दो टैंकर सुरक्षित पहुंचे

नई दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच भारत के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। यूएई से रसोई गैस लेकर आए दो टैंकर होर्मुज जलडमरूमध्य पार कर सुरक्षित रूप से भारत पहुंच गए हैं। पहला टैंकर 31 मार्च को मुंबई पहुंचा। यह जहाज यूएई के रास अल खैमाह से रवाना हुआ था और लगभग 6 दिनों में भारत पहुंचा। इसमें भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के लिए गैस लाई गई है। दूसरा टैंकर 1 अप्रैल को न्यू मैंगलोर के पास पहुंचा। यह जहाज हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के लिए एलपीजी लेकर आया है। दोनों जहाजों के जरिए कुल मिलाकर करीब 94,000 टन एलपीजी भारत पहुंची है। इन जहाजों पर 50 से अधिक भारतीय नाविक भी मौजूद थे, जो सुरक्षित हैं। सरकार के अनुसार अब तक कुल 8 भारतीय जहाज होर्मुज मार्ग से सुरक्षित गुजर चुके हैं। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है, जब क्षेत्र में तनाव के कारण समुद्री आपूर्ति को लेकर चिंता बनी हुई है।

विजय मत एंकर | नई तकनीक बनेगी चुनौती, ईमेल, बैंकिंग और डेटा पर नया खतरा

क्वांटम कंप्यूटर से खतरे में होगी पूरी डिजिटल सुरक्षा : गूगल

नई दिल्ली, एजेंसी

दुनियाभर में डिजिटल सुरक्षा को लेकर एक नई चिंता सामने आई है। गूगल ने चेतावनी दी है कि आने वाले वर्षों में क्वांटम कंप्यूटर इतने शक्तिशाली हो सकते हैं कि वर्तमान में इस्तेमाल हो रही पूरी डिजिटल सुरक्षा प्रणाली खतरे में पड़ सकती है। इसका सीधा असर ईमेल, बैंकिंग, ऑनलाइन लेनदेन और निजी डेटा की सुरक्षा पर पड़ सकता है। अब तक वैज्ञानिक मानते थे कि अत्याधुनिक क्वांटम कंप्यूटर विकसित होने में 10 से 15 साल का समय लगेगा, लेकिन गूगल ने इस अनुमान को घटाकर वर्ष 2029 कर दिया है। यानी आने वाले कुछ वर्षों में ही इंटरनेट पर मौजूद संवेदनशील जानकारी असुरक्षित हो सकती है। गूगल के अनुसार, वर्तमान एन्क्रिप्शन सिस्टम जटिल गणितीय प्रक्रियाओं पर आधारित है, जिसे पारंपरिक कंप्यूटर तोड़ने में हजारों साल लग सकते हैं। लेकिन क्वांटम कंप्यूटर इन्हीं जटिल समस्याओं को बहुत कम समय में हल कर सकते हैं। इससे मौजूदा साइबर सुरक्षा ढांचा कमजोर पड़ सकता है।

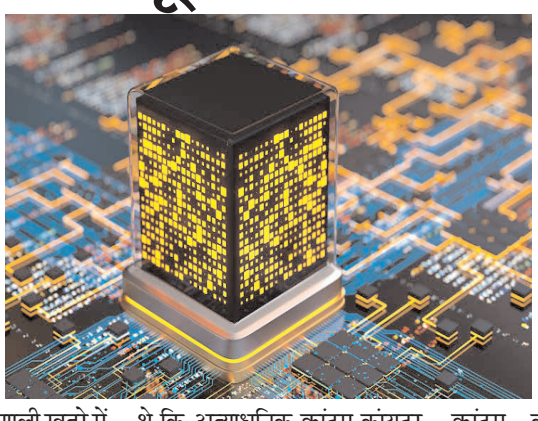

क्यों बढ़ रहा है खतरा

विशेषज्ञों के अनुसार, क्वांटम कंप्यूटर मौजूदा एन्क्रिप्शन को आसानी से तोड़ सकते हैं, जिससे बैंक ट्रांजेक्शन, ईमेल, चैटिंग एप्स और फाइल ट्रांसफर जैसी सेवाएं असुरक्षित हो जाएंगी। बिटकॉइन और अन्य डिजिटल संपत्तियां भी इसी सुरक्षा प्रणाली पर आधारित हैं, इसलिए उन पर भी बड़ा खतरा मंडरा रहा है। डिजिटल प्राइवेट कीज, जो खातों और डिवाइस की सुरक्षा करती हैं, उनके भी हैक होने का जोखिम बढ़ जाएगा। इसी कारण अब पोस्ट-क्वांटम क्रिप्टोग्राफी की दिशा में तेजी से काम करने की जरूरत बताई जा रही है।

क्या हैं क्वांटम कंप्यूटर

क्वांटम कंप्यूटर पारंपरिक कंप्यूटर से अलग तरीके से काम करते हैं और एक साथ कई संभावनाओं पर गणना कर सकते हैं। इससे जटिल समस्याएं बहुत तेजी से हल हो जाती हैं। हालांकि यह तकनीक अभी शुरुआती चरण में है, लेकिन इसमें तेजी से प्रगति हो रही है। गूगल का मानना है कि 2029 तक यह तकनीक निर्णायक स्तर तक पहुंच सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि तकनीकी विकास के साथ-साथ साइबर सुरक्षा को भी मजबूत करना जरूरी होगा, ताकि भविष्य में डिजिटल दुनिया को सुरक्षित रखा जा सके।

25 साल पुराने बैंक घोटाले में दतिया विधायक भारती तिहाड़ भेजे गए

विजय मत, ब्यूरो दतिया

मध्यप्रदेश की राजनीति में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। दतिया से कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती को करीब 25 साल पुराने बैंक घोटाले में अदालत ने दोषी करार दिया है। दिल्ली की विशेष एमपी-एमएलए कोर्ट ने सुनवाई के बाद उन्हें तिहाड़ जेल भेज दिया, जबकि सजा की अवधि का ऐलान कल किया जाएगा। यह मामला जिला सहकारी कृषि ग्रामीण विकास बैंक, दतिया से जुड़ा है। आरोप है कि बैंक अध्यक्ष रहते हुए भारती ने फर्जी दस्तावेज तैयार कर फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) में गड़बड़ी की और रिकॉर्ड में हेरफेर किया। उन्होंने नियमों के विपरीत 13.5 प्रतिशत की उच्च ब्याज दर का लाभ लिया और एफडी की अवधि बढ़ाकर बैंक को लाखों रुपये का नुकसान पहुंचाया। अदालत ने उन्हें भारतीय दंड संहिता की कई धाराओं के तहत दोषी पाया है, जिनमें धोखाधड़ी, जालसाजी, आपराधिक विश्वासघात और साजिश शामिल हैं। इस मामले में उन्हें पहले ही उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय से राहत नहीं मिल सकी थी। अब सजा के ऐलान के बाद उनकी राजनीतिक स्थिति पर भी असर पड़ना तय माना जा रहा है।

प्रधान संपादक- विजय शुक्ला। कार्यालयः भोपाल ■ शहडोल ■ रायपुर ■ इंदौर ■ जबलपुर ■ होशंगाबाद ■ विदिशा ■ सीहोर ■ बैतूल ■ छिंदवाड़ा ■ ग्वालियर ■ ब्यौहारी ■ अनूपपुर ■ उमरिया ■ सीधी ■ सिंगरौली ■ रीवा ■ सतना ■ मैहर ■ खरगोन ■ बालाघाट ■ सिवनी ■ कटनी ■ सागर ■ मुलताई ■ मुरैना ■ टीकमगढ़

न्यूज इन शॉर्ट

निशुल्क सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण केन्द्र खुला

शहडोल। केशव राष्ट्रोत्थान समिति शहडोल द्वारा सरस्वती शिशु मंदिर परिसर पांडव नगर शहडोल में निशुल्क सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण केन्द्र खोला गया, इस अवसर पर समिति के उपाध्यक्ष शीतल पोद्दार, सचिव सुरेश जेठानी एडवोकेट, सदस्य जितेन्द्र तिवारी, गौतम राज स्कूल प्राचार्य अनिल द्विवेदी, व्यवस्थापक विष्णु मिश्रा समाज सेवी मातृ शक्ति एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बुढ़ार ने तहसील दार को सौंपा राज्यपाल के नाम ज्ञापन

धनपुरी प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशानुसार एवं जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री अजय अवस्थी के मार्गदर्शन में
बुढ़ार ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अंकित सिंह के नेतृत्व में आमजन से जुड़े मुद्दों को लेकर आज दिनांक 31 मार्च 2026 को घरेलू गैस सिलेंडर की लगातार बढ़ती कीमतों, गैस सिलेंडर की कमी, बिजली दरों में हो रही वृद्धि, तथा डीजल एवं पेट्रोल की पर्याप्त उपलब्धता न होने जैसी जन समस्याओं को लेकर धरना प्रदर्शन कर तहसील बुढार में महामहिम राज्यपाल के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा गया उक्त कार्यक्रम में वरिष्ठ समस्त कांग्रेस जन भारी संख्या में उपस्थित होकर आवाज बुलंद की
इस अवसर पर कांग्रेस के प्रदेश सचिव प्रदीप सिंह पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष मुबारकमास्टर नपा धनपुरी उपाध्यक्ष हनुमान खंडेलवाल बुढ़ार नपा उपाध्यक्ष शेखर चौधरी भानु दीक्षित पूर्व नपा उपाध्यक्ष संतोष सिंह सेंगर मो आज़ाद इबरार खान आनंद मोहन जायसवाल नौशेरमाखान अशोक सिंह लीला राम जगवानी नीलम सिंह नगर अध्यक्ष धनपुरी मो साबिर नगर अध्यक्ष बुढ़ार हर्ष पाठक मनोज जैन आदिवासी नेता विमल सिंह सुजाता बैरागी नेहा खान जूही बैरागी अदना खान रतन सोनी बिहारी लाल साहू दिलीप सोनी अनिल जयसवाल महबूब खान निजाम खान जुल्फ़कार अलबाब अभिशेख अग्रवाल रियाज़ रवि शर्मा ओंकार सिंह निक्की राहुल पनिका बंटी महतो विनय रजक आरिफ अफ़रीदी चन्नी चौधरी संतोष सिंह राहुल कोल कृष्णा प्रजापति विराट पनिका सहित भारी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

घरेलू गैस सिलेंडरों के दुरुपयोग पर कार्यवाही 5 सिलेंडर जब्त

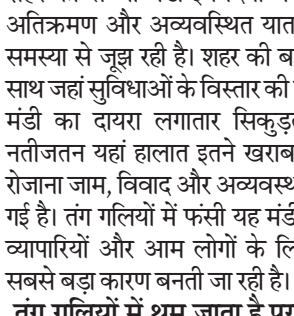

डिंडौरी। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के निर्देशानुसार जिले में अवैध गतिविधियों के विरुद्ध सतत कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में आज सहायक आपूर्ति अधिकारी शमीम खान द्वारा खाद्य विभाग की टीम के साथ करंजिया स्थित माँ नर्मदा भोजनालय में निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान घरेलू उपयोग के एलपीजी सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग पाया गया। मौके से 5 घरेलू गैस सिलेंडरों को जब्त कर अम्बे एचपी गैस करंजिया की सुपुर्दगी में दिया गया। उक्त प्रकरण में द्रविकृत पेट्रोलियम गैस प्रदाय एवं वितरण विनियमन आदेश 2000 के प्रावधानों के उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर आगे की कार्यवाही की जा रही है।

मेडिकल कॉलेज में धूल खा रहीं डायलिसिस मशीनें

तकनीशियन और नेफ्रोलॉजिस्ट की कमी से ठप पड़ी सुविधा, जिला अस्पताल पर बढ़ी निर्भरता

विजय मत, शहडोल

संभाग के सबसे बड़े सरकारी चिकित्सा संस्थान, शासकीय मेडिकल कॉलेज में स्वास्थ्य सेवाओं को आधुनिक और डिजिटल बनाने के दावे जमीनी हकीकत से कोसों दूर नजर आ रहे हैं। लाखों रुपये की लागत से स्थापित डायलिसिस मशीनें पिछले पांच वर्षों से उपयोग के अभाव में धूल फांक रही हैं। यह स्थिति तब है, जब जिले में किडनी रोगियों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है और मरीजों को समय पर उपचार के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है।

कुशल तकनीशियनों की कमी

मेडिकल कॉलेज में डायलिसिस यूनिट के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा पूरी तरह तैयार है, लेकिन कुशल तकनीशियनों की कमी के कारण यह सुविधा शुरू नहीं हो पा रही है। सूत्रों के अनुसार बीते पांच वर्षों में दो बार डायलिसिस यूनिट को चालू करने का प्रयास किया गया, लेकिन दोनों ही बार तकनीशियन बीच में ही नौकरी छोड़कर चले गए। प्रबंधन उन्हें रोकने में असफल रहा, जिससे यह महत्वपूर्ण सुविधा शुरू नहीं हो सकी।

जिला अस्पताल पर बढ़ता दबाव

मेडिकल कॉलेज में सुविधा उपलब्ध न होने के कारण जिले के मरीजों का पूरा भार जिला अस्पताल पर आ गया है। यहां डायलिसिस सेवा ठेके पर संचालित हो रही है, जहां प्रतिदिन 30 से 35 मरीजों का इलाज किया जा रहा है।

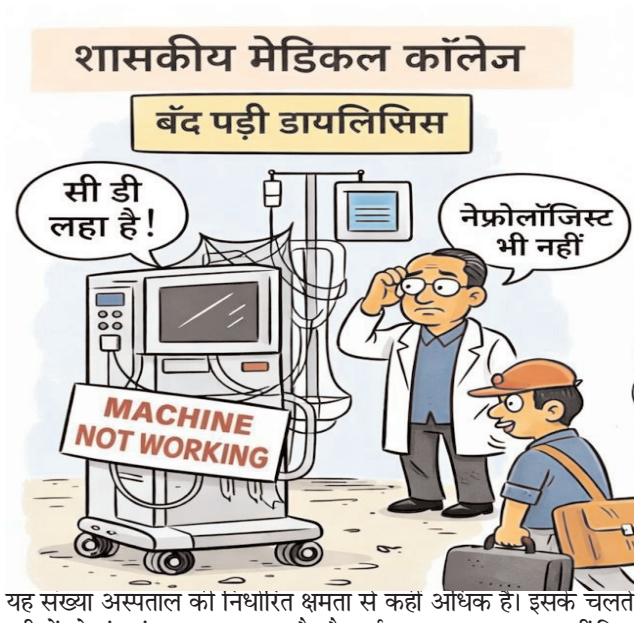

यह सख्या अस्पताल की निर्धारित क्षमता से कहां अधिक है। इसके चलत मरीजों को लंबा इंतजार करना पड़ता है और कई बार समय पर उपचार नहीं मिल पाता।

इसके अलावा, जिला अस्पताल में बिजली और पानी की अनियमित आपूर्ति भी बड़ी समस्या बनी हुई है। कई बार डायलिसिस प्रक्रिया बीच में बाधित हो जाती है, जिससे मरीजों की परेशानी और बढ़ जाती है। इस अव्यवस्था का सीधा असर गरीब और जरूरतमंद मरीजों पर पड़ रहा है, जिन्हें मजबूर होकर निजी अस्पतालों का सहारा लेना पड़ता है।

निजी संस्थानों की ओर बढ़ता रुख

सरकारी सुविधा उपलब्ध न होने के कारण मरीजों को निजी अस्पतालों में डायलिसिस करवानी पड़ रही है, जहां उन्हें सरकारी दरों की तुलना में दोगुना खर्च उठाना पड़ता है। इससे आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के मरीजों पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है। यदि मेडिकल कॉलेज में डायलिसिस यूनिट शुरू हो जाए, तो न केवल मरीजों को राहत मिलेगी, बल्कि जिला अस्पताल पर भी दबाव कम होगा।

नेफ्रोलॉजिस्ट की कमी बनी चुनौती

जिले में केवल तकनीशियनों की ही नहीं, बल्कि किडनी रोग विशेषज्ञ यानी नेफ्रोलॉजिस्ट की भी भारी कमी है। गंभीर मरीजों के उपचार के लिए विशेषज्ञ की आवश्यकता होती है, लेकिन वर्तमान में एमबीबीएस डॉक्टरों के भरोसे ही काम चलाया जा रहा है। आंकड़ों के अनुसार जिले में हर महीने लगभग 700 से 800 डायलिसिस किए जाते हैं, जिनमें कई मामलों में विशेषज्ञ की जरूरत पड़ती है।

आज निकलेगी विशाल हनुमान जन्मोत्सव शोभायात्रा, उमड़ेगा जनसैलाब

विजय मत, बुढ़ार/धनपुरी

श्री हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद एवं राष्ट्रीय बजरंग दल के तत्वावधान में बुढ़ार-धनपुरी क्षेत्र में कल एक अत्यंत भव्य एवं विशाल शोभायात्रा का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन को लेकर पूरे क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल बन गया है तथा युवाओं, श्रद्धालुओं और मातृशक्ति में विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है।
आयोजन समिति से प्राप्त जानकारी के अनुसार, शोभायात्रा का शुभारंभ दोपहर 3ः00 बजे श्रीराम जानकी मंदिर, बुढ़ार से विधिवत पूजन-अर्चन एवं मंगलाचरण के साथ किया जाएगा। इसके पश्चात यह शोभायात्रा बुढ़ार से प्रारंभ होकर धनपुरी क्षेत्र के विभिन्न प्रमुख मार्गों एवं चौक-चौराहों से गुजरते हुए निर्धारित स्थलों तक पहुंचेगी। एवं यात्रा राधाकृष्ण मंदिर पहुँचने के बाद श्री हनुमान जन्मोत्सव सेवा समिति के साथ पैदल यात्रा में परिवर्तित होकर संपूर्ण धनपुरी नगर भ्रमण करेगी। यात्रा मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं द्वारा स्वागत,

पुष्पवर्षा एवं सेवा कार्य किए जाएंगे।
शोभायात्रा में इस वर्ष विशेष आकर्षण के रूप में सुसज्जित झांकियाँ, विशाल भगवा ध्वज, भक्ति संगीत, डीजे, अखाड़ा दलों द्वारा आकर्षक एवं रोमांचक प्रदर्शन तथा पारंपरिक वेशभूषा में सुसज्जित युवा शामिल होंगे। इसके साथ ही धार्मिक नारों एवं भजनों से संपूर्ण क्षेत्र भक्तिमय हो उठेगा।आयोजन समिति द्वारा सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं को लेकर विशेष तैयारियाँ की गई हैं। यातायात व्यवस्था, पेयजल, चिकित्सा सहायता एवं अनुशासन बनाए रखने हेतु स्वयंसेवकों की विशेष टीम तैनात की गई है, जिससे कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न हो सके। इस अवसर पर संगठन से जुड़े कार्यकर्ता मेहुल श्रीवास्तव ने कहा कि यह शोभायात्रा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि समाज में एकता, संस्कार एवं संगठन शक्ति का प्रतीक है। उन्होंने समस्त धर्मप्रेमी नागरिकों से आग्रह किया कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस भव्य आयोजन का हिस्सा बनें और भगवान श्री हनुमान के जन्मोत्सव को श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मनाएं।
आपको बता दें कि वे अपने तीखे बयानों के कारण महाकौशल क्षेत्र में ÷जूनियर तोगड़िया÷ के नाम से भी जाने जाते हैं और लंबे समय से धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। इस प्रकार के आयोजन समाज को जोड़ने, युवाओं को संस्कारित करने एवं सेवा भावना को मजबूत करने का माध्यम बनते हैं। उन्होंने कहा कि बुढ़ार-धनपुरी क्षेत्र में आयोजित यह शोभायात्रा एक ऐतिहासिक एवं यादगार आयोजन के रूप में स्थापित होगी।

अफवाहों से न घबराएं, पेट्रोल-डीजल की कोई कमी नहीं, प्रशासन की सख्त चेतावनी

विजय मत, शहडोल

धनपुरी नगर में पेट्रोल-डीजल की किल्लत को लेकर फैल रही अफवाहों के बीच प्रशासन और पेट्रोलियम डीलर्स ने स्थिति पूरी तरह स्पष्ट कर दी है। अधिकारियों और डीलर्स का कहना है कि धनपुरी और बुढ़ार क्षेत्र में ईंधन की कोई कमी नहीं है, सभी पेट्रोल पंपों पर पर्याप्त मात्रा में स्टॉक उपलब्ध है और आपूर्ति सामान्य रूप से जारी है।
हाल के दिनों में सोशल मीडिया पर पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारों और ईंधन संकट की खबरें तेजी से वायरल हो रही हैं, जिससे आम नागरिकों में भ्रम की स्थिति बन गई है। हालांकि, पेट्रोलियम डीलर्स ने इन खबरों को सिरे से खारिज करते हुए कहा है कि यह केवल अफवाहें हैं। नगर के सभी पंपों पर नियमित रूप से सप्लाई हो रही है और किसी भी प्रकार की कमी जैसी स्थिति नहीं है।
डीलर्स के अनुसार, धनपुरी और बुढ़ार क्षेत्र में एचपी और इंडियन ऑयल के 10 से अधिक पेट्रोल पंप संचालित हैं, जहां पर्याप्त मात्रा में पेट्रोल और डीजल उपलब्ध है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कुछ लोग अफवाहों के कारण जरूरत से ज्यादा ईंधन भरवा रहे हैं, जिससे पंपों पर अस्थायी भीड़ दिखाई दे रही है। वास्तविकता में यह केवल मांग का अचानक बढ़ना है, न कि आपूर्ति में कमी।
प्रशासन ने भी इस मामले को गंभीरता से लेते हुए सख्त रुख अपनाया है। स्थानी प्रशासन की ओर से भी स्पष्ट कहा कि ईंधन की कालाबाजारी करने वालों पर प्रशासन की पैनी नजर है और ऐसे तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आमजन से अपील की है कि किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें और यदि कोई व्यक्ति भ्रामक जानकारी फैलाता है या कालाबाजारी करता हुआ पाया जाता है, तो उसकी सूचना तुरंत नजदीकी थाने में दें।
प्रशासन द्वारा सोशल मीडिया पर भी लगातार निगरानी रखी जा रही है, ताकि अफवाह फैलाने वालों पर समय रहते कार्रवाई की जा सके। अधिकारियों ने कहा कि राज्य स्तर पर भी पेट्रोल-डीजल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है और किसी अंतरराष्ट्रीय परिस्थिति का तत्काल कोई असर आपूर्ति पर नहीं पड़ा है।
धनपुरी के भारत पेट्रोलियम के प्रबंधक परमात्मा गुप्ता ने कहा कि पेट्रोल पंप पर पर्याप्त मात्रा में डीजल और पेट्रोल दोनों ही उपलब्ध है और सभी को डीजल पेट्रोल उपलब्ध भी कराया जा रहा है उन्होंने नागरिकों से संयम बरतने और केवल जरूरत के अनुसार ही ईंधन लेने की अपील की है। उन्होंने कहा कि अफवाहों के कारण अनावश्यक भीड़ और अव्यवस्था की स्थिति उत्पन्न होती है, जिससे आम लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।
स्पष्ट रूप से कहा जाए तो धनपुरी और बुढ़ार क्षेत्र में पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है।

सड़क निर्माण कंपनी की लापरवाही पर कलेक्टर ने की कार्यवाही

विजय मत, डिंडौरी

कार्यालय कलेक्टर डिंडोरी द्वारा शहपुरा.डिंडौरी मार्ग पर सड़क निर्माण कार्य में अनियमितताओं एवं अनुबंध की शर्तों के उल्लंघन के संबंध में संबंधित ठेकेदार फर्म को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है। संबंधित फर्म द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 45 के अंतर्गत शहपुरा.डिंडौरी खंड में किए जा रहे निर्माण कार्य में गुणवत्ता संबंधी गंभीर शिकायतें प्राप्त हो रही हैं। जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक में जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों द्वारा भी निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर असंतोष व्यक्त किया गया। साथ ही सोशल मीडिया में वायरल समाचारों के आधार पर भी निर्माण कार्य में मानकों की अनदेखी सामने आई है। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि निर्माणाधीन पुल पुलिया के पास कार्य में निर्धारित गुणवत्ता का पालन नहीं किया जा रहा है तथा बिना पर्याप्त मजबूती के पाइप डालकर निर्माण किया जा रहा है। लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री टीम द्वारा 31 मार्च 2026 को स्थल निरीक्षण कर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की गई है जिसमें कार्य में खामियां पाई गई हैं। कलेक्टर ने समस्या को गंभीरता से लेते हुए संबंधित फर्म से स्पष्ट कारण बताने के निर्देश दिए हैं

पालकी में सवार हो नगर भ्रमण को निकले भगवान महावीर

विजय मत, बुढ़ार

पूरे देश में ही नहीं अपितु विदेशों में भी सभी जगहों में तिथि अनुसार 30 मार्च को जिन शासन नायक भगवान महावीर की जन्म जयंती जैन अनुयायियों द्वारा भव्यता से पारंपरिक तरीकों से मनाई गई। बुढार मेंपूज्य निर्यापक मुनि श्री प्रसाद सागर जी एवं पूज्य मुनि श्री शीतल सागर के पावन सानिध्य मिलने से इस वर्ष बुढार समाज में एक विशेष उत्साह देखने में आया।
30 मार्च दिन रविवार 2026 को प्रातः 7 बजे से श्री वासुपूज्य जिन मंदिरजी, श्री शांतिनाथ जिन मंदिर जी ,एवं पार्श्वनाथ जैन मंदिर जी में वर्तमान शासन नायक भगवान महावीर स्वामी जी की की जिन बिम्ब प्रतिमाओं में जन्माभिषेक , शांति धारा श्रद्धालुओं द्वारा किया गया । पार्श्वनाथ जैन मंदिर में मुनि श्री प्रसाद सागर जी, शीतल सागर जी के मुखारबिंद से 108 कलशों से भगवान महावीर स्वामी जी का मुनि श्री की आहार चर्या के पश्चात दोपहर 1.30 बजे श्री पार्श्वनाथ जैन मंदिर जी एवं शांतिनाथ जैन मंदिर से से श्री जी की भव्य शोभा यात्रा , विमान, रथ जी,एवं पालकी में भव्य शोभा यात्रा निकाली गई।

कार्यालय वनमण्डलाधिकारी उत्तर शहडोल वनमण्डल म.प्र.
फोन नं0 07652-245167 ईमेल- dfotnshahd-mp@gov.in
क्र./व्यय / 767 शहडोल, दिनांक 31/03/ 2026
निविदा विज्ञप्ति
वनमण्डल अंतर्गत विभिन्न वानिकी एवं अद्योसंरचना कार्यों हेतु प्रयोग होने वाली सामग्रियों की आपूर्ती हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है विवरण निम्नानुसार हैः-

क्र.	सामग्री का नाम	संत्याकार निधि
01	वानिकी एवं अद्योसंरचना हेतु प्रयोग होने वाली सामग्री	42329

निविदा के संबंध मे समस्त जानकारी ई निविदा क्रमांक 2026_MPFD_495034_1 के माध्यम से प्राप्त करे।
वनमण्डलाधिकारी
उत्तर शहडोल वनमण्डल म.प्र.
G11020/26

कार्यालय वनमण्डलाधिकारी उत्तर शहडोल वनमण्डल म.प्र.
फोन नं0 07652-245167 ईमेल- dfotnshahd-mp@gov.in
क्र./व्यय / 776 शहडोल, दिनांक 31/03/ 2026
निविदा विज्ञप्ति
वनमण्डल अंतर्गत विभिन्न वानिकी एवं अद्योसंरचना कार्यों हेतु प्रयोग होने वाली सामग्रियों की आपूर्ती हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है विवरण निम्नानुसार हैः-

क्र.	सामग्री का नाम	संत्याकार निधि
01	वानिकी एवं अद्योसंरचना हेतु प्रयोग होने वाली सामग्री	131970

निविदा के संबंध मे समस्त जानकारी ई निविदा क्रमांक 2026_MPFD_495025_1 के माध्यम से प्राप्त करे।
वनमण्डलाधिकारी
उत्तर शहडोल वनमण्डल म.प्र.
G11011/26

कार्यालय वनमण्डलाधिकारी उत्तर शहडोल वनमण्डल म.प्र.
फोन नं0 07652-245167 ईमेल- dfotnshahd-mp@gov.in
क्र./व्यय / 779 31/03/2026 शहडोल, दिनांक 31
निविदा विज्ञप्ति
वनमण्डल अंतर्गत विभिन्न वानिकी एवं अद्योसंरचना कार्यों हेतु प्रयोग होने वाली सामग्रियों की आपूर्ती हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है विवरण निम्नानुसार हैः-

क्र.	सामग्री का नाम	संत्याकार निधि
01	वानिकी एवं अद्योसंरचना हेतु प्रयोग होने वाली सामग्री	19500

निविदा के संबंध मे समस्त जानकारी ई निविदा क्रमांक 2026_MPFD_495048_1 के माध्यम से प्राप्त करे।
वनमण्डलाधिकारी
उत्तर शहडोल वनमण्डल म.प्र.
G11004/26

अनदेखी प्रशासन की अनदेखी के बीच मंडी बनी मुसीबत का केंद्र, बढ़ती भीड़ में हादसे का खतरा गहराया

अव्यवस्था में डूबी सब्जी मंडी, अतिक्रमण और जाम से हर दिन बिगड़ रहे हालात

विजय मत, शहडोल

शहर की सब्जी मंडी इन दिनों बदहाल व्यवस्था, अतिक्रमण और अव्यवस्थित यातायात की गंभीर समस्या से जूझ रही है। शहर की बढ़ती आबादी के साथ जहां सुविधाओं के विस्तार की जरूरत थी, वहीं मंडी का दायरा लगातार सिकुड़ता जा रहा है। नतीजतन यहां हालात इतने खराब हो चुके हैं कि रोजाना जाम, विवाद और अव्यवस्था आम बात बन गई है। तंग गलियों में फंसी यह मंडी अब किसानों, व्यापारियों और आम लोगों के लिए परेशानी का सबसे बड़ा कारण बनती जा रही है।

तंग गलियों में थम जाता है पूरा बाजार –मंडी परिसर की संकरी गलियां व्यवस्था की सबसे बड़ी कमजोरी बन चुकी हैं। यहां दो छोटे वाहन भी एक साथ निकलने में संघर्ष करते नजर आते हैं। ऐसे में जब भारी वाहन मंडी के भीतर प्रवेश करते हैं, तो स्थिति पूरी तरह नियंत्रण से बाहर हो जाती है। मंगलवार सुबह करीब 11 बजे एक थोक व्यापारी का ट्रक मंडी के अंदर पहुंच गया, जिसके बाद कई घंटों तक जाम की स्थिति बनी रही। ट्रक को बाहर निकालने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी और इस दौरान पूरा बाजार ठप पड़ा रहा।

रोजाना जाम से जूझ रहे किसान और व्यापारी –

मंडी में जाम की समस्या अब स्थायी रूप ले चुकी है। सुबह के समय जब ग्रामीण क्षेत्रों से किसान बड़ी संख्या में अपनी उपज लेकर पहुंचते हैं, तब मंडी में भीड़ का दबाव चरम पर होता है। जगह की कमी के कारण किसानों को घंटों तक अपनी बारी का इंतजार करना पड़ता है। वहीं व्यापारी और ग्राहक भी इस अव्यवस्था के कारण परेशान होते हैं। कई बार लोग जाम में फंसकर अपना काम अधूरा छोड़ने को मजबूर हो जाते हैं।

अतिक्रमण ने बिगाड़े हालात, रास्ते हुए संकरे – मंडी में लगातार बढ़ते अतिक्रमण ने समस्या को और गंभीर बना दिया है। दुकानों के बाहर तक फैला सामान, अवैध कब्जे और अस्थायी ठेले रास्तों को और संकरा कर रहे हैं। पैदल चलने वालों के लिए भी पर्याप्त जगह नहीं बचती, जिससे आए दिन धक्का-मुक्की की स्थिति बनती है। प्रशासन द्वारा समय-समय पर कार्रवाई के दावे किए जाते हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर कोई ठोस बदलाव नजर नहीं आता।

आढ़त क्षेत्र में रोजाना विवाद, बढ़ रहा तनाव – जगह की कमी और अव्यवस्थित प्रबंधन के कारण आढ़त क्षेत्र में आए दिन विवाद की स्थिति बनती है। किसान और व्यापारी माल उतारने और रखने को लेकर अक्सर आमने-सामने आ जाते हैं। कई बार मामूली कहासुनी भी बड़े विवाद का रूप ले लेती है, जिससे मंडी का माहौल तनावपूर्ण बना रहता है। इससे न केवल कामकाज प्रभावित होता है, बल्कि लोगों में असुरक्षा की भावना भी बढ़ रही है।

भारी वाहनों की आवाजाही से हर पल हादसे की आशंका –मंडी के भीतर भारी वाहनों की अनियंत्रित आवाजाही ने जोखिम को कई गुना बढ़ा दिया है। तंग गलियों में ट्रकों और बड़े वाहनों के बीच से निकलना लोगों के लिए खतरनाक साबित हो रहा है। महिलाएं, बुजुर्ग और बच्चे सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। कई बार अचानक वाहन आने से लोग बाल-बाल बचते हैं।

न्यूज इन शॉर्ट

चार धाम यात्रा 19 अप्रैल से, मंडल के दो जत्थे जाएंगे

विजय मत, भोपाल। ओम शिव शक्ति सेवा मंडल भोपाल के सचिव रिंकू भटेजा ने बताया कि इस वर्ष चार धाम यात्रा 19 अप्रैल (अक्षय तृतीया) से प्रारंभ होकर 11 नवंबर (भाई दूज) तक चलेगी इस वर्ष मंडल के दो जत्थे चार धाम यात्रा के लिए रवाना होंगे पहला जत्था 30 जून को प्रकाश पाटिल एवं दूसरा जत्था 11 मई को मंडल की महिला शाखा की अध्यक्षता दिव्या बोहरा के नेतृत्व में रवाना होंगे। जत्थों में 50 से अधिक श्रद्धालु सम्मिलित रहेंगे।

दो किलो गांजा सहित आदतन तस्कर गिरफ्तार

विजय मत, भोपाल। हबीबगंज थाना पुलिस ने एक गांजा तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 2 किलो गांजा बरामद किया है। थाना पुलिस से मिली जानकारीके अनुसार बीते दिन मुखबिर से सूचना मिली की कि पोल्युशन बोर्ड परिसर में राज्य नगर नियोजन के सामने एक संदिग्ध युवक गांजा बेचने की फिराक में किसी ग्राहक का इंतेजार कर रहा है। खबर मिलते ही टीम ने मौके पर घेराबंदी करते हुए संदिग्ध को पकड़ लिया। उसके हाथ में पकडे बैग की तलाशी लेने पर उसके अंदर टेप से लिपटे हुए दो पैकेट में 2 किलो गांजा रखा मिला। पूछताछ करने पर आरोपी की पहचान वीर बर्रेकर पिता राजेश बर्रेकर (19) निवासी मद्रासी कॉलोनी टीटी नगर के रुप में हुई। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओ में मामला दर्ज कर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया की पकड़ाया गया गांजा तस्कर पूर्व में भी मादक पदार्थ तस्करी के मामले में गिरफ्तार हो चुका है। उसके खिलाफ थाना टी.टी नगर में चार मामले दर्ज है। आरोपी से जप्त किये गये गांजे के संबध में पूछताछ की जा रही है।

हत्या के प्रयास, किडनेपिंग-फिरौती, अप्राकृतिक कृत्य के मामलो में फरार बदमाश गिरफ्तार

विजय मत, भोपाल। थाना कोहेफिजा पुलिस ने कोहेफिजा और थाना खजुरी सडक इलाके मे हत्या के प्रयास सहित किडनेपिंग-फिरौती के मामले मे फरार इनामी आरोपी राहुल को आखिरकार कर लिया है। बदमाश पर लगभग 2 दर्जन से अधिक गम्भीर अपराधिक मामले दर्ज है। वारदात में शामिल उसके साथियो को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। थाना पुलिस के अनुसार 7 जनवरी 26 को नई बस्ती भैंसा खेडी थाना बैरागढ में रहने वाले फरियादी धर्मेन्द्र मालवीय पिता करन सिंह मालवीय ने रिर्पोट दर्ज कराते हुए बताया था, की बीती 31 दिसबंर 2025 को आरोपी राहुल हंटर ने अपने साथियो फुफ्फू, शाका, राहुल दवाडे, रफ्फू तथा भोपाली के साथ मिलकर उसे कोहेफिजा इलाके से उसका अपहरण कर थाना शॉहजहानाबाद में स्थित मल्टी मे ले जाकर बंधक बनाया। वहॉ उसके साथ गाली-गलौच करते हुए जमकर मारपीट करने के साथ ही आप्रकृतिक कृत्य किया। बाद में बदमाशो ने उसे धमकाते हुए छोड़ दिया, उस समय डर के कारण शिकायत न करते हुए वह अपने घर चला गया। बाद में परिवार वालो को उसने सारी बात बताई और थाने आकर शिकायत की। रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने आरोपियो के खिलाफ मामला कायम कर उनकी तलाश शुरु की। इस बीच फरारी के दौरान ही बदमाश राहुल ने थाना खजूरी सड़क भोपाल में अपने साथियो के साथ मिलकर एक व्यक्ति पर कातिलाना हमला किया था।

डिजिटल मीडिया में कैरियर बनाने का सुनहरा अवसर, ईएमएस अकादमी का विशेष कोर्स शुरू

विजय मत, भोपाल। वर्तमान डिजिटल युग में कैरियर के नए अवसर तेजी से बढ़ रहे हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए ईएमएस एकैडमी ऑफ जर्नलिज्म ने डिजिटल मीडिया फाउंडेशन कोर्स शुरू किया है, जो भारतीय विद्या भवन से संबद्ध है। यह 3 माह का कोर्स छात्रों, नौकरीपेशा लोगों और गृहिणियों के लिए एक बेहतरीन अवसर लेकर आया है। यह बात ईएमएस ग्रुप के चैयरमैन सनत जैन ने संस्थान के ब्रोशर का विमोचन करते हुए कही। जैन ने कोर्स की उपयोगिता बताते हुए कहा, कि इस कोर्स के माध्यम से प्रतिभागियों को कंटेंट क्रिएशन, सोशल मीडिया मैनेजमेंट, यूट्यूब स्ट्रेटेजी और बेसिक एआई टूल्स की जानकारी सरल और व्यावहारिक तरीके से दी जाएगी। वर्तमान समय में डिजिटल प्लेटफॉर्म पर कैरियर की अपार संभावनाएं हैं, और यह कोर्स युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने में सहायक साबित हो सकता है। इस तीन माह वाले कोर्स की कुल फीस 7500 रुपये निर्धारित की गई है, लेकिन 15 अप्रैल 2026 तक रजिस्ट्रेशन कराने वाले विद्यार्थियों को 2500 रुपये की विशेष छूट दी जा रही है।

3,600 करोड़ की परियोजना से बदलेगा भोपाल का नक्शा

किसानों को राहत : हार्वेस्टर टोल फ्री, भोपाल बायपास को हरी झंडी

विजय मत, भोपाल

मध्यप्रदेश सरकार ने किसानों को बड़ी राहत देते हुए कंबाइन हार्वेस्टर को टोल टैक्स से पूरी तरह मुक्त कर दिया है। इसके साथ ही भोपाल के बहुप्रतीक्षित वेस्टर्न बायपास के नए एलाइनमेंट को भी स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। सरकार का दावा है कि इन फैसलों से जहां किसानों की लागत घटेगी, वहीं राजधानी में ट्रैफिक जाम की समस्या कम होगी और यात्रियों को करीब 21 किलोमीटर की दूरी की बचत होगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम की बैठक में यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। कंबाइन हार्वेस्टर को खेती का आवश्यक उपकरण मानते हुए सरकार ने उस पर लगने वाला टोल टैक्स समाप्त कर दिया है। इससे किसानों को फसल कटाई के दौरान परिवहन लागत में सीधा लाभ मिलेगा और कृषि उत्पादन की कुल लागत में कमी आएगी। बैठक में भोपाल वेस्टर्न बायपास परियोजना के संशोधित एलाइनमेंट को भी मंजूरी दी गई। मध्य प्रदेश रोड डेवलपमेंट कंपनी (MPRDC) द्वारा तैयार इस नए एलाइनमेंट के तहत लगभग 35.61 किलोमीटर लंबा मार्ग विकसित किया जाएगा। इस योजना में पर्यावरण संरक्षण

को प्राथमिकता देते हुए वन क्षेत्र, वन्यजीव और रामसर साइट को न्यूनतम प्रभावित करने का ध्यान रखा गया है। परियोजना के तहत वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए 5 किलोमीटर लंबा वाइल्ड लाइफ कॉरिडोर विकसित किया जाएगा। इसके अलावा, हाईवे के दोनों ओर 12 फीट ऊंची जाली लगाई जाएगी और 610 मीटर लंबा अंडरपास बनाया जाएगा, जिससे वन्यजीवों का सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित हो सके। रामसर साइट और नदी तंत्र की सुरक्षा के लिए 20 से अधिक पुल-पुलियों का निर्माण भी प्रस्तावित है। नया बायपास रतनपुर गांव से शुरू होकर फंदा के पास भोपाल-देवास रोड से जुड़ेगा।

किसानों को सीधा लाभ

कंबाइन हार्वेस्टर पर टोल टैक्स खत्म होने से किसानों की लागत में कमी आएगी। फसल कटाई के दौरान इन मशीनों का एक जिले से दूसरे जिले तक परिवहन होता है, जिस पर अब तक टोल देना पड़ता था। टोल माफी से किसानों को आर्थिक राहत मिलेगी और कृषि कार्य अधिक किफायती हो सकेगा। इससे छोटे और मध्यम किसानों को विशेष रूप से फायदा मिलने की उम्मीद है।

ट्रैफिक और दूरी दोनों में राहत

भोपाल वेस्टर्न बायपास बनने से शहर में भारी वाहनों का दबाव कम होगा। इंदौर जाने वाले मार्ग पर 21 किलोमीटर की दूरी कम हो जाएगी, जिससे समय और ईंधन दोनों की बचत होगी। इस परियोजना से भोपाल की लगभग 40 प्रतिशत आबादी को प्रत्यक्ष लाभ मिलने का अनुमान है और शहर की ट्रैफिक व्यवस्था में बड़ा सुधार देखने को मिलेगा।

पर्यावरण संरक्षण पर विशेष फोकस

नए एलाइनमेंट में पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता दी गई है। वन क्षेत्र को कम प्रभावित करने के लिए मार्ग में संशोधन किया गया है।

चार वरिष्ठ आईएफएस अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां

डॉ. समीता राजौरा बनीं प्रदेश की नई चीफ वाइल्ड लाइफ वार्डन

विजय मत, भोपाल

मध्य प्रदेश वन विभाग में बड़े स्तर पर प्रशासनिक फेरबदल करते हुए राज्य शासन ने चार वरिष्ठ भारतीय वन सेवा (आईएफएस) अधिकारियों के तबादले और पदस्थापना के आदेश जारी किए हैं। 1 अप्रैल 2026 को जारी आदेश के तहत अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं, जिससे विभागीय कार्यप्रणाली को और प्रभावी बनाने का प्रयास किया गया है। सबसे महत्वपूर्ण नियुक्ति 1992 बैच की आईएफएस अधिकारी डॉ. समीता राजौरा की हुई है, जिन्हें प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्य प्राणी) एवं चीफ वाइल्ड लाइफ वार्डन बनाया गया है। वे अब तक राज्य लघु वनोपज संघ की प्रबंध संचालक के रूप में कार्यरत थीं। उल्लेखनीय है कि वन बल प्रमुख शुभरंजन सेन पिछले एक माह से इस पद का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे थे, जो अब राजौरा के पदभार ग्रहण करने के बाद समाप्त हो जाएगा। इसी क्रम में 1990 बैच के वरिष्ठ आईएफएस अधिकारी विभाष कुमार ठाकुर को लोक सेवा प्रबंधन विभाग में प्रतिनियुक्ति पर भेजा गया है। उन्हें अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान का मुख्य कार्यपालन अधिकारी नियुक्त किया गया है। वहीं, 1995 बैच की आईएफएस अधिकारी अर्चना शुक्ला, जो अब तक वन विकास निगम में प्रधान मुख्य वन संरक्षक के पद पर थीं, उन्हें अनुसंधान एवं विस्तार मुख्यालय, भोपाल का नया प्रभार सौंपा गया है। इसके अलावा 1997 बैच की आईएफएस अधिकारी कमोलिका मोहंता को अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक के साथ-साथ राज्य लघु वनोपज संघ का प्रबंध संचालक बनाया गया है।

पेट्रोल महंगा पड़ने से कारों में सीएनजी भराने पंपों में उमड़ रही भीड़, लग रही लंबी कतारें

सीएनजी स्टेशन : फिर बढ़े दाम, 88.25 रुपए सीएनजी हुआ 90.75 रुपए किलो का

विजय मत, भोपाल

पेट्रोल-डीजल की ऊंची कीमतों के कारण लोग सीएनजी गाड़ियों को प्राथमिकता दे रहे हैं, लेकिन मांग की तुलना में सीएनजी पंपों की संख्या कम होने से शहर के ऐसे पंपों पर वाहनों की लंबी लाइन लग रही है। पहले की तुलना में सीएनजी की दाम भी बढ़े हुए हैं। बीते दिन सीएनजी 88.25 प्रति किलोग्राम था। इसके पहले भोपाल में सीएनजी की कीमत लगभग सीएनजी 83.53 रुपए किलो थी। लेकिन बीती शाम सरकारी कंपनियों ने सीएनजी के दाम में ढाई रुपए किलो ग्राम की मूल्य वृद्धि की। इस वृद्धि की बाद आज सीएनजी स्टेशन पर इसके दाम 90 रुपए 75 पैसे किलो ग्राम हो गए है। एचपी सीएनजी स्टेशन के शास्वत रावत ने बताया कि सरकारी कंपनियों से राजधानी भोपाल में करीब 5 आउटलेट है, इसके अलावा शेष सीएनजी स्टेशन प्रायवेट कंपनी जैसे थिंक, नायरा आदि के हैं। अतः सीएनजी कारों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी के कारण सीएनजी स्टेशनों पर भारी भीड़ और लंबी कतारें एक आम समस्या बन गई है।

कमर्शियल सिलेंडर 195 महंगा, भोपाल में 2084 रुपए का हुआ

भोपाल। इकिल्लत के बीच मध्य प्रदेश में कमर्शियल सिलेंडर 195 रुपए महंगा हो गया है। यह बढ़ोतरी घरेलू सिलेंडर के रेट 60 रुपए बढ़ाने के 25 दिन बाद 1 अप्रैल से की गई है। प्रदेश के 50 हजार से ज्यादा होटल और रेस्टोरेंट को जरूरत का 9% सिलेंडर ही मिल रहा है। इससे कई होटल-रेस्टोरेंट का मेन्यू बदल गया है। गैस के रेट बढ़ने से खाना भी महंगा होगा। भोपाल में 19 किलो कमर्शियल सिलेंडर 2084 रुपए, इंदौर में 2186 रुपए, जबलपुर में 2295 रुपए, ग्वालियर में 2307 रुपए और उज्जैन में 2251 रुपए में मिलेगा।

नाबालिग की हत्या के प्रयास का आरोपी तीन महीने बाद जलगॉव से धराया

चार मामलों में पुलिस को थी तलाश, 40 हजार का था इनाम

विजय मत, भोपाल

नये शहर के रोड थाना इलाके में नाबालिग पर तीन महीने पहले जानलेवा हमला करने के मामले में फरार चल रहे कुख्यात बदमाश दुर्गेश यादव उर्फ जीतू यादव पिता शंकरलाल (30) निवासी दुर्गा चौक के पास ओम नगर, कोलार रोड को पुलिस टीम ने जलगांव से दबोच लिया। इससे पहले अशोका गार्डन पुलिस ने जलगांव से ही शादाब कुरैशी उर्फ गेट को भी दबोचा था। उसने कुख्यात बदमाश लल्लू रईस के बेटे पर कई गोलियां चलाकर जानलेवा हमला किया था। जानकारी के अनुसार कोलार रोड के हिस्ट्रीशीटर बदमाश जीतू यादव के खिलाफ ईसी एक्ट के अलावा अड़ीबाजी के मामले दर्ज हैं। पुलिस को हत्या के प्रयास के मामले सहित चार मामलों में उसकी तलाश थी। उसकी गिरफ्तारी पर 40 हजार रूपए का इनाम भी घोषित किया गया था। कोलार रोड थाना पुलिस ने आरोपी जीतू यादव को महाराष्ट्र के जलगांव से गिरफ्तार किया है। 31 मार्च की देर रात पुलिस टीम आरोपी को लेकर भोपाल पहुंची। जीतू यादव कोलार और कजलीखेड़ा का आदतन बदमाश है। अपने गुर्गों के जरिये वह अड़ीबाजी, धमकी और अवैध गैस री-फिलिंग के कारोबार को अंजाम देता है। उसके गुर्गों ने होली के दिन एक नाबालिग के साथ बेरहमी से मारपीट कर उसके हाथ-पैर तोड़ दिए थे। इस घटना की सीएम हेल्पलाइन में शिकायत होने के बाद पुलिस ने नाबालिग की बहन की शिकायत पर अगले दिन केस दर्ज किया था। मामले में निक्की शुक्ला समेत पांच आरोपियों ने कोर्ट में सरेंडर किया था, जिनकी पुलिस ने गिरफ्तारी कर ली थी। आरोपी जीतू यादव सहित दो अन्य आरोपी अनस और ऋषि शिल्पकार फरार चल रहे थे। जलगॉव से आरोपी जीतू यादव की गिरफ्तारी से पहले 31 मार्च को ही पुलिस ने नाबालिक की हत्या के प्रयास के मामले में आरोपी अनस खॉन और ऋषि शिल्पकार को भी गिरफ्तार कर लिया है। अधिकारियो ने बताया की अवैध गैस रिफलिंग के लिये कुख्यात बदमाश जीतू के खिलाफ शहर के अलग-अलग थानों में 20 से अधिक अपराधिक मामले दर्ज है। उसकी गिरफ्तारी पर अलग-अलग मामलों 40 रूपये का इनाम घोषित में किया गया था। आरोपी थाना कोलार व थाना कजली खेडा के कई मामलों में फरार चल रहा था। बदमाश जीतू यादप यूपी, दिल्ली, महाराष्ट्रा में बार-बार अपने ठिकाने बदल रहा था। पुलिस को सुराग मिला की उसकी पत्नी उससे मिलने बीते दिनो महाराष्ट्र धुले गयी थी। इसी सुराग के आधार पर टीम ने उसे महाले रेजेंसी धुले महाराष्ट्रा से गिरफ्तार कर लिया गया है। आगे की पूछताछ के लिये उसे कोर्ट में पेश कर तीन दिन के पुलिस रिमाण्ड पर लिया है।

गैस की कालाबाजारी करते हुए पकड़ाया था जीतू

पुलिस ने बताया की बदमाश जीतू यादव अडीबाजी, मारपीट की वारदातो के साथ ही अपने साथियो की मदद से रसोई गैस की कालाबजारी का कोलार क्षेत्र में काम करता था। 7 जनवरी 26 को थाना कोलार रोड में रसोई गैस की कालाबजारी करते हुये पाये जाने पर पुलिस ने 92 गैस सिलेण्डर जप्त कर अजय तोमर, विजय तोमर, विपिन तोमर, चेनसिंह तोमर को गिरफ्तार किया था। जॉच में सामने आया की यह कालाबाजारी जीतू यादव के संरक्षण मे चल रही थी, इसके बाद पुलिस ने प्रकरण में बदमाश जीतू यादव को भी आरोपी बनाया था। जीतू यादव एवं उसके साथियो द्वारा गठित आपराधिक घटनाओ को देखते हुये गैग हिस्ट्रीशीट तैयार की गयी है।

सृजन अभियान के तहत सामुदायिक पुलिसिंग की पहल

विजय मत, भोपाल

मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा संचालित सृजन अभियान के अंतर्गत सामुदायिक पुलिस सुरक्षा योजना के तहत कमजोर वर्ग की बस्तियों के किशोरों एवं युवाओं को पुलिस की कार्यप्रणाली एवं जन सुरक्षा व्यवस्थाओं से परिचित कराने हेतु एक महत्वपूर्ण पहल की गई। इसी क्रम में दिनांक 31 मार्च 2026 को निवसीद बचपन संस्था द्वारा पुलिस विभाग के सहयोग से बाबा नगर भोपाल स्थित बचपन संस्था के बच्चों एवं युवाओं के लिए डायल-112 का भ्रमण कराया गया। इसका उद्देश्य बच्चों को एकीकृत आपातकालीन सेवा प्रणाली की जानकारी देना एवं विभिन्न आपात परिस्थितियों में त्वरित सहायता प्राप्त करने के तरीकों से अवगत कराना रहा। कार्यक्रम के दौरान पुलिस टीम ने बच्चों को सरल एवं सहज भाषा में बताया कि अब अलग-अलग परिस्थितियों के लिए विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों–108 (स्वास्थ्य), 101 (अग्निशमन), 1930 (साइबर क्राइम), 1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन) एवं 139 (रेलवे सहायता) पर कॉल करने के स्थान पर केवल डायल-112 के माध्यम से किसी भी आपात स्थिति की सूचना तत्काल दर्ज कराई जा सकती है।

रेडियो कॉलोनी में कमरे में मिली प्रधान आरक्षक की लाश

विजय मत, भोपाल

भदभदा रोड स्थित पुलिस दूससंचार कॉलोनी में रहने वाले प्रधान आरक्षक की संदिग्ध हालत मे मौत हो गई। दो से वे अपने घर से बाहर नहीं निकले थे। पुलिस जब घर पहुंची तो कमरे में मृत अवस्था में मिले। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की वजह का खुलासा हो सकेगा। कमला नगर पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 38 वर्षीय रामू कुमरे पुलिस विभाग की रेडियो शाखा में प्रधान आरक्षक थे। वे भदभदा स्थित रेडियो कॉलोनी में शासकीय आवास में अकेले रहते थे। उनकी पत्नी व बच्चे नेहरू नगर इलाके में अलग रहते हैं। दो दिन से वे अपने कमरे से बाहर नहीं निकले थे। उनके घर का दरवाजा खुला नहीं था। अनहोनी की आशंका के चलते मंगलवार की शाम पड़ोसियों ने उनके दरवाजे को खटखटाया। अंदर से कोई भी आवाज नहीं आने पर पड़ोसियों ने कमलानगर थाने में सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। दरवाजे को तोड़कर जब सभी लोग अंदर पहुंचे तो कमरे में रामू कुमरे कमरे में पड़े मिले। उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां पर डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने उनके शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्राथमिक तौर पर पुलिस का कहना है कि शरीर पर किसी तरह के चोट के निशान नहीं पाए गए हैं। रामू कुमरे शराब पीने के आदी थे। पलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में ही मौत के कारणों का खुलासा हो सकेगा। इधर अरेरा हिल्स थानाक्षेत्र में रहने वाले एक युवक ने फांसी लगा ली। पुलिस ने बताया कि वल्लभ नगर में रहने वाला 25 वर्षीय सिद्वार्थ राय चार इमली में स्थित बंगलों में खाना बनाने का काम करता था। उसके पिता, भाई व मां भी काम करने जाती है। कल दोपहर सिद्धार्थ काम कर घर लौटा था। शाम को जब मां घर पहुंची तो वह फन्दे पर लटका मिला। परिजन उसे लेकर अस्पताल पहुंचे थे। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

शाहजहांनाबाद पुलिस ने दर्ज किया प्रकरण

नाबालिग को अगवा कर की ज्यादती, नागपुर में मिली किशोरी

विजय मत, भोपाल

शाहजहांनाबाद इलाके से अगवा कर लिया गया। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने तलाश शुरू की तथा एक दिन बाद ही नागपुर से दस्तयाब कर लिया। पूछताछ में शारीरिक संबंध बनाने की बात सामने आने पर पुलिस ने उसे ले जाने वाले युवक के खिलाफ दुष्कर्म का प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस ने बताया कि शाहजहांनाबाद इलाके की बस्ती में रहने वाली 17 साल की नाबालिग 29 मार्च को अपने घर से लापता हो गई थी। तलाश करने पर जब कहीं नहीं मिली तो परिजनों ने थाने में शिकायत कर दी। पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ अपहरण का प्रकरण दर्ज किया तथा तलाश शुरू कर दी। इसी दौरान पुलिस को नाबालिग के नागुपर में होने की सूचना मिली। पुलिस की टीम तुंरत ही नागपुर पहुंची तथा किशोरी वहां से बरामद किया। पूछताछ करने पर किशोरी ने अपने बयान में बताया कि उसके खिलाफ दुष्कर्म किया गया है। उसके बयान के बाद पुलिस ने पॉक्सो व दुष्कर्म का प्रकरण दर्ज कर लिया है। इधर कोलार इलाके में रहने वाली चार साल की मासूम बच्ची के साथ अश्लील हरकत करने का मामला सामने आया है।

मध्य प्रदेश में अब घर खरीदना महंगा, आज से गाइडलाइन बढ़ी

भोपाल की 740 लोकेशन पर प्रॉपर्टी महंगी

विजय मत, भोपाल

मध्य प्रदेश में आज प्रॉपर्टी की कीमतें बढ़ गई है। गाइड लाइन में बढ़ोतरी की जा रही है। मध्यप्रदेश की 1 लाख 5 हजार लोकेशन में से 65 हजार लोकेशन पर गाइड लाइन बढ़ाई गई है। भोपाल में 740 लोकेशन पर रेट बढेंगे। इससे पहले 31 मार्च को भोपाल में 1296 रजिस्ट्री हुई। इनसे 32.35 करोड़ राजस्व मिला है। सबसे ज्यादा लोकेशन इंदौर की हैं। इंदौर में 2625 लोकेशन पर गाइड लाइन में वृद्धि की गई है। इसमें न्यूनतम 10 फीसदी और अधिग्रहण वाले गांवों में अधिकतम 200फीसदी का इजाफा किया गया है। उज्जैन में 25 से अधिक लोकेशन पर 100 से 150फीसदी बढ़ोतरी का प्रस्ताव है।

ग्वालियर में 22 से अधिक लोकेशन पर 25 से 98फीसदी तक रेट बढ़ाने का प्रस्ताव है। कुल मिलाकर आज (1 अप्रैल) से पूरे प्रदेश में प्रॉपर्टी खरीदना पहले से महंगा हो जाएगा। औसत बढ़ोतरी 16फीसदी तक है।

पिछले साल यह 13फीसदी थी। 28 हजार 396 लोकेशन पर कोई बढ़ोतरी नहीं होगी। राजधानी में भानपुर, कोलार रोड, मेंडोरा-मेंडोरी, अयोध्या बायपास, निशातपुरा रोड पर 20 से 181फीसदी तक रेट बढ़ेंगे। भोपाल में तीन बैठकों में दावे-आपत्तियों पर चर्चा हुई। यहां कुल 63 दावे-आपत्तियां लगाई गई थीं। इनमें से 34 सुझाव आंशिक रूप से मान्य, 4 मान्य किए गए, जबकि 22 सुझाव अमान्य किए गए। 3 सुझाव क्रेडाई भोपाल एवं अन्य के थे, जिन्हें केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड को भेजने का निर्णय लिया गया। 26 मार्च को केंद्रीय मूल्यांकन कमेटी ने गाइडलाइन को मंजूरी दे दी। इसके चलते आज नई गाइड लाइन लागू की जा रही है।

विजय मत एंकर देवास रोड की केमिकल फैक्टरी पर गंभीर आरोप

गैस के असर से 30 से ज्यादा कर्मचारी बहरे, सुरक्षा इंतजामों पर उठे सवाल

विजय मत, ब्यूरो इंदौर

देवास रोड स्थित सोयाबीन प्लांट के पास संचालित एक केमिकल फैक्टरी पर कामगारों की सेहत से खिलवाड़ के गंभीर आरोप सामने आए हैं। यहां काम कर चुके कर्मचारियों का दावा है कि फैक्टरी में पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम नहीं होने के कारण उनकी सुनने की क्षमता प्रभावित हो गई और उनकी जिंदगी संकट में पड़ गई है। पीड़ितों के अनुसार, फैक्टरी से निकलने वाली गैस के लगातार संपर्क में रहने से करीब 30 से 35 कर्मचारी 60 से 70 प्रतिशत तक अपनी सुनने की क्षमता खो चुके हैं। अब हालत यह है कि उन्हें सामान्य बातचीत के लिए भी हियरिंग मशीन का सहारा लेना पड़ रहा है। कर्मचारियों का कहना है कि उन्होंने कंपनी प्रबंधन, प्रशासन, पुलिस और श्रम न्यायालय तक शिकायत की, लेकिन अब तक उन्हें कोई राहत नहीं मिली है। कर्मचारियों ने बताया कि फैक्टरी में एसिड और अन्य रसायनों को मिलाने की प्रक्रिया के दौरान निकलने वाली गैस का सीधा असर उनके स्वास्थ्य पर पड़ा। लंबे समय तक इस वातावरण में काम करने से उनकी स्थिति लगातार बिगड़ती गई। कई कर्मचारियों को मजबूरी में नौकरी छोड़नी पड़ी और अब बीमारी के कारण उन्हें दूसरी जगह रोजगार भी नहीं मिल पा रहा है।

मेडिकल जांच में सामने आई सच्चाई

पीड़ित कर्मचारी वासुदेव सोलंकी ने बताया कि काम शुरू करने के कुछ समय बाद ही उनके कानों में सीटी बजने लगी और आंखों में जलन महसूस होने लगी। शुरुआत में उन्होंने इसे सामान्य समझकर नजरअंदाज किया, लेकिन समस्या बढ़ती गई। बाद में मेडिकल जांच कराने पर सामने आया कि उनकी सुनने की क्षमता 60 से 70 प्रतिशत तक खत्म हो चुकी है। डॉक्टरों ने बताया कि अब इस स्थिति में सुधार के लिए ऑपरेशन ही एकमात्र विकल्प बचा है, जिससे उनकी चिंता और बढ़ गई है।

सुरक्षा पर लापरवाही या कर्मचारियों की गलती?

कर्मचारियों का आरोप है कि फैक्टरी में पर्याप्त सुरक्षा उपकरण उपलब्ध नहीं कराए गए और उन्हें लगातार गैस के संपर्क में काम करना पड़ा। वहीं, फैक्टरी प्रबंधन ने इन आरोपों को खारिज किया है। कंसलटेंट मोहन का कहना है कि औद्योगिक इकाइयों में शोर और रासायनिक प्रक्रिया सामान्य होती है और कर्मचारियों को सुरक्षा नियमों का पालन करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि फैक्टरी में स्वच्छता की सुविधाएं उपलब्ध हैं, लेकिन कई कर्मचारी उनका पालन नहीं करते।

संस्थापक
श्री रामसिपाही शुक्ल

जल संरक्षण करने जागरूक होने की जरुरत है

जल जीवन का आधार है। शास्त्रों में सलिल, तोदक, नितंब आदि द्वारा इसका वर्णन किया गया है। जल के साधारण गुण को बतलाते हुए लिखा है कि जल श्रम का नाश करने वाला, बल कारक, तृप्ति कारक, हृदय को प्रिय लगने वाला, अव्यक्त रसयुक्त, नित्य हितकारी, शीतल, लघु, स्वच्छ रस का कारण रूप, अमृत के समान जीवन दायक है। यह मूर्छा विनाशक, वमन, विबंध, निद्रा और अजीर्ण को नष्ट करता है।यह प्राणियों का जीवन रूप है और संपूर्ण जगत जल से भरा हुआ है । रोगों में निषेध होने पर भी सर्वथा उसका ख्याल नहीं करना चाहिए । हारित संहिता में कहा गया है कि तृष्णा अत्यंत भयंकर है क्योंकि तत्काल प्राणों को नष्ट कर देती है । इसलिए तृष्णा से पीड़ित को जलपान कराना चाहिए । जिससे प्राणि जिंदा रहे अन्यथा तृष्णा से मुंह बंद हो जाता है और वह प्राणों का नाश करने वाला है । जलपान का त्याग कभी भी नहीं करना चाहिए तथा ध्यान रखना चाहिए कि अधिक जल पीने से अन्न की पाचन क्रिया भली प्रकार नहीं होती और जल के न पीने से भी पाचन क्रिया में गड़बड़ी रहती है । अतः मनुष्य को आगे बढ़ाने के लिए थोड़ा-थोड़ा जल बारंबार पीना चाहिए । हां अरुचि प्रतिश्याय मंदाग्नि रोग मुक्त प्रसाद उदर रोग कुश्ती नेत्र रोग धरा ब्राह्मण और मधुमेह में अल्प जलपान हितकारक कहा गया है । भारत के कुल क्षेत्रफल का लगभग एक-चौथाई भाग जल अपरदन से प्रभावित है। देश में सिर्फ जल अपरदन द्वारा प्रतिवर्ष लगभग 6100 टन ऊपरी मिट्टी का कटाव होता है जिसमें पोषक तत्वों की मात्रा की अनुमानित कीमत 1200 करोड़ रूपये से भी ज्यादा की होती है। जल अपरदन से प्रभावित कृषि भूमि का संरक्षण एवं पुनरूत्थान घास की प्रजातियों जैसे दूब , अंजान तथा मुंज के रोपण से किया जा सकता है। उक्त घास की प्रजातियाँ आमतौर से बहुवर्षीय एवं कठोर प्रवृत्ति की होती हैं। इनकी जड़े मिट्टी के कड़ों को बाँधकर मृदा अपरदन को रोकने में सहायक होती हैं। घासों के निरन्तर उगने से मृदा में जीवांश पदार्थ की वृद्धि होती है जिससे मृदा संरचना में सुधार के साथ-साथ उसकी उपजाऊ क्षमता में भी वृद्धि होती है।जल के अभिगमन द्वारा मृदा का ह्रस जल अपरदन कहलाता है।

सूचना

सम्पादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित लेख-आलेख एवं विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं। अतः यह जरूरी नहीं है कि विजय मत समूह उपरोक्त लेख या विचारों से सहमत हो। किसी लेख से जुड़े सभी दावे या आपत्ति के लिए सिर्फ लेखक ही जिम्मेदार हैं।

अपने भीतर के हनुमान को जगाने का पव

रमेश गौतम

हनुमान जयंती केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि मानव जीवन के चरित्र-निर्माण, आत्मबल, संयम, सेवा और समर्पण की प्रेरणा देने वाला महान दिवस है। यह दिन हमें मंदिरों में दीप जलाने से अधिक अपने भीतर के अंधकार को दूर करने का संदेश देता है। हनुमान केवल शक्ति के प्रतीक नहीं हैं, वे शक्ति के सदुपयोग, ज्ञान की विनम्रता, भक्ति की पराकाष्ठा और सेवा की परंपरा के प्रतीक हैं। इसलिए हनुमान जयंती मनाने का वास्तविक अर्थ है- अपने भीतर के हनुमान को जगाना। हनुमान जी को मंगलकर्ता और विघ्नहर्ता कहा गया है। लेकिन वे विघ्न केवल बाहरी नहीं हटाते, वे मनुष्य के भीतर के विघ्न- अहंकार, भय, आलस्य, क्रोध, लोभ, मोह, इन सबका भी नाश करते हैं। आज का मनुष्य बाहरी समस्याओं से कम और आंतरिक कमजोरियों से अधिक परेशान है। इसलिए आज हनुमान की प्रासंगिकता पहले से कहीं अधिक है।हनुमान शक्ति के प्रतीक हैं, लेकिन उनकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि उन्होंने कभी अपनी शक्ति का प्रदर्शन नहीं किया। उन्होंने अपनी शक्ति को सेवा में लगाया। आज का युग शक्ति प्रदर्शन का युग बन गया है- धन का प्रदर्शन, पद का प्रदर्शन, ज्ञान का प्रदर्शन, शक्ति का प्रदर्शन। लेकिन हनुमान हमें सिखाते हैं कि शक्ति और ज्ञान का प्रदर्शन नहीं, उसका संरक्षण और सदुपयोग ही महानता है। सर्वशक्तिमान होकर भी उन्होंने स्वयं को ÷राम का दास÷ कहा। इससे बड़ी विनम्रता और क्या हो सकती है? हनुमान हमें यह भी सिखाते हैं कि शक्ति और ज्ञान का अहंकार नहीं होना चाहिए। ज्ञान यदि विनम्रता नहीं देता, तो वह अज्ञान है। शक्ति यदि सेवा में नहीं लगती, तो वह विनाश का कारण बनती है। इसलिए हनुमान शक्ति और ज्ञान के साथ-साथ विनम्रता और सेवा के भी प्रतीक हैं।

वे केवल बलवान नहीं थे, वे महान विद्वान, व्याकरणाचार्य, तर्कशास्त्री, संगीतज्ञ और नीतिज्ञ भी थे। लेकिन इतनी विद्या होने पर भी उनमें अहंकार नहीं था। वे सरलता, सादगी और सेवा के प्रतीक बने रहे। आज शिक्षा बढ़ रही है, लेकिन विनम्रता घट रही है। डिग्रियाँ बढ़ रही हैं, लेकिन चरित्र घट रहा है। ऐसे समय में हनुमान का चरित्र हमें ज्ञान के साथ विनम्रता का संतुलन सिखाता है। हनुमानजी को हिन्दू देवताओं में सबसे शक्तिशाली माना गया है, वे रामायण जैसे महाग्रंथ के सह पात्र थे। वे भगवान शिव के ग्यारवें रूद्र अवतार थे ।

(यह लेखक के निजी विचार हैं) -साभार

भारतीय शासन व्यवस्था की पटकथा फिर से लिख रहा है मिशन कर्मयोगी

डॉ जितेंद्र सिंह
केंद्रीय राज्य मंत्री

कल्पना करें कि राजस्थान के दूरदराज के किसी कोने में जिला कलेक्टर को एक ऐसी महत्वाकांक्षी कल्याण योजना की जिम्मेदारी सौंपी जाती है जिसके बारे में उसकी जानकारी बहुत कम है। एक दशक पहले उसे जानकारी के लिए कहीं धूल खा रही किसी नियमावली का सहारा लेना होता। या फिर वह अपने किसी वरिष्ठ सहयोगी की तीन बैठकों और लंच के बाद खाली होने का इंतजार करता। उसकी उम्मीद उस प्रशिक्षण कार्यक्रम पर भी टिकी हो सकती थी जो शायद एक या दो साल में कभी आता। लेकिन आज वह अपने फोन के जरिए आईगॉट (इंटिग्रेटेड गर्वनमेंट ऑनलाइन ट्रेनिंग प्लेटफॉर्म) पर लॉग ऑन करता है। उसे मिनटों में ही अपनी जरूरत के अनुरूप एक सुव्यवस्थित कार्यकुशलता आधारित पाठ्यक्रम मिल जाता है। वह शाम तक सूचनाओं और आत्मविश्वास से लैस होकर योजना के लाभार्थियों की पहली बैठक की अध्यक्षता कर रहा होता है। यह बदलाव देखने में छोटा लग सकता है मगर हकीकत में किसी क्रांति से कम नहीं है।

चमक-दमक से दूर धैर्य के साथ पांच साल पहले शुरू किया गया मिशन कर्मयोगी एक क्रांति ला रहा है। यह नए भारत के लिए एक नई तरह के प्रशासनिक अधिकारी तैयार करने के उद्देश्य से चुपचाप काम कर रहा है। इसके महत्व को समझने के लिए हमें पहले संदर्भ को जानना होगा। 2047 तक विकसित भारत के प्रधानमंत्री के निर्धारित लक्ष्य तक यूं ही नहीं पहुंचा जा सकता। इस मंजिल तक पहुंचने के लिए हमें भारत गणतंत्र को चलाने वाली संस्थाओं और व्यक्तियों के जरिए सावधानी से एक-एक कदम आगे बढ़ना होगा। इस यात्रा में सबसे महत्वपूर्ण पूंजी, प्रौद्योगिकी या नीति नहीं है। सबसे ज्यादा अहमियत उन लगभग 3.5 करोड़ प्रशिक्षित, उत्साही और नागरिक केंद्रित सरकारी कर्मियों की क्षमता की है जो हर सुबह उठ कर भारतीय शासन को संचालित करते हैं। स्वतंत्र भारत के इतिहास में ज्यादातर समय क्षमता निर्माण का मॉडल सांयोगिक रहा है। किसी नौजवान अधिकारी को सेवा की शुरुआत के समय औपचारिक प्रशिक्षण दिया जाता था। फिर करियर के बीच में यदा-कदा उसे कुछ पाठ्यक्रमों में हिस्सा लेने का अवसर मिल सकता था। बाकी, उसे काम करते हुए और दूसरों को देख कर ही सीखना होता था। एक स्थिर और धीमी गति से आगे बढ़ते विश्व में यह काफी था। लेकिन कृत्रिम मेधा, जलवायु अवरोध, जनसांख्यिकीय दबाव और जबर्दस्त प्रौद्योगिकीय परिवर्तन के युग में यह सरासर नाकाफी है। प्रशासन के सामने चुनौतियां जिस रफ्तार से आती हैं उसके सामने प्रशिक्षण की पुरानी प्रणालियों की गति कहीं नहीं टिकती। मिशन कर्मयोगी को इसी बेमेल स्थिति के समाधान के रूप में की गई थी। 2021 में शुरू किया गया यह मिशन–जिसे उसी वर्ष अप्रैल में स्थापित क्षमता निर्माण आयोग द्वारा संस्थागत रूप से संचालित किया गया, एक सचमुच महत्वाकांक्षी लक्ष्य को पूरा करने के लिए आगे बढ़ा। भारतीय सिविल सेवाओं की सीखने की संस्कृति को, समय-समय पर होने वाली और केवल नियमों के पालन तक सीमित प्रक्रिया से बदलकर, एक निरंतर चलने वाली, भूमिका-आधारित और स्वयं-निर्देशित विकास यात्रा में रूपांतरित करना इसका मकसद है। जैसा कि आयोग इसका वर्णन करता है, यह बदलाव कर्मचारी–यानी नियमों का पालन करने वाले एक पदाधिकारी से कर्मयोगी बनने की ओर है: एक ऐसा लोक सेवक जो किसी उद्देश्य, सेवा-भाव और उत्कृष्टता से प्रेरित हो। पाँच वर्षों के बाद, ये आंकड़े अत्यंत शिक्षाप्रद हैं। 'आईगॉट' (इंटीग्रेटेड गवर्नमेंट ऑनलाइन ट्रेनिंग) प्लेटफॉर्म पर अब 1.5 करोड़ से अधिक सरकारी अधिकारी सक्रिय शिक्षार्थी के रूप में जुड़े हैं – यह एक ऐसी संख्या है जो शुरुआत के समय काल्पनिक लगती थी। 4,600 से अधिक योग्यता-आधारित पाठ्यक्रमों के माध्यम से, इन अधिकारियों ने 8.3 करोड़ से अधिक पाठ्यक्रम पूरे किए हैं। अकेले पिछले राष्ट्रीय शिक्षण सप्ताह के दौरान, भागीदारी के परिणामस्वरूप 4.5 मिलियन घंटे के पाठ्यक्रम नामांकन और 3.8 मिलियन घंटे की वास्तविक शिक्षा दर्ज की गई। ये केवल अमूर्त आंकड़े नहीं हैं। दर्ज किया गया प्रत्येक घंटा भारत में कहीं न कहीं एक लोक सेवक का प्रतिनिधित्व करता है – छत्तीसगढ़ में एक राजस्व निरीक्षक, पुणे में एक शहरी स्थानीय निकाय अधिकारी, मणिपुर में एक स्वास्थ्य कार्यकर्ता, ये सब अपने साथी नागरिकों की बेहतर सेवा करने के लिए अपनी क्षमता बढ़ा रहें हैं। जो बात आईगॉट प्लेटफॉर्म को वास्तव में परिवर्तनकारी बनाती है, वह केवल इसका पैमाना नहीं है, बल्कि इसकी पहुँच की संरचना है। यह किसी भी समय और कहीं भी, स्मार्टफोन या डेस्कटॉप पर, कई भाषाओं में उपलब्ध है, और इसे शिक्षार्थी के पेशेवर प्रोफाइल के अनुसार बनाया गया है। पाठ्यक्रमों को हर तीन से छह महीने में अपडेट किया जाता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि शासन में एआई टूल का उपयोग कैसे करें या नए वित्तीय नियमों को कैसे समझें, इससे संबंधित सामग्री वर्तमान और प्रासंगिक बनी रहे। दूसरे शब्दों में, यह प्लेटफॉर्म धूल फांकने वाली कोई डिजिटल लाइब्रेरी नहीं है – बल्कि यह सीखने का एक जीवंत और अनुकूलन योग्य तंत्र है। इस पर विचार कीजिए कि एक आदिवासी जिले की जूनियर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के लिए इसका क्या अर्थ है, जिसे उसकी अपनी भाषा में बाल पोषण मूल्यांकन के नवीनतम प्रोटोकॉल समझाने वाला एक मॉड्यूल प्राप्त होता है। उसे अपने ब्लॉक में किसी प्रशिक्षक के आने का इंतज़ार करने की ज़रूरत नहीं है। वह सीखती है, और कार्य करती है। यही इस मिशन का लोकतांत्रिक लाभांश है। क्षमता निर्माण आयोग, इस तंत्र के रणनीतिक संरक्षक के रूप में, एक साथ वास्तुकार और संचालक दोनों की भूमिका निभाता है। राष्ट्रीय नीति बनाने वाले एक सचिव से लेकर ग्राम स्तर पर इसे लागू करने वाले एक पंचायत पदाधिकारी तक, यह पहचान करता है कि सार्वजनिक भूमिकाओं के विशाल स्पेक्ट्रम में किन योग्यताओं की आवश्यकता है। यह सिविल सेवा प्रशिक्षण संस्थानों के लिए राष्ट्रीय मानक 2.0 ढांचे के माध्यम से देश के प्रशिक्षण संस्थानों के लिए गुणवत्ता मानक निर्धारित करता है, जिसके तहत देश भर के 200 से अधिक प्रशिक्षण संस्थान पहले ही मान्यता प्राप्त कर चुके हैं। यह राज्यों के साथ मिलकर काम करता है। सभी 30 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश अब औपचारिक समझौता ज्ञापनों के माध्यम से जुड़ चुके हैं ताकि ऐसी विशिष्ट क्षमता निर्माण योजनाएं तैयार की जा सकें जो कार्यबल की दक्षताओं को संगठनात्मक लक्ष्यों के साथ जोड़ती हैं। राष्ट्रीय कर्मयोगी जन सेवा कार्यक्रम जैसी ऐतिहासिक पहलों के माध्यम से, इसने एक मिलियन से अधिक प्रमाणित अधिकारियों को बड़े पैमाने पर व्यवहार प्रशिक्षण दिया है, जो प्रत्येक नागरिक को अंतिम हितधारक के रूप में मानने की सूक्ष्म लेकिन महत्वपूर्ण कला है। मिशन के इस अंतिम आयाम पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है, क्योंकि यह एक ऐसी चीज़ के बारे में है जिसे पूर्णता प्रमाण पत्र या लॉग किए गए घंटों में आसानी से नहीं मापा जा सकता। मिशन कर्मयोगी की सबसे गहरी आकांक्षाओं में से एक है–दृष्टिकोण में बदलाव। यह राज्य और नागरिक के बीच एक लेन-देन वाले संबंध से हटकर नागरिक देवो भव की भावना से परिभाषित संबंध की ओर एक आंदोलन है: नागरिक ईश्वर के समान है, वह सर्वोच्च अधिकारी है जिसके प्रति राज्य का सेवक जवाबदेह है। जब रेलवे काउंटरों, राजस्व कार्यालयों और स्वास्थ्य केंद्रों पर नागरिक-केंद्रित अधिकारियों को इसके तहत प्रशिक्षित किया गया और बाद में नागरिकों का सर्वेक्षण किया गया तो प्रतिक्रिया आश्चर्यजनक थी। उन्होंने बदलाव को महसूस किया। न केवल दक्षता में, बल्कि व्यवहार की आत्मीयता, तत्परता और बातचीत की मानवीय गुणवत्ता में भी।

(यह लेखक के निजी विचार हैं) - साभार

संकट हरता, सुखकर्ता, कलियुग के देवता हैं हनुमान जी

योगेश गोयल

भगवान श्रीराम का जन्म लगभग 5114 ईसा पूर्व अयोध्या में हुआ माना जाता है और यह मान्यता है कि हनुमानजी का जन्म श्रीराम के जन्म से पूर्व हुआ था ताकि वे श्रीराम की सेवा में समर्पित हो सकें। हनुमानजी हिन्दू धर्म के सबसे पूज्यनीय और लोकप्रिय देवताओं में से एक हैं। उनकी पूजा केवल भारत ही नहीं बल्कि दुनियाभर में फैले हिन्दू समुदाय द्वारा श्रद्धा और भक्ति भाव से की जाती है। भगवान हनुमान को कलियुग का देवता माना गया है, जो शीघ्र प्रसन्न होते हैं। यह मान्यता है कि सच्चे मन से उनकी पूजा करने से सभी प्रकार की बाधाएं दूर होती हैं, आरोग्यता प्राप्त होती है और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। विशेष रूप से मंगलवार और शनिवार को हनुमानजी की पूजा अत्यंत फलदायक मानी जाती है। हनुमान चालीसा का पाठ इस दिनजरूर किया जाता है।

सनातन धर्म में सप्ताह के प्रत्येक दिन को किसी न किसी देवता को समर्पित किया गया है और भगवान श्रीराम के अनन्य भक्त पवनपुत्र हनुमान को मंगलवार का दिन समर्पित माना गया है। हनुमान जयंती, जिसे 'हनुमान जन्मोत्सव' भी कहा जाता है, प्रतिवर्ष चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि को बड़े धूमधाम से मनाई जाती है। इस वर्ष यह पावन पर्व 2 अप्रैल को मनाया जा रहा है। हनुमान जयंती को 'हनुमान जन्मोत्सव' इसीलिए कहा जाता है क्योंकि ऐसी मान्यता है कि महाबली हनुमान आज भी धरती पर विद्यमान हैं और अपने भक्तों की सहायता के लिए सदैव उपस्थित रहते हैं। पुराणों के अनुसार, जब हनुमानजी ने भगवान श्रीराम की सेवा, भक्ति और समर्पण का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया, तब माता सीता ने उन्हें अमरता का वरदान दिया था। यही कारण है कि उन्हें 'चिरंजीवी' माना जाता है और उनके जन्मोत्सव को विशेष श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। यह पर्व हिन्दू समाज के लिए केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं बल्कि सांस्कृतिक चेतना और आस्था का प्रतीक है। हनुमान जन्मोत्सव अच्छाई की विजय और न्याय की स्थापना के संकल्प का स्मरण कराता है। यह दिन सभी को प्रेरणा देता है कि वे धर्म के मार्ग पर चलते हुए जीवन में सच्चाई, सेवा और समर्पण को अपनाएं।

भगवान श्रीराम का जन्म लगभग 5114 ईसा पूर्व अयोध्या में हुआ माना जाता है और यह मान्यता है कि हनुमानजी का जन्म श्रीराम के जन्म से पूर्व हुआ था ताकि वे श्रीराम की सेवा में समर्पित हो सकें। हनुमानजी हिन्दू धर्म के सबसे पूज्यनीय और लोकप्रिय देवताओं में से एक हैं। उनकी पूजा केवल भारत ही नहीं बल्कि दुनियाभर में फैले हिन्दू समुदाय द्वारा श्रद्धा और भक्ति भाव से की जाती है। भगवान हनुमान को कलियुग का देवता माना गया है, जो शीघ्र प्रसन्न होते हैं। यह मान्यता है कि सच्चे मन से उनकी पूजा करने से सभी प्रकार की बाधाएं दूर होती हैं, आरोग्यता प्राप्त होती है और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। विशेष रूप से मंगलवार और शनिवार को हनुमानजी की पूजा अत्यंत फलदायक मानी जाती है। हनुमान चालीसा का पाठ इस दिन विशेष रूप से किया जाता है। 16वीं शताब्दी के महान संत, कवि और भक्त गोस्वामी तुलसीदास ने हनुमान चालीसा की रचना की थी, जो आज भी करोड़ों लोगों की श्रद्धा का केन्द्र है। हनुमान चालीसा में हनुमानजी के गुण, पराक्रम, भक्ति और उनके चमत्कारों का विस्तारपूर्वक वर्णन है। ऐसा कहा जाता है कि इसका पाठ करने से भय और दुख दूर होते हैं और साधक को मानसिक शांति प्राप्त होती है।

पौराणिक कथाओं के अनुसार, भगवान हनुमान का जन्म त्रेतायुग में हुआ था, जब भगवान विष्णु ने श्रीराम के रूप में अवतार लिया था। भगवान शिव ने भगवान राम की सेवा हेतु रुद्रावतार हनुमान के रूप में जन्म लिया। वाल्मीकि रामायण, महाभारत, पुराणों और अन्य ग्रंथों में हनुमानजी के पराक्रम, भक्ति और सेवाभाव का विस्तारपूर्वक वर्णन मिलता है। माता अंजना और वानरराज केसरी के पुत्र हनुमान को जन्म से ही असाधारण शक्तियां प्राप्त थीं। उन्हें सूर्य से शिक्षा प्राप्त करने का सौभाग्य मिला और अनेक देवी-देवताओं ने उन्हें अपने-अपने आशीर्वाद से शक्तिशाली बना दिया। हनुमानजी को अष्ट सिद्धियां और नव निधियां प्राप्त हैं। यही कारण है कि उन्हें अजेय, अमर और महाबली देवता माना गया है।

हनुमानजी की भक्ति और शक्ति का सबसे बड़ा प्रमाण रामायण में मिलता है, जब उन्होंने माता सीता की खोज में समुद्र पार किया, लंका दहन किया और संजीवनी बूटी लाकर लक्ष्मणजी के प्राणों की रक्षा की। उनका समर्पण, साहस और त्याग अप्रतिम है। वे केवल पराक्रमी योद्धा ही नहीं बल्कि एक अत्यंत बुद्धिमान और विनम्र भक्त भी हैं। 'संकटमोचन' कहे जाने वाले हनुमान अपने भक्तों को हर प्रकार के संकट से उबारते हैं और उन्हें भय, पीड़ा तथा क्लेश से मुक्त करते हैं। ऐसी मान्यता है कि जो व्यक्ति सच्चे मन से हनुमानजी की उपासना करता है, वह जीवन में आने वाली सभी बाधाओं को पार करते हुए सफलता की सीढ़ियां चढ़ता है।

हनुमानजी के नामकरण को लेकर भी एक विशेष कथा प्रचलित है। संस्कृत में 'हनु' का अर्थ होता है दाढ़ी। पौराणिक मान्यता के अनुसार, बाल्यावस्था में जब हनुमानजी को तीव्र भूख लगी तो उन्होंने सूर्य को एक लाल फल समझकर खाने के लिए दौड़ लगा दी। उसी समय राहु भी सूर्यग्रहण के लिए आया था लेकिन हनुमानजी ने राहु को भगा दिया और सूर्य को निगल लिया। इससे संसार में अंधकार फैल गया। राहु ने देवताओं से जाकर शिकायत की तो देवराज इंद्र ने क्रोधित होकर हनुमान पर अपने वज्र से प्रहार किया, जिससे उनकी दाढ़ी में चोट आई और वे मूर्छित हो गए। जब पवनदेव को यह ज्ञात हुआ तो उन्होंने पूरे ब्रह्मांड में वायु का प्रवाह रोक दिया। सृष्टि में हाहाकार मच गया और तब सभी देवताओं ने ब्रह्मा जी की अगुवाई में पवनदेव को मनाया और हनुमानजी को जीवनदान दिया। इस दिन को ही उनके जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है।हनुमानजी का चरित्र आज के युग के लिए प्रेरणास्रोत है। वे शक्ति, सेवा, समर्पण और विनम्रता के अद्भुत संगम हैं। उनका जीवन दर्शाता है कि किसी भी शक्ति का प्रयोग केवल धर्म और सेवा के लिए किया जाना चाहिए। वे निर्भयता और निस्वार्थ सेवा का प्रतीक हैं। भक्तों का विश्वास है कि हनुमानजी की आराधना से जीवन के हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त होती है। आज जब संसार अनेक प्रकार की चुनौतियों से जूझ रहा है, तब हनुमान जन्मोत्सव का संदेश हमें शक्ति, साहस और संकल्प के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

शब्द पहेली - 8684

1			2	■	■	3		4
	■	■	5	6	7		■	
8	9	■	■	10		■	■	
■	11	12	■		■	■	13	
■	14			■	15	16		■
17		■	■	18	■	19		■
	■	■	20		■	■	21	22
	■	23			24	■	■	
25			■	■	26			

बाएँ से दाएँ

1. साले की पत्नी-4
3. उच्च कुल का -3
5. पाताल-4
8. व्यंग, चुटीली बात-2
10. दुख, कष्ट-2
11. शराब का प्याला-2
13. सत्य, तेज-2
14. जुड़वा-3
15. विश्राम, राहत-3
17. मक्का-मदीना की यात्रा-2
19. झुका हुआ-2
20. टैक्स, हाथ-2
21. होठ, अधर-2
23. सुरक्षित-4
25. नाश, विनाश, विध्वंस-3
26. निश्चित -4

ऊपर से नीचे

1. नदी-3
2. संपत्ति, धन-2
3. वंश, खानदान-2
4. उत्तमता, परिष्कृतता-4
6. समुद्र, दरिया-3
7. अंधकार-2
9. जो जायज न हो-4
12. संस्कृत में 'मेरा'-2
13. सपाट- 4
16. जांघ-2
17. पैगंबर, महापुरुष-4
18. रनिवास (उर्दू-3)
20. हुनर, फन-2
22. देह, काया-3
23. गलत का विलोम -2
24. निश्चित-2

शब्द पहेली - 8683 का हल

फि	त	र	त	■	स	ला	म	त
रं	■	त	ल	ब	गा	र	■	मी
गी	ला	■	■	द	■	■	ह	ज
■	ल	■	क	न	क	■	म	■
ध	कि	या	ना	■	या	या	व	र
■	ता	■	त	म	स	■	त	■
ऐ	ब	■	■	ना	■	■	न	न
न	■	ख	ल	ना	य	क	■	क
क	र	त	ब	■	म	ल	म	ल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

2 अप्रैल 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

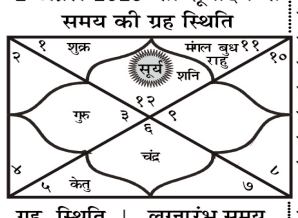

ग्रह	स्थिति
सूर्य	मीन में
चंद्र	कन्या में
मंगल	कुंभ में
बुध	कुंभ में
गुरु	मिथुन में
शुक्र	मेष में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
मेष	06.32 बजे से
वृष	08.12 बजे से
मिथुन	10.10 बजे से
कर्क	12.24 बजे से
सिंह	14.40 बजे से
कन्या	16.52 बजे से
तुला	19.02 बजे से
वृश्चिक	21.17 ब.से
धनु	23.33 बजे से
मकर	01.38 बजे से
कुंभ	03.25 बजे से
मीन	04.57 बजे से

गुरुवार 2026 वर्ष का 92 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास चैत्र **पक्ष** शुक्ल
तिथि पूर्णिमा 07.42 बजे को समाप्त।
नक्षत्र हस्त 17.39 बजे को समाप्त।
योग ध्रुव 14.20 बजे को समाप्त।
करण बव 07.42 बजे तदनन्तर बालव 20.09 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 13.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 04° 51'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872667
जूलियन दिन 2461132.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सव्वाल
तारीख 13
विशेष हनुमान जयंती, धरती पुजा।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
शुभ	05.54	से 07.22	बजे तक	अमृत	05.40	से 07.11	बजे तक
रोग	07.22	से 08.51	बजे तक	चर	07.11	से 08.43	बजे तक
उद्वेग	08.51	से 10.19	बजे तक	रोग	08.43	से 10.15	बजे तक
चर	10.19	से 11.47	बजे तक	काल	10.15	से 11.47	बजे तक
लाभ	11.47	से 01.15	बजे तक	लाभ	11.47	से 01.19	बजे तक
अमृत	01.15	से 02.43	बजे तक	उद्वेग	01.19	से 02.51	बजे तक
काल	02.43	से 04.11	बजे तक	शुभ	02.51	से 04.23	बजे तक
शुभ	04.11	से 05.40	बजे तक	अमृत	04.23	से 05.55	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

न्यूज इन शॉर्ट

विमला ग्लोबल स्कूल में नवीन सत्र 2026-27 का भव्य शुभारंभ, प्रवेशोत्सव के साथ सरस्वती पूजन एवं हवन सम्पन्न

ब्यौहारी। नगर के प्रतिष्ठित विमला ग्लोबल स्कूल में आज दिनांक 1 अप्रैल, बुधवार को नवीन शैक्षणिक सत्र 2026-27 का विधिवत एवं भव्य शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर आयोजित प्रवेशोत्सव कार्यक्रम ने पूरे विद्यालय परिसर को उत्साह, उमंग और उल्लास से भर दिया।कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के पूजन एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन से हुई, जिससे वातावरण पूर्णतः आध्यात्मिक एवं सकारात्मक ऊर्जा से ओत-प्रोत हो उठा। इस पावन अवसर पर विद्यालय के समस्त पदाधिकारी, शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राएं श्रद्धा एवं उत्साह के साथ उपस्थित रहे।नवीन सत्र के प्रथम दिवस पर विद्यार्थियों में विशेष उत्साह देखने को मिला। विद्यालय प्रबंधन ने सभी विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा उन्हें शिक्षा के साथ-साथ संस्कारों के मार्ग पर अग्रसर होने का संदेश दिया।कार्यक्रम का समापन हर्षोल्लास एवं नई ऊर्जा के साथ हुआ, जिसने नवीन शैक्षणिक वर्ष के लिए सकारात्मक एवं प्रेरणादायी शुरुआत का संदेश दिया।

अंधी हत्या का आरोपी 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार

अनूपपुर। थाना चचाई पुलिस ने मात्र 24 घंटे के भीतर एक अंधी हत्या के आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के माध्यम से जेल भेजा। दिनांक 25 मार्च 2026 को सूचना मिली कि मठदेउरा मंदिर के पास, ओ बी पहाड़ी के जंगल में एक अज्ञात महिला का शव फांसी पर लटका हुआ है। सूचना पर मर्ग क्र. 10/26 कायम कर मौके पर पहुंचकर मृतिका के शव का पंचनामा मृतिका के परिजनों की उपस्थिति में किया गया। जिला अस्पताल अनूपपुर से प्राप्त पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मृत्यु के कारण गला घोटना बताया गया।जांच में सामने आया कि मृतिका (नाम परिवर्तित) के पति की मृत्यु हो जाने के बाद मृतिका और आरोपी सतेन्द्र गुप्ता उर्फ संगम (27) के बीच प्रेम संबंध बन गए थे। मृतिका ने आरोपी से विवाह करने की बात की तो आरोपी ने दिनांक 09/03/26 को उसे मिलने के लिए बुलाया और मोटर साइकिल पर सूनसान जंगल ले जाकर विवाद के दौरान गले में दुपट्टा डालकर गला घोंट दिया और शव को फांसी पर लटका कर फरार हो गया। थाना चचाई ने दिनांक 29 मार्च 2026 को आरोपी के खिलाफ अप. क्र. 80/26 धारा 103(1), 238 बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए 24 घंटे के अंदर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय अनूपपुर भेज दिया। पुलिस अधीक्षक अनूपपुर मोती उर रहमान के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगनाथ मरकाम, एसडीओपी नवीन कुमार तिवारी के मार्गदर्शन में थाना चचाई के उप निरीक्षक राघव बागरी सहित अन्य पुलिसकर्मियों की सराहनीय भूमिका रही।

देवरी में अनोखी परंपराः रावण का 'बलिदान दिवस' मनाते हैं आदिवासी

अनूपपुर। जिले के जनपद पंचायत अनूपपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत देवरी में एक अनोखी परंपरा वर्षों से निभाई जा रही है। जहां देशभर में दशहरे पर रावण दहन किया जाता है, वहीं इस गांव में गोंड आदिवासी समुदाय के कुछ परिवार रावण को अपना पूर्वज मानते हुए चैत्र शुक्ल चतुर्दशी को उनका बलिदान दिवस मनाते हैं।गांव के शंकर चबूतरा स्थल पर हर वर्ष इस दिन समुदाय के लोग एकत्रित होकर रावण के त्याग, पराक्रम, विद्वता और शासन कौशल को याद करते हैं। मान्यता है कि इसी दिन रणभूमि में भगवान राम के हाथों रावण को वीरगति प्राप्त हुई थी, जिसे यहां बलिदान दिवस के रूप में श्रद्धापूर्वक मनाया जाता है।ग्राम निवासी कमल सिंह के अनुसार यह परंपरा पीढ़ियों से चली आ रही है। उनके पूर्वज भी इसी तरह रावण का स्मरण करते थे और वर्तमान में लगभग 30 लोगों का समूह इस परंपरा को आगे बढ़ा रहा है। इस अवसर पर लोग रावण को पुष्प अर्पित कर उन्हें अपने पूर्वज के रूप में श्रद्धांजलि देते हैं।समुदाय का मानना है कि रावण की माता आदिवासी थीं और पिता ऋषि विश्रवा थे, इसी कारण वे उन्हें अपने समुदाय से जोड़ते हैं। खास बात यह है कि गांव के लोग भगवान राम और रावण दोनों का सम्मान करते हैं।यह परंपरा क्षेत्र में सांस्कृतिक विविधता और आस्था के अलग-अलग रूपों को दर्शाती है।

राष्ट्रीय सेवा योजना का सात दिवसीय विशेष शिविर सम्पन्न

अनूपपुर। शासकीय महाविद्यालय जैतहरी की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा 24 मार्च से शास.उच्च.माध्य. विद्यालय धनगवां पूर्वी में आयोजित हो रहे सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन 30 मार्च को सम्पन्न हुआ। शिविर के दौरान स्वयंसेवकों ने स्वच्छता, नशा मुक्ति, पौधरोपण जैसे अभियानों एवं योग और स्वास्थ्य जागरूकता सहित विभिन्न रचनात्मक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों में उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इसके साथ ही नुक्कड़ नाटक के माध्यम से बाल विवाह और शिक्षा के महत्व को लेकर ग्रामीणों को जागरूक किया गया। समापन अवसर पर पूर्व सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग श्री डी.एस. राव ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए उनके सेवा भाव, अनुशासन एवं समर्पण की सराहना की तथा समाज सेवा के प्रति निरंतर सक्रिय रहने के लिए प्रेरित किया।

जिलेभर में प्रवेश उत्सव के साथ नए सत्र की शुरुआत

नवप्रवेशी छात्रों का स्वागत, नि:शुल्क पुस्तकों का वितरण, मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान और बेहतर सुविधाओं के ऐलान

विजय मत, अनूपपुर

जिले के सभी शासकीय प्राथमिक, माध्यमिक, हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी विद्यालयों में नए शैक्षणिक सत्र 2026-27 की शुरुआत ÷प्रवेश उत्सव÷ के रूप में की गई। जिला स्तरीय मुख्य कार्यक्रम शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित हुआ, जहां जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया।

जिला पंचायत अध्यक्ष प्रीति सिंह ने कहा कि शिक्षा ही वह सीढ़ी है, जिससे जीवन में ऊंचाइयों को छुआ जा सकता है। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों को नियमित रूप से स्कूल भेजने की अपील की और कहा कि शिक्षक व अभिभावक दोनों की भूमिका बच्चों के भविष्य निर्माण में महत्वपूर्ण है।

कलेक्टर हर्षल पंचोली ने विद्यार्थियों को बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा पास करना नहीं, बल्कि जीवन में बड़े लक्ष्य हासिल करना होना चाहिए। उन्होंने कक्षा 8वीं से ही कैरियर मार्गदर्शन शुरू करने और कक्षा 10वीं के बाद विषय चयन में उचित सलाह देने के निर्देश भी दिए।कार्यक्रम में अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी संबोधित किया। इस दौरान मां सरस्वती पूजन, दीप प्रज्ज्वलन, स्वागत गीत और निःशुल्क पाठ्य-पुस्तकों का वितरण किया गया। साथ ही भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी देखा गया।

भालूमाडा स्कूल में मेधावी छात्र सम्मानित

पीएम श्री हाई स्कूल भालूमाडा में प्रवेश उत्सव के अवसर पर मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया और निःशुल्क पाठ्य-पुस्तकों का वितरण किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में छात्रों को नियमित अध्ययन के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान विद्यालय को वाटर कूलर उपलब्ध कराया गया तथा फर्श निर्माण और बैडमिंटन कोर्ट बनाने की घोषणा भी की गई, जिससे छात्रों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

जमुना कालरी स्कूल में सुविधाओं का विस्तार

शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जमुना कालरी में प्रवेश उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान नए वाटर कूलर का लोकार्पण किया गया, जिससे विद्यार्थियों को स्वच्छ पेयजल की सुविधा मिलेगी।यहां भी नवप्रवेशी छात्रों का स्वागत, निःशुल्क पुस्तकों का वितरण और मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने आयोजन को आकर्षक बनाया। जनप्रतिनिधियों और विद्यालय प्रबंधन ने शिक्षा को बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव बताते हुए सभी से ÷स्कूल चले हम अभियान÷ को सफल बनाने की अपील की।

राजस्व प्रकरणों में ढिलाई नहीं चलेगी

विजय मत, अनूपपुर

आम जनता को राहत देने और प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए कलेक्टर हर्षल पंचोली ने राजस्व प्रकरणों के त्वरित निराकरण को लेकर सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने साफ निर्देश दिए हैं कि लंबित मामलों को अब अभियान चलाकर प्राथमिकता के साथ निपटाया जाए। उप तहसील कार्यालय बिजुरी के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर पंचोली ने नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन और नक्शा तरमीम जैसे महत्वपूर्ण प्रकरणों की गहन समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और हर हाल में तय समय सीमा में प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

कलेक्टर हर्षल पंचोली का सख्त संदेश

रिकॉर्ड व्यवस्था पर खास जोर

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने प्रकरणों की ऑर्डर शीट, क्रमांकन और अभिलेखों का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी रिकॉर्ड व्यवस्थित और पारदर्शी तरीके से संधारित किए जाएं, ताकि आमजन को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। ऋष्टस्र्स पोर्टल पर अनिवार्य एंट्री के निर्देश कलेक्टर ने सख्ती से कहा कि हर राजस्व प्रकरण को आरसीएमएस पोर्टल पर अनिवार्य रूप से दर्ज किया जाए। साथ ही, प्रकरणों की दिनांकवार पेशी सुनिश्चित कर नियमित सुनवाई की जाए, जिससे लंबित मामलों का जल्द से जल्द निराकरण हो सके।

समयबद्ध निराकरण से बढ़ेगा जनता का विश्वास

कलेक्टर पंचोली ने कहा कि राजस्व मामलों का समय पर निपटारा होने से आम नागरिकों को राहत मिलेगी और प्रशासन के प्रति विश्वास मजबूत होगा। उन्होंने अधिकारियों को शासन की मंशा के अनुरूप जिम्मेदारी और पारदर्शिता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। जिसमें इस दौरान अधीक्षक भू अभिलेख प्रदीप कुमार मोगरे, नायब तहसीलदार लोकेंद्र सिंह सहित राजस्व विभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

इंस्टाग्राम दोस्ती के झांसे में नाबालिग का अपहरण, मुंबई से बरामद

विजय मत, अनूपपुर

कोतवाली अनूपपुर पुलिस ने 17 वर्षीय नाबालिग बालिका के अपहरण मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए उसे महाराष्ट्र के मुंबई से सकुशल बरामद कर लिया है। मामले में बालिका को बहला-फुसलाकर भगाने और दुष्कर्म करने वाले आरोपी अमन राजपूत को गिरफ्तार किया गया है।यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगनाथ मरकाम और एसडीओपी नवीन तिवारी के मार्गदर्शन में की गई।जानकारी के अनुसार 17 मार्च 2026 को बालिका के स्कूल न पहुंचने और अचानक लापता होने पर कोतवाली अनूपपुर में मामला दर्ज किया गया था। इसके बाद पुलिस टीम ने लगातार खोजबीन करते हुए बालिका को मुंबई के गोरेगांव क्षेत्र से आरोपी के कब्जे से बरामद किया।जांच में सामने आया कि बालिका की आरोपी से पहचान इंस्टाग्राम के माध्यम से हुई थी। आरोपी ने खुद को मुंबई में फूड रेस्टोरेंट का मालिक बताकर झांसा दिया और संपर्क में रहकर उसे बहला-फुसलाया। 17 मार्च को वह अनूपपुर रेलवे स्टेशन पहुंचा और बालिका को अपने साथ मुंबई ले गया, जहां उसके साथ दुष्कर्म किया। बाद में पता चला कि आरोपी रेस्टोरेंट मालिक नहीं, बल्कि फूड डिलीवरी का काम करता है।पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बीएनएस की संबंधित धाराओं, पॉक्सो एक्ट और एससी-एसटी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। बालिका को परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है।

जुलूस के दौरान सुबह 6 बजे से प्रतिबंध केवल इमरजेंसी वाहनों को मिलेगी अनुमति

विजय मत, अनूपपुर

हनुमान जयंती के अवसर पर 2 अप्रैल को अनूपपुर शहर में निकलने वाले भव्य जुलूस को देखते हुए यातायात पुलिस ने विशेष व्यवस्था लागू की है। आमजन और श्रद्धालुओं की सुरक्षा के मद्देनज़र जुलूस मार्ग पर भारी वाहनों के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा।पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान के निर्देशानुसार यह व्यवस्था लागू की गई है। इसके तहत जुलूस के दौरान सभी प्रकार के वाहनों के परमिट निरस्त रहेंगे। केवल एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड और अन्य आवश्यक शासकीय सेवाओं से जुड़े वाहनों को ही छूट दी जाएगी।यह प्रतिबंध 2 अप्रैल की सुबह 6

बजे से जुलूस समाप्त होने तक प्रभावी रहेगा। जुलूस के बाद शहर में भीड़ की स्थिति को देखते हुए आवश्यकतानुसार नो-एंट्री व्यवस्था भी लागू की जा सकती है।यातायात पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे निर्धारित नियमों का पालन करें और प्रशासन का सहयोग करें, ताकि त्योहार शांतिपूर्ण और सुरक्षित वातावरण में संपन्न हो सके।

राजनगर-बनगवां में कांग्रेस का उग्र प्रदर्शन, नगर परिषद का घेराव

विजय मत, अनूपपुर

बनगवां नगर परिषद के कथित तानाशाही और दोहरे रवैये के खिलाफ कांग्रेस का आक्रोश सड़कों पर खुलकर सामने आया। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने नगर परिषद बनगवां का घेराव कर जोरदार प्रदर्शन किया और प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।मामले की जड़ राजीव भवन को लेकर हुए विवाद से जुड़ी है। कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि बैठक के लिए भवन मांगे जाने पर परिषद अध्यक्ष द्वारा ÷काम चल रहा है÷ कहकर अनुमति से इनकार कर दिया गया, जबकि बाद में उसी भवन में दूसरे राजनीतिक दल की बैठक आयोजित कराई गई। इसे लेकर कांग्रेस ने खुला राजनीतिक भेदभाव और दोहरी नीति का आरोप लगाया है।

सीएमओ को सौंपा ज्ञापन, जांच की मांग

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) को ज्ञापन सौंपकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की। नेताओं ने कहा कि नगर परिषद किसी एक दल की नहीं, बल्कि जनता की संस्था है और इसका दुरुपयोग बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। तानाशाही बंद करो भेदभाव नहीं सहेंगे जैसे नारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि भविष्य में इस तरह का पक्षपात जारी रहा, तो आंदोलन और उग्र किया जाएगा। कांग्रेस नेताओं ने दो टूक कहा कि यह लड़ाई सिर्फ एक भवन की नहीं, बल्कि लोकतंत्र और निष्पक्षता की है। इस घटनाक्रम से क्षेत्र की राजनीति पूरी तरह गरमा गई है और अब सभी की नजर प्रशासन की अगली कार्रवाई पर टिकी हुई है।

ज्ञापन सौंपने के दौरान ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष राहुल सिंह परिहार, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष हरिशंकर दुबे, वरिष्ठ नेता जगदीश पटेल, अशोक जेठानी, निर्भय राव, गिरिजेश श्रीवास्तव, नगर अध्यक्ष राजनगर मुकेश राजभर, पोराधौर नगर अध्यक्ष अजय सिंह, डोला नगर अध्यक्ष गोविंद प्रजापति, पार्षद संतोष सिंह, सिरवान सिंह, पवन सिंह, मंडल अध्यक्ष राजेश श्रीवास्तव, आलोक सिंह, इमरान अंसारी, मनोहर जायसवाल, राहुल जायसवाल सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

धर्म अध्यात्म

संत-महंतों,गणमान्यजनों की उपस्थिति में विगत दिनों सम्पन्न हुआ, स्थानीय भक्तों में खुशी की लहर

करौली शंकर महादेव बने श्री पंचायती अखाड़ा नया उदासीन निर्वाण के महामण्डलेश्वर

विजय मत, अनूपपुर

योग,मंत्र दीक्षा,ध्यान साधना व भारतीय संस्कृति के संवाहक करौली शंकर महादेव को श्री करौली शंकर महादेव धाम मिश्री मठ के परमाध्यक्ष करौली शंकर महादेव का पट्टाभिषेक समारोह श्री पंचायती अखाड़ा नया उदासीन निर्वाण (हरिद्वार,रिषकेश) में आयोजित भव्य समारोह में अखाड़ों के प्रतिनिधियों, संत-महंतों,गणमान्यजनों की उपस्थिति में विगत दिनों सम्पन्न हुआ। पंचायती अखाड़ा नया उदासीन निर्वाण में आयोजित भव्य समारोह में अखाड़ों,संत-महंतों, गणमान्यजनों की उपस्थिति में करौली शंकर महादेव का पट्टाभिषेक समारोह सम्पन्न हुआ।

इनकी उपस्थिति में हुआ पट्टाभिषेक

श्री पंचायती अखाड़ा नया उदासीन निर्वाण के पदाधिकारियों मुख्य रूप से मुखिया महंत भगतराम जी महाराज,मुखिया महंत आकाश मुनि जी,मुखिया महंत मंगलदास जी, अध्यक्ष महंत धूनी दास जी महाराज,सचिव मुखिया महंत जगतार मुनि जी, अध्यक्ष महंत गोपाल दास जी महाराज ने विधि-विधान से करौली शंकर महादेव महाराज का तिलक-चादर व पट्टाभिषेक सम्पन्न हुआ।

करौली शंकर महादेव योग,मंत्र दीक्षा,ध्यान साधना व भारतीय संस्कृति के संवाहक -महंत भगत राम पट्टाभिषेक

समारोह को सम्बोधित करते हुए मुखिया महंत भगतराम जी महाराज ने कहा कि करौली शंकर महादेव योग,मंत्र दीक्षा,ध्यान साधना व भारतीय संस्कृति के संवाहक हैं,संतों का जीवन परमार्थ को समर्पित रहता है,करौली शंकर महादेव महाराज देश-दुनिया में मानव मात्र को कष्टों से मुक्ति दिलाने का भागीरथ कार्य कर रहे हैं,मुखिया महंत भगतराम जी महाराज ने कहा कि उन्हें आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि करौली शंकर महादेव श्री पंचायती अखाड़ा नया उदासीन निर्वाण की परम्पराओं का पालन करते हुए अखाड़े के मान-मर्यादा व सम्मान में वृद्धि करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगे।

सचिव मुखिया महंत जगतार मुनि जी ने कहा कि नया अखाड़ा के महामण्डलेश्वर के रूप में करौली शंकर महादेव भगवान श्री श्री चन्द्र जी के विचारों और परम्पराओं को आत्मसात कर श्री पंचायती अखाड़ा नया उदासीन निर्वाण की गौरवशाली परम्परा को आगे बढ़ाने का कार्य करेंगे,उन्होंने कहा कि पंडित श्री राधा रमण जी मिश्र के सुयोग्य शिष्य के रूप में करौली शंकर महादेव का सबसे बड़ा योगदान यह था कि उन्होंने शिव तंत्र ज्ञान को अंधविश्वास से निकालकर स्मृति आधारित आध्यात्मिक विज्ञान के रूप में स्थापित किया, जिससे मानव जीवन के कष्टों के मूल कारण को समझा जा सके।

करौली शंकर महादेव विलक्षण संत-रविन्द्र पुरी जी महाराज

अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष, महानिर्वाणी अखाड़े के सचिव श्रीमहंत रविन्द्र पुरी जी महाराज ने करौली शंकर महादेव महाराज को महामण्डलेश्वर पद पर आसीन होने पर मंगल कामनाएं देते हुए कहा कि करौली शंकर महादेव विलक्षण संत हैं,जिन्होंने सदैव मानवता की सेवा की है। उनके पूज्य गुरूदेव पंडित श्री राधा रमण जी मिश्र को सनातन परंपरा के उन विरले संतों में माना जाता है जिन्होंने तंत्र और आध्यात्मिक साधना को एक नई दिशा दी,उनकी परम्परा को आगे बढ़ाते हुए करौली शंकर महादेव महामण्डलेश्वर के रूप में भारतीय संस्कृति व सनातन को शिखर पर ले जाने का कार्य करेगे।

श्री पंचायती निर्मल अखाड़ा श्री महंत ज्ञानदेव

सिंह जी महाराज ने कहा कि करौली शंकर महादेव उच्च कोटि के साधक हैं। नया अखाड़ा ने उन्हें महामण्डलेश्वर बनाकर संत समाज को नयी ऊर्जा व शक्ति प्रदान की है। कैबिनेट मंत्री प्रदीप बत्रा ने कहा कि करौली शंकर महादेव के पट्टाभिषेक समारोह में उमड़ा संतों व भक्तों का सैलाब इस बात का प्रमाण है कि करौली शंकर महादेव हम सबकी आस्था के केन्द्र हैं,उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार आगामी कुम्भ को संतों के आशीर्वाद व सहयोग से भव्यतापूर्वक आयोजित करने हेतु जुटी है।पट्टाभिषेक समारोह में उपस्थित संत समाज व अखाड़ा परिषद का आभार व्यक्त करते हुए करौली शंकर महादेव ने कहा कि उनके पूज्य गुरूदेव पंडित श्री राधारमण जी मिश्र भी श्री पंचायती अखाड़ा नया उदासीन से जुड़े थे जिस कारण उन्होंने महामण्डलेश्वर के रूप में इसी अखाड़े को चुना है। उन्होंने कहा कि श्री पंचायती अखाड़ा नया उदासीन निर्वाण ने महामण्डलेश्वर नियुक्त कर जो सम्मान उन्हें दिया है उसे आजीवन सेवा के माध्यम से समाज को लौटाने का कार्य करेंगे, आगामी कुम्भ दिव्य व भव्य रूप से तीर्थनगरी हरिद्वार में आयोजित होगा ।

न्यूज इन शॉर्ट

भारतीय सेना (अग्निवीर) भर्ती के आवेदन की तिथि 10 अप्रैल तक बढ़ाई गई

शहडोल। भारतीय सेना (अग्निवीर) में भर्ती होने हेतु ऑनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया 13 फरवरी 2026 से प्रारंभ होकर 01 अप्रैल 2026 तक निर्धारित की गई थी, जिसे बढ़ाकर अब 10 अप्रैल 2026 तक कर दिया गया है।
ऑनलाइन पंजीकरण के माध्यम से उम्मीदवार अग्निवीर और नियमित कैडर की सभी श्रेणियों में आवेदन कर सकते हैं। जिनमें अग्निवीर (जनरल ड्यूटी)- दसवीं पास, अग्निवीर (टेक्निकल) -बारहवीं पास, अग्निवीर (क्लर्क/स्टोर कीपर टेक्निकल) - बारहवीं पास तथा अग्निवीर (ट्रेड्समैन) - दसवीं एवं आठवीं पास शामिल हैं। आवेदन करने हेतु अभ्यर्थी की आयु 17 वर्ष 6 माह से 21 वर्ष के मध्यद होना चाहिए। आवेदन शुल्कद 250 रुपये निर्धारित है। अधिक जानकारी के लिए दूरभाष नम्बहर 7247028996 में सम्पेर्क किया जा सकता है।

जिले भर में धूमधाम से मनाया गया प्रवेशोत्सव कार्यक्रम

शहडोल। जिले के समस्त शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में नवीन शैक्षणिक सत्र के शुभारंभ पर प्रवेशोत्सव कार्यक्रम का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम के दौरान नव प्रवेशित विद्यार्थियों का शिक्षकों द्वारा तिलक लगाकर एवं पुष्पमाला पहनाकर आत्मीय स्वागत किया गया, जिससे बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे।
इस अवसर पर विभिन्न कक्षाओं में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को निःशुल्क पाठ्य पुस्तकों का वितरण भी किया गया। साथ ही बच्चों को नियमित अध्ययन, अनुशासन एवं विद्यालयीन गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया गया। विद्यालयों में रंग-बिरंगे परिधानों में पहुंचे बच्चों एवं उनके अभिभावकों की उपस्थिति से वातावरण हर्षोल्लासपूर्ण रहा। सांस्कृतिक कार्यक्रमों, खेलकूद एवं स्वागत गीतों के माध्यम से प्रवेशोत्सव को और भी आकर्षक बनाया गया। कार्यक्रम के माध्यम से शत-प्रतिशत नामांकन एवं बच्चों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने का संदेश भी दिया गया।

प्रथम कार्य दिवस पर राष्ट्रीय गीत एवं राष्ट्रगान का किया गया सामूहिक गायन

शहडोल। अप्रैल माह के प्रथम कार्य दिवस के अवसर पर संयुक्त कलेक्ट्रेट परिसर में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम एवं राष्ट्रगान जन गण मन के सामूहिक गायन किया गया। इस अवसर पर संयुक्त कलेक्ट्रेट परिसर में लगने वाले विभिन्न विभागो के शासकीय सेवक उपस्थित रहे।

फूलमाला पहनाकर विद्यार्थियों को कराया गया शाला प्रवेश

शिक्षक, विद्यार्थियो को पूरी ईमानदारी, लगन और समपर्ण के साथ दें शिक्षा, विद्यार्थियो को शिक्षा दिलाना हम सबका नैतिक दायित्व : कलेक्टर

विजय मत, शहडोल

जिला मुख्यालय शहडोल के शासकीय रघुराज उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शहडोल में स्कूल चले हम अभियान के तहत कलेक्टर डॉ. केदार सिंह, सदस्य योजना योजना समिति श्रीमती अमिता चपरा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती फूलवती सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधियो, अधिकारियो, अभिभावको एवं विद्यार्थियो की उपस्थिति में प्रवेशोत्सव कार्यक्रम हर्षोल्लास, उत्साह एवं उमंग के साथ प्रवेशोत्सव सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मॉ सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यापर्ण एवं दीप प्रज्जवलित कर किया गया।

कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने प्रवेशोत्सव कार्यक्रम को सम्बोंधित करते हुए कहा कि विद्यार्थी देश के भविष्य है इनके योगदान से ही हमारे समाज और देश का उत्थान संभव है। प्रत्येक बच्चे को शिक्षित करना शासन की मंशा है, यह तभी संभव होगा जब हम सब मिलकर बच्चे को शिक्षा के लिए प्रेरित करेंगे, शिक्षा से अनुशासन, सोच और सकारात्मक दिशा में बढने की क्षमता बढती है। उन्होने कहा कि बच्चो के अभिभावक विद्यालय के शिक्षको से बड़ी उम्मीदे रखते है कि मेरे बच्चे पढ़कर लिखकर नाम रोशन करेंगे इन उम्मीदो को पूरा करना शिक्षको का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि शिक्षक पूरी ईमानदारी, लगन और

समर्पण के साथ विद्यार्थियो को शिक्षा दें जिससे आगे चलकर वे देश और समाज के विकास और उन्नति में अपने योगदान दे सकें।

कलेक्टर ने कहा कि बच्चो को शिक्षा ग्रहण के लिए हमेशा प्रेरित करे जिससे कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहें। उन्होंने कहा कि अभिभावक शासन द्वारा संचालित योजनाओ का लाभ लेते हुए अपने बच्चो को बेहतर से बेहतर शिक्षा दिलाएं और उनका भविष्य मजबूत करें। छोटे छोटे बच्चो को ऑगनवाड़ी केंद्रो के माध्यम से भी बच्चो को प्राथमिक विद्यालयो के प्रवेश भी दिलाया जाता है।

सदस्य, जिला योजना समिति श्रीमती अमिता चपरा ने प्रवेशोत्सव कार्यक्रम को सम्बोंधित करते हुए कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार विद्यार्थियो को उच्च गुणवत्ता की शिक्षा देने के लिए कार्य कर रही है। बच्चो को शिक्षित करना हम सबका नैतिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियो को नि:शुल्क साइकिले, पाठ्य सामग्री, छात्रवृत्ति, गणवेश जैसी अन्य सुविधा नि:शुल्क प्रदाय की जा रही है। विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को स्कूटी तथा 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को लैपटॉप उपलब्ध करा रही है। उन्होंने कहा कि इन सुविधाओ का लाभ लेते हुए अभिभावक अपने बच्चो को नियमित रूप से विद्यालय भेजे तथा बच्चों की पढ़ाई में सहयोग करें।

कार्यक्रम को जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती फूलवती सिंह, अध्यक्ष नगरपालिका श्री घनश्याम जायसवाल ने भी सम्बोंधित किया। कार्यक्रम में उपस्थिति जनप्रतिनिधियो एवं अधिकारियो ने नवप्रवेषित विद्यार्थियो को तिलक, पुष्पवर्षा एवं फूलमाला पहनाकर स्वागत, कक्षा 9वीं प्रवेषित बच्चियो को साइकिल वितरित, उच्चतम अंको से परीक्षा उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थियो को प्रमाण पत्र भी वितरित किये गए। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय प्रवेश उत्सव कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा एवं सुना गया।

रेत-कोयला पकड़ते रह गए अफसर, इधर कुएं में मर गया तेंदुआ, गोहपारू वन परिक्षेत्र का मामला

विजय मत, शहडोल

वन विभाग रेत और कोयला पकड़ने की कार्रवाई में उलझा रहा और इधर एक तेंदुए का शावक खुले कुएं में गिरकर मर गया। पांच दिन तक शव कुएं में पड़ा सड़ता रहा, लेकिन वन अमले को इसकी जानकारी तक नहीं लग पाई।
वन विभाग को इस घटना की जानकारी मंगलवार को लगी। बताया जा रहा है कि इलाके में तेज बदबू आने पर वन विभाग के गश्ती दल को शक हुआ। जब उन्होंने कुएं में झांक कर देखा तो पानी में तेंदुए का शव तैरता हुआ दिखाई दिया। इसके बाद तत्काल अधिकारियों को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही वन विभाग का अमला मौके पर पहुंचा और मंगलवार शाम तक शव निकालने और पंचनामा सहित पूरी प्रक्रिया पूरी की गई। जानकारी के अनुसार गोहपारू वन परिक्षेत्र के पटोरी सर्किल के बीट सकारिया में किसान राम सिंह के खेत में बने खुले कुएं में तेंदुए का शव मिला है। बताया जा रहा है कि कुएं के आसपास कोई बाउंड्री या सुरक्षा दीवार नहीं थी। संभावना जताई जा रही है कि तेंदुआ पानी की तलाश में कुएं के पास पहुंचा होगा और असंतुलित होकर कुएं में गिर गया होगा, जिससे उसकी मौत हो गई।
किसान राम सिंह के खेत में फिलहाल कोई फसल नहीं लगी है, जिससे खेत में लोगों का आना-जाना भी कम रहता है। इसी कारण कई दिनों तक किसी को घटना की जानकारी नहीं लग सकी और शव कुएं में ही पड़ा रहा।
इस मामले में रेंजर गोहपारू हेमंत प्रजापति ने बताया कि कुएं में तेंदुए का शव मिला था, जिसका पोस्टमार्टम कराया गया है। प्रथम दृष्टया तेंदुए की मौत कुएं में गिरने से होना प्रतीत हो रही है। मौके पर पगमार्क भी मिले हैं।

श्री हनुमान जन्मोत्सव आज, पुराना बस स्टैंड मंदिर में भव्य आयोजन, अखंड मानस पाठ व महाआरती

विजय मत, शहडोल

श्री हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर नगर के पुराने बस स्टैंड स्थित हनुमान मंदिर में दो दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।

कार्यक्रम के तहत 1 अप्रैल को सुबह 10 बजे से अखंड रामचरित मानस पाठ प्रारंभ हो चुका है, जिसका समापन 2 अप्रैल को प्रातः 11 बजे होगा। इसके पश्चात दोपहर 2 बजे से शाम 8 बजे तक भंडारा (प्रसाद वितरण) एवं महाआरती का आयोजन किया जाएगा।

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु हनुमान जी के दर्शन एवं पूजन-अर्चन के लिए मंदिर पहुंचेंगे।

श्री हनुमान सेवा समिति के अध्यक्ष गिरीश श्रीवास्तव (एडवोकेट), उपाध्यक्ष संजय सिंह, सचिन, सुनील गुप्ता, कोषाध्यक्ष मोहनलाल गुप्ता एवं मंदिर के पुजारी त्रिभुवन पांडे द्वारा जन्मोत्सव को लेकर भव्य तैयारियां की गई हैं।

समिति ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे मंदिर पहुंचकर अखंड मानस पाठ, आरती-पूजन एवं प्रसाद वितरण कार्यक्रम में सहभागिता करें।

वहीं, हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर कल्याणपुर हनुमान मंदिर एवं घरौला नाथ हनुमान मंदिर में भी विशेष पूजन-अर्चन एवं प्रसाद वितरण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

कलेक्टर की संवेदनशीलता से दिव्यांग के जीवन में नई उम्मीद जगी

विजय मत, शहडोल

कभी-कभी प्रशासनिक जिम्मेदारियों के बीच भी कुछऐसे पल आते हैं, जो इंसानियत की गहराई को उजागर कर देते हैं। ऐसा ही एक प्रेरणादायक उदाहरण शहडोल जिले में देखने को मिला, जब कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने अपनी संवेदनशीलता और तत्परता से एक दिव्यांग व्यक्ति के जीवन में नई उम्मीद जगा दी।

बुढार के इमली टोला निवासी नरेंद्र कुमार, जो पैरों से अति दिव्यांग हैं, रोजमर्रा की छोटी-छोटी जरूरतों के लिए भी संघर्ष करते थे। सीमित संसाधनों के चलते उनका जीवन कठिनाइयों से भरा हुआ था, और आवागमन उनके लिए सबसे बड़ी चुनौती बन चुका था। झूला तिराहे के पास सड़क से गुजरते समय कलेक्टर डॉ. केदार सिंह की नजर जब नरेंद्र कुमार पर पड़ी, तो उन्होंने अपनी गाड़ी तुरंत रुकवाई। उन्होंने न सिर्फ नरेंद्र की कुशलक्षेम पूछी, बल्कि उनकी समस्या को गंभीरता से सुना। नरेंद्र कुमार ने अपनी परेशानी बताते हुए ट्राइसाइकिल की मांग की। कलेक्टर ने बिना देर किए उन्हें कलेक्ट्रेट भिजवाया और सामाजिक न्याय विभाग के माध्यम से तत्काल निःशुल्क ट्राइसाइकिल उपलब्ध कराई।

दीवार लेखन से दिया जा रहा जल संरक्षण का संदेश

शहडोल। जल संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिले में दीवार लेखन का कार्य व्यापक स्तर पर किया जा रहा है। गांव-गांव एवं सार्वजनिक स्थलों पर आकर्षक एवं प्रेरणादायक नारों के माध्यम से आमजन को जल के महत्व एवं उसके संरक्षण के लिए जागरूक किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत जन अभियान परिषद की नवांकुर एवं प्रस्फुटन समितियां सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। समितियों के सदस्य न केवल दीवार लेखन के माध्यम से संदेश दे रहे हैं, बल्कि आमजन से सीधे संवाद स्थापित कर उन्हें जल स्रोतों के संरक्षण, वर्षा जल संचयन तथा स्वच्छता के महत्व के प्रति भी जागरूक कर रहे हैं।

मनोनीत पार्षदों ने संभाला दायित्व, गरिमामय समारोह में हुआ अभिनंदन

विजय मत, शहडोल

नगर पालिका परिषद शहडोल में मनोनीत (एल्डरमैन) पार्षदों ने विधिवत रूप से अपने दायित्वों का निर्वहन प्रारंभ कर दिया है। इस अवसर पर दिनांक 31 मार्च 2026 को नगर पालिका सभागार में समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें नव नियुक्त पार्षदों का आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष घनश्याम जायसवाल, उपाध्यक्ष प्रवीण शर्मा एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमती आशा जितेंद्र भंडारी की गरिमामयी उपस्थिति में सभी मनोनीत पार्षदों का पुष्पमालाओं से स्वागत किया गया।नगर पालिका परिषद शहडोल में एल्डरमैन के रूप में नियुक्त पार्षदों में श्रीमती सावित्री सेन, विनय केवट, आशीष तिवारी, स्वप्निल जायसवाल, नागेंद्र गोले एवं सचिन गुप्ता शामिल हैं।
समारोह के दौरान नेता प्रतिपक्ष पार्षद शक्ति लक्ष्यकार ने नगर में संचालित स्वच्छता व्यवस्था की सराहना करते हुए कहा कि मुख्य नगर पालिका अधिकारी के नेतृत्व में किए जा रहे कार्य प्रभावी एवं अनुकरणीय हैं।
इस अवसर पर पार्षद राकेश सोनी, अनमोल सोनी, विकास तिवारी, संतोष रावत, संजीव प्रताप सिंह, होलकर सिंह परस्ते, प्रकाश नारायण शुक्ला सहित अन्य जनप्रतिनिधि, पार्षदगण एवं नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।
कार्यक्रम में उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने नव मनोनीत पार्षदों को शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की। साथ ही नगर के सर्वांगीण विकास, जनहितकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा नागरिक सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ एवं सुचारु बनाने के लिए सामूहिक रूप से कार्य करने पर बल दिया गया।

मौसम — दिन-रात बढ़ती गर्मी से जनजीवन प्रभावित, पशु-पक्षी भी गर्मी से व्याकुल

अप्रैल के पहले दिन ही झुलसने लगा शहडोल, 38 डिग्री पर पहुंचा तापमान

विजय मत, शहडोल

अप्रैल की शुरुआत के साथ ही शहडोल में गर्मी ने अपने तेवर तीखे कर दिए हैं। मार्च के आखिरी दिनों से बढ़ता तापमान अब लोगों के लिए परेशानी का कारण बन गया है। दिन का पारा 38 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने और रात में भी गर्मी बने रहने से जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो रहा है। हालात ऐसे हैं कि सुबह से ही तेज धूप चुभने लगती है और दोपहर तक गर्मी अपने चरम पर पहुंच जाती है।

दिन में सन्नाटा, जरूरी काम से ही निकल रहे लोग

सुबह 10 बजे के बाद से ही शहर की सड़कों पर गर्मी का असर साफ नजर आने लगता है। दोपहर 12 बजे से लेकर शाम 4 बजे तक हालत और भी गंभीर हो जाती है। तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण लोग घरों में ही रहने को मजबूर हैं। बाजारों में भी इस दौरान सन्नाटा पसरा रहता है। जो लोग बाहर निकलते हैं, वे चेहरे को कपड़े से ढंककर और सिर को ढककर ही निकल रहे हैं।

रात में भी बढ़ी गर्मी, चैन की नींद मुश्किल

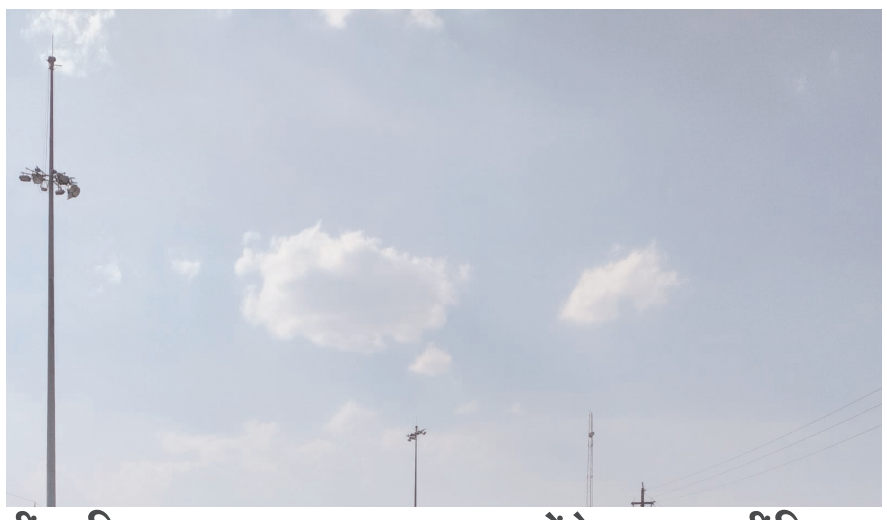

इस बार गर्मी ने रात में भी लोगों को राहत नहीं दी है। बीते दिनों में न्यूनतम तापमान बढ़कर 22 डिग्री तक पहुंच गया है, जो सामान्य से अधिक है। रविवार की रात इस सीजन की सबसे गर्म रात रही। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक पश्चिमी हवाओं और बादलों के कारण दिन की गर्मी जमीन के करीब ही बनी रहती है, जिससे रात में भी तापमान कम नहीं हो पाता।

बादलों के बावजूद नहीं मिल रही राहत

आसमान में बादल छाने के बावजूद गर्मी से राहत नहीं मिल रही है। दोपहर के समय बादल कुछ देर के लिए धूप को कम जरूर करते हैं, लेकिन तेज किरणों के कारण उनका असर जल्द खत्म हो जाता है। जिले में फिलहाल बारिश या बूंदाबांदी के कोई संकेत नहीं हैं। हालांकि हल्की हवा चलने से लोगों को थोड़ी राहत जरूर मिल रही है।

पशु-पक्षियों की बढ़ी परेशानी

भीषण गर्मी का असर अब पशु-पक्षियों पर भी दिखाई देने लगा है। पानी और छांव की कमी के कारण वे भी व्याकुल नजर आ रहे हैं। कई स्थानों पर लोग पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था कर रहे हैं, लेकिन गर्मी का असर लगातार बढ़ता जा रहा है।

एसी-कूलर और मटकों की बढ़ी मांग

गर्मी से राहत पाने के लिए लोगों ने एसी और कूलर का सहारा लेना शुरू कर दिया है। वहीं, पारंपरिक उपाय के रूप में मटका भी एक बार फिर लोगों की पहली पसंद बन रहा है। बाजारों में मटकों की बिक्री बढ़ गई है और लोग ठंडा पानी पीने के लिए इन्हें खरीद रहे हैं।

लगातार बढ़ रहा तापमान का ग्राफ

बीते एक सप्ताह में तापमान में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की गई है। 25 मार्च को 36 डिग्री से शुरू हुआ तापमान 26, 28 और 29 मार्च को 37 डिग्री तक पहुंचा। इसके बाद 30 मार्च और 1 अप्रैल को तापमान 38 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो गर्मी के तेजी से बढ़ते प्रभाव को दर्शाता है।

स्कूल चलें हम अभियान के अंतर्गत आज आयोजित होंगी विभिन्न गतिविधियां

शहडोल। प्रदेश में नवीन शिक्षण सत्र वर्ष 2026-27 एक अप्रैल से शुरू होगा। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा इसे ष्स्कूल चलें हमष् अभियान के रूप में मनाया जाएगा। यह 4 अप्रैल तक चलेगा। अभियान में प्रदेश में 1 से 4 अप्रैल तक प्रतिदिन शालाओं में कार्यक्रम होंगे। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा इस संबंध में सभी जिलों के कलेक्टर्स और जिला शिक्षा अधिकारियों को दिशा-निर्देश भी जारी किये हैं। इस दौरान प्रदेश के सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों के नामांकन पर विशेष ध्यान दिया जायेगा। प्रदेश में करीब 92 हजार सरकारी स्कूल हैं। इनमें प्रायमरी, मिडिल, हाई और हायर सैकेण्डरी स्कूल हैं। इन स्कूलों में लगभग 85 लाख बच्चे अध्ययनरत हैं। स्कूल चलें हम अभियान के अंतर्गत 2 अप्रैल को शाला स्तर पर पालकों के साथ सांस्कृतिक एवं खेल-कूद की गतिविधियां आयोजित की जायेंगी। इसका उद्देश्य पालकों का विद्यालय से जोड़ना है। इसी दिन शाला में उपस्थित पालकों को शैक्षणिक स्टॉफ द्वारा राज्य सरकार की स्कूल शिक्षा से जुड़ी सरकारी योजनाओं की जानकारी दी जायेगी। पिछले शैक्षणिक सत्र में जिन विद्यार्थियों की 85 प्रतिशत से अधिक उपस्थिति रही है, उनके पालकों को सभा में सम्मानित किया जायेगा। इसी दिन स्कूल चलें हम अभियान के अंतर्गत हार के आगे जीत कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाएगा। जिसमें ऐसे छात्रों को चिन्हित किया जायेगा, जो किन्हीं वजहों से कक्षोन्नति प्राप्त करने में असफल हो गये हैं। पालकों को इन बच्चों की आगे की पढ़ाई के लिये समझाइश दी जायेगी। उन्हें बताया जायेगा कि असफल होने के बाद भी लगातार प्रयास से अच्छा भविष्य तैयार किया जा सकता है। इसी दिन शाला प्रबंधन और विकास समिति की बैठक भी होगी। बैठक में नये शैक्षणिक सत्र में ऐसे बच्चों पर विशेष रूप से चर्चा की जायेगी, जिनका शालाओं में नामांकन नहीं हो पाया है।

आईपीएल में आज केकेआर और सनराइजर्स जीत के इरादे से उतरेंगे

दोनो ही टीम अपने-अपने शुरुआती मुकाबले में हारी हैं

मुम्बई,एजेंसीकोलकाता

यहां के ईडन गार्डन में गुरुवार को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मुकाबला होगा। दोनो ही टीम अपने-अपने शुरुआती मुकाबले में हारी हैं, ऐसे में दोनो का ही लक्ष्य इस मैच में बेहतर प्रदर्शन कर जीत दर्ज करना रहेगा। पिछले आईपीएल सत्र में इन दोनों ही टीमों के बीच कुल दो मुकाबले खेले गए हैं जिसमें से एक केकेआर और एक सनराइजर्स हैदराबाद ने जीता था।

इनके बीच अंतिम बार मुकाबला दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में हुआ था जिसमें सनराइजर्स हैदराबाद की टीम ने केकेआर को आसान से हराया था। केकेआर को इस बार कोलकाता में अपने घरेलू मैदान का लाभ मिल सकता है।

इस मैदान पर खेले गए आखिरी पांच टी20 मैचों में से तीन मैच लक्ष्य का पीछा करने वाली टीमों ने जीता है। ऐसे में टॉस की भी अहम भूमिका रहेगी। इस मैच पर औसत स्कोर 165 के करीब रहा है। आंकड़ों की बात करें तो अब तक केकेआर और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच 30 मुकाबले हुए हैं जिसमें से केकेआर ने 20 जबकि सनराइजर्स ने 10 जीते हैं।

केकेआर की टीम को कप्तान अजिंक्य रहाणे, अंगकृष रघुवंशी और वरुण चक्रवर्ती जैसे खिलाड़ियों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। केकेआर अपने गेंदबाजों से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद करेगी। पिछले मैच में अर्धशतक लगाने वाले रहाणे एक बार फिर अच्छी शुरुआत दिलाने की कोशिश करेंगे।

वहीं सनराइजर्स की ओर से ईशान किशन, हेनरिक क्लासेन और अभिषेक शर्मा पर पारी का दारोमदार रहेगा। कुल मिलाकर देखा जाये तो मैच भी रोमांचक होना तय है। नियमित कप्तान पैट कमिंस के फिट नहीं होने से सनराइजर्स की कमान ईशान के पास ही रहेगी। ईशान ने पहले ही मैच में 80 रनों की शानदार पारी खेली थी जिसे वह दोहराना चाहेंगे।

दोनो ही टीमों की संभावित अंतिम ग्यारह

कोलकाता नाइट राइडर्स

अजिंक्य रहाणे (कप्तान), कैमरून ग्रीन, फिन एलन, अंगकृष रघुवंशी (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, रमनदीप सिंह, अनुकूल रॉय, सुनील नरेन, वरुण चक्रवर्ती, वैभव अरोड़ा, और ब्लेसिंग मुजरबानी।

सनराइजर्स हैदराबाद

ईशान किशन (कप्तान/विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, ट्रेविस हेड, हेनरिक क्लासेन, अनिकेत वर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, हर्ष दुबे, हर्षल पटेल, जयदेव उनादकट, ईशान मलिंगा, और डेविड पायने।

21 खिलाड़ियों को शामिल किया

मैक्सवेल सहित कई दिग्गजों को नहीं मिली जगह

सिडनी (ईएमएस)। ्रि केट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने अपने नए केन्द्रीय अनुबंध की घोषणा कर दी है। इसमें 21 खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। वहीं ग्लेन मैक्सवेल सहित कई खिलाड़ियों को इसमें जगह नहीं मिली है। इस करार में कुछ नये खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया है। वहीं कुछ खिलाड़ियों को अधिक रकम मिली है। कॉन्सट्स, मैट रेनशॉ और झाय रिचर्डसन को केन्द्रीय अनुबंध से बाहर कर दिया गया है। ऑस्ट्रेलिया ने नये टेस्ट खिलाड़ियों ब्रेंडन डॉगेट और जेक वेदरल्ड को इस बार शामिल किया है।

शुभमन ने हार के लिए कमजोर बल्लेबाजी को जिम्मेदार बताया

मुल्लापुर । गुजरात टाइटंस टीम को आईपीएल के 19 वें सत्र के अपने पहले ही मैच में पंजाब किंग्स के हाथों हार का सामना करना पड़ा है। 3 विकेट से मिली इस हार से गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल निराश है। शुभमन ने हार के लिए टीम के बल्लेबाजों को जिम्मेदार बताया है। उन्होंने कहा कि हम अगर 10 से 15 रन और बनाते तो हालात अलग होते। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए गुजरात टाइटंस ने निर्धारित 20 ओवरों में 162 रन बनाए। इसके बाद जीत के लिए मिले इस लक्ष्य को पंजाब किंग्स ने 19.1 ओवर में ही 7 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। मैच में हार के लिए शुभमन ने खराब बल्लेबाज को कारण बताया है। उन्होंने कहा कि टीम ने अगर 10 से 15 रन और ज्यादा बनाए होते तो ये मैच उनके हाथों में आ जाता। शुभमन ने कहा कि मुझे लगता है कि हमने अच्छी गेंदबाजी की, पर अंतिम पांच-छह ओवरों में रन नहीं बना पाये। उन्होंने स्वीकार किया है कि टीम 10 से 15 रन कम बना पायी थी।

अच्छे प्रदर्शन के बाद भी मुझे टी20 के लिए योग्य नहीं माना

मुम्बई,एजेंसी

अच्छे प्रदर्शन के बाद भी मुझे टी20 के लिए योग्य नहीं माना जा रहा ∼शमी

नई दिल्ली (ईएमएस)। पिछले काफी समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी का कहना है कि उन्हें पिछले पांच से छह साल में 130 विकेट लेने के बाद भी टी20 के लिए उपयुक्त नहीं माना जा रहा है। शमी के अनुसार उन्होंने एकदिवसीय में सबसे तेजी से 200 विकेट लिए हैं। टी20 प्रारुप में भी उनका रिकॉर्ड काफी अच्छा है। इसके बाद भी उन्हें टी20 मैचों में अवसर नहीं मिल रहे हैं। इस तेज गेंदबाज ने माना कि आईपीएल के पिछले सत्र में उनका प्रदर्शन उतना अच्छा नहीं रहा था पर इसके पहले के सत्र में उनका नाम सबसे अधिक विकेट लेने वालों में शामिल था। शमी ने साल 2023 में सबसे अधिक विकेट लेकर पर्पल कैप हासिल किय था। इसके बाद भी उन्हें टी20 के लायक नहीं माना जा रहा है। इसी को लेकर उन्होंने कहा कि पिछले 5-6 सालों में उन्होंने 130 के करीब विकेट लिए हैं, फिर भी उन्हें टी20 गेंदबाज नहीं समझा जाता, ऐसे में वह क्या कर सकते हैं।

आईपीएल में ऑरेंज और पर्पल कैप की दौड़ में रिकेल्टन और डफी

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19वें सत्र के शुरुआती मैच जारी है। ऐसे में अभी से सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप और सबसे अधिक विकेट के लिए मिलने वाली पर्पल कैप के लिए संभावितों के नाम आने शुरु हो गये हैं। अभी तक सबसे अधिक रनों के मामले में शीर्ष पांच पर मुंबई इंडियंस के सलामी बल्लेबाज रयान रिकेल्टन हैं। जिन्होंने एक ही मैच में 81 रन बनाये हैं। वहीं दूसरे नंबर पर सनराइजर्स के ईशान किशन हैं जिनके 80 रन हैं। वहीं तीसरे नंबर पर मुम्बई इंडियंस के रोहित शर्मा 78 रनों के साथ हैं। चौथे स्थान पर कूपर कोनोली हैं उनके 72 रन हैं जबकि विराट कोहली 69 रनों के साथ ही पांचवें नंबर पर हैं।

चेकिया के बाद स्वीडन-तुर्किये की भी फीफा विश्व कप में एंट्री, रोमांचक मुकाबलों में दर्ज की जीत

नई दिल्ली, एजेंसी

फीफा विश्वकप 2026 के लिए चेकिया, स्वीडन और तुर्किये की टीमों ने भी क्वालिफाई कर लिया है। तीनों टीमों ने प्लेऑफ मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए फीफा विश्वकप के मेन इवेंट में जगह बनाई।

तुर्किये की वापसी

तुर्किये ने कोसोवो टीम को कड़े मुकाबले में हराकर 24 साल बाद वर्ल्ड कप में वापसी की। मैच का इकलौता गोल करीम अक्तुरकोग्लू ने किया। साथ ही मैच में केनान यिलदिज और ओर्कुन कोकू ने भी अहम भूमिका निभाई। तुर्किये अब ग्रुप डी में अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और पराग्वे के साथ खेलेगा।

स्वीडन ने पोलैंड से लिया बदला

स्वीडन ने रोमांचक मुकाबले में पोलैंड को हराकर क्वालिफाई किया। एंथनी एलांगा और विक्टर ग्लोकेरेस ने अहम गोल किए। मुकाबला एक्स्ट्रा टाइम तक गया और अंत में स्वीडन ने बाजी मारी। स्वीडन अब ग्रुप एफ में नीदरलैंड, जापान और ट्यूनीशिया के साथ होगा।

20 साल बाद चेकिया की वापसी

चेकिया ने डेनमार्क को पेनल्टी शूटआउट में हराकर 20 साल बाद वर्ल्ड कप में जगह बनाई। निर्णायक पेनल्टी माइकल सैदलिक ने गोल में बदली। डेनमार्क के लिए सिर्फ क्रिश्चियन एरिक्सन ही पेनल्टी में सफल रहे। चेकिया अब ग्रुप ए में मैक्सिको, दक्षिण अफ्रीका और दक्षिण कोरिया के साथ खेलेगा।

रोमांच से भरे मुकाबले

तीनों मुकाबले बेहद रोमांचक रहे। कहीं पेनल्टी शूटआउट का ड्रामा हुआ तो कहीं आखिरी मिनट में गोल दागा गया। और कहीं

20-24 साल बाद ऐतिहासिक वापसी हुई है। कुल मिलाकर फीफा विश्वकप रोमांचक रहने वाला है। इटली के बाहर होने ने भी सभी को चौंका दिया।

टी20 रैंकिंग में बेथ को पीछे छोड़कर जॉर्जिया शीर्ष पर पहुंची

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर परिषद (आईसीसी) की महिला टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाज जॉर्जिया वॉल नंबर एक स्थान पर पहुंच गयी हैं। जॉर्जिया वॉल ने अपनी ही साथी खिलाड़ी बेथ मूनी को पीछे छोड़ा है। जॉर्जिया 8 स्थान ऊपर आयी हैं। वहीं भारत की स्मृति मंधाना दूसरे से तीसरे नंबर पर फिसल गयी हैं।

ऑलराउंडर्स की रैंकिंग की बात करें तो न्यूजीलैंड की अमेलिया केर पहले नंबर पर हैं। वहीं वेस्टइंडीज की हीली मैथ्यूज अब दूसरे स्थान पर आ गयी हैं। गेंदबाजी रैंकिंग में रेणुका सिंह ठाकुर पांचवें स्थान पर खिसक गई हैं।गेंदबाजी रैकिंग की बात करें तो शीर्ष पर सादिया इकबाल हैं, जबकि दूसरे स्थान पर सोफी एक्लेस्टोन हैं। तीसरे पायदान पर दीप्ति शर्मा, चौथे नंबर पर लॉरेन बेल और पांचवें पायदान पर रेणुका सिंह ठाकुर हैं। ऑलराउंडर्स की रैंकिंग पर नजर डालें तो शीर्ष पर अमेलिया केर हैं।

पहला स्थान हासिल किया है

दूसरे पायदान पर हीली मैथ्यूज, तीसरे पर दीप्ति शर्मा, चौथे पर एश्ली गार्डनर और चमारी अट्टापट्टू पांचवें नंबर पर हैं।नई रैंकिंग में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। आईसीसी ने जो लेटेस्ट रैंकिंग जारी की है, उसमें नई नंबर वन बल्लेबाज और नई नंबर वन ऑलराउंडर देखने को मिली है। जॉर्जिया वॉल ने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए नंबर वन स्थान हासिल कया है।

व्यापार

महाराष्ट्र में प्याज हुआ सस्ता, उत्पादक संघ ने की एमआईएस लागू करने की मांग

मुंबई ,एजेंसी

महाराष्ट्र राज्य प्याज उत्पादक संघ ने सरकार से बाजार हस्तक्षेप योजना (एमआईएस) को तुरंत लागू करने की मांग की है। संघ का कहना है कि प्याज की कीमतों में तेज गिरावट ने किसानों को गंभीर वित्तीय संकट में डाल दिया है। महाराष्ट्र राज्य प्याज उत्पादक संघ के एक पदा?धिकारी ने कहा कि कीमतों में 50 प्रतिशत से अधिक की कमी स्पष्ट रूप से संकटग्रस्त बिक्री की स्थिति को दर्शाती है और एमआईएस लागू करने के मानदंड पूरे करती है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि तुरंत कदम नहीं उठाए गए तो राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन किए जाएंगे। उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और सुनेत्रा पवार को ज्ञापन भेजकर बताया कि पूरे राज्य में प्याज उत्पादक मंडियों में कीमतों में गिरावट से भारी नुकसान झेल रहे हैं। उन्होंने कहा कि एमआईएस लागू होने पर सरकार खरीदार के रूप में प्रवेश करके कीमतों को स्थिर, घबराहट में बिक्री रोकने और व्यापारियों द्वारा दरें दबाने की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने में मदद कर सकती है। किसानों को फिलहाल प्याज के लिए *300ङ्क800 रुपये प्रति क्विंटल मिल रहे हैं, जबकि उत्पादन लागत 1,500ङ्क1,800 रुपये प्रति क्विंटल है। इस स्थिति में किसान मजबूरी में कम दाम पर बिक्री कर रहे हैं और कई मामलों में सड़क पर प्याज फेंकने को मजबूर हैं। उन्होंने मांग की कि तालुका स्तर पर सरकारी खरीद केंद्र स्थापित किए जाएं, न्यूनतम समर्थन मूल्य तय किया जाए और मूल्य कमी भुगतान योजना को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए।

सतीश मोरे/01अप्रैल

झारखंड में बिजली हुई महंगी

रांची । झारखंड में 1 अप्रैल से नई बिजली दरें लागू कर दी गई हैं। राज्य विद्युत नियामक आयोग (जेएसईआरसी) के नए आदेश के अनुसार घरेलू उपभोक्ताओं को अब बिजली के लिए प्रति यूनिट 50 से 55 पैसे अधिक चुकाने होंगे। 200-400 यूनिट बिजली उपयोग करने वालों के लिए दर बढ़कर 5.35 रुपये प्रति यूनिट हो गई है, जबकि 400 यूनिट से अधिक खपत करने वालों के लिए यह बढ़कर 7.40 रुपये प्रति यूनिट हो गई है। मध्यम और उच्च खपत वाले परिवारों पर यह वृद्धि सबसे ज्यादा प्रभाव डालेगी। गर्मियों में बिजली खपत चरम पर होने के कारण मासिक बिल में खासा इजाफा देखने को मिलेगा।

फेसबुक इंडिया का 2024-25 का लाभ बढ़कर 647 करोड़ हुआ

नई दिल्ली । फेसबुक इंडिया ने मार्च 2025 को समाप्त वित्त वर्ष में एकल आधार पर लगभग 647.45 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया, जो सालाना आधार पर 28 प्रतिशत अधिक है। टोफलर ने कंपनी द्वारा शेयर बाजार को दी सूचना के आधार पर यह जानकारी दी। फेसबुक इंडिया ने एक साल पहले 504.93 करोड़ रुपये का लाभ दर्ज किया था। इस दौरान उसका परिचालन राजस्व सालाना आधार पर 25 प्रतिशत बढ़कर 3,792.91 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 के लिए कंपनी का कुल खर्च 2,881 करोड़ रुपये बताया गया है। मेटा के स्वामित्व वाली फेसबुक इंडिया ऑनलाइन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड का कर्मचारी खर्च समीक्षाधीन अवधि में 36 प्रतिशत बढ़कर 648.57 करोड़ रुपये हो गया, जो एक साल पहले 476 करोड़ रुपये था। कंपनी का कर व्यय वित्त वर्ष 2023-24 के 209.2 करोड़ है।

मार्च में जीएसटी संग्रह 2 लाख करोड़ रुपए के पार, 8.8 फीसदी की बढ़ोतरी

नई दिल्ली । मोदी सरकार के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, मार्च 2026 में सकल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह 8.8 प्रतिशत बढ़कर 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया। मार्च 2025 में यह संग्रह 1.83 लाख करोड़ रुपये था। वृद्धि का मुख्य कारण घरेलू बिक्री और आयात से राजस्व में बढ़ोतरी को बताया गया है। घरेलू राजस्व 5.9 प्रतिशत बढ़कर 1.46 लाख करोड़ रुपये से अधिक हुआ।

वहीं, आयात से प्राप्त राजस्व में 17.8 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई और यह 53,861 करोड़ रुपये रहा। मार्च में रिफंड राशि 13.8 प्रतिशत बढ़कर 22,074 करोड़ रुपये हो गई। रिफंड समायोजित करने पर शुद्ध जीएसटी राजस्व करीब 1.78 लाख करोड़ रुपये रहा, जो सालाना आधार पर 8.2 प्रतिशत अधिक है। पूरा वित्त वर्ष 2025-26 में सकल जीएसटी संग्रह 8.3 प्रतिशत बढ़कर 22.27 लाख करोड़ रुपये से अधिक हुआ, जबकि रिफंड समायोजित शुद्ध राजस्व 19.34 लाख करोड़ रुपये रहा। विशेषज्ञों का कहना है कि यह आर्थिक गतिविधियों में स्थिरता और नकदी प्रवाह में सुधार का संकेत है।

रेवेन्यू के अलग-अलग हिस्सों पर नजर डालें तो घरेलू लेनदेन से मिलने वाला ग्रॉस रेवेन्यू 1.46 लाख करोड़ रुपये रहा, जिसमें 5.9 प्रतिशत की बढ़त हुई। वहीं, इंपोर्ट से मिलने वाला रेवेन्यू 0.54 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जिसमें 17.8 प्रतिशत की तेज बढ़ोतरी दिखाई दी। इसका मतलब है कि देश में आयात गतिविधियां भी काफी मजबूत रही हैं। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 के अनुसार ग्रॉस जीएसटी कलेक्शन 8.3 प्रतिशत बढ़कर 22.27 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा हो गया। रेवेन्यू 7.1 प्रतिशत की बढ़त के साथ 19.34 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया।

वैश्विक रक्षा खर्च रिकॉर्ड स्तर पर, अमेरिका सबसे आगे

नई दिल्ली । 2025 के आंकड़ों के अनुसार वैश्विक रक्षा खर्च लगातार बढ़ता जा रहा है। 2024 में यह लगभग 2,718 बिलियन डॉलर (2.7 ट्रिलियन यूएसडी) तक पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 9.4 फीसदी की वृद्धि दर्शाता है। इस बढ़ोतरी के मुख्य कारणों में रूस-यूक्रेन युद्ध, मध्य पूर्व में तनाव और यूरोप में सुरक्षा चिंताएं शामिल हैं। अमेरिका सबसे बड़े रक्षा बजट वाला देश है, जिसका खर्च लगभग 895 बिलियन डॉलर है। इसका बड़ा हिस्सा मिसाइल, नौसेना और एयरोस्पेस तकनीक पर लगाया जाता है। चीन दूसरे स्थान पर है, जिसका बजट 266.85 बिलियन डॉलर है और यह आधुनिक हथियार, समुद्री और वायु शक्ति को मजबूत करने पर केंद्रित है। रूस का बजट 126 बिलियन डॉलर है, जिसे यूरोप में अपनी सैन्य प्रभावशीलता बनाए रखने और वायु-समुद्री बलों के लिए रखा गया है। भारत चौथे स्थान पर है, जिसका बजट 75 बिलियन डॉलर है। भारत इसे सैनिक, मिसाइल प्रणालियों, वायु और नौसेना बलों के आधुनिकीकरण में खर्च कर रहा है। कई देशों का रक्षा बजट उनकी जीडीपी का 2 फीसदी से अधिक है। अमेरिका का यह आंकड़ा लगभग 3.4 फीसदी है।

भारत का बजट अब सिर्फ घरेलू दस्तावेज नहीं

नई दिल्ली । दुनिया युद्ध, महंगाई और उच्च ब्याज दरों जैसी चुनौतियों का सामना कर रही है। अमेरिका और यूरोप में ब्याज दरें ऊंची हैं, चीन की अर्थव्यवस्था सुस्त है, और पश्चिम एशिया व यूक्रेन में संघर्ष जारी है। ऐसे माहौल में भारत का बजट सिर्फ घरेलू दस्तावेज नहीं, बल्कि वैश्विक निवेशकों और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के लिए स्थिरता का संकेतक बन गया है। आईएमएफ और वर्ल्ड बैंक का अनुमान है कि भारत 2026 -27 में 6.5ङ्क7 फीसदी की विकास दर बनाए रख सकता है। ये एजेंसियां विशेष रूप से राजकोषीय घाटा, पूंजीगत व्यय, रक्षा होगी।

रिपोर्ट दो साल लगातार रिकॉर्ड फंडिंग, लेकिन कमजोर लिस्टिंग प्रदर्शन ने निवेशकों को सतर्क किया

प्राथमिक बाजार में आईपीओ से 1.8 लाख करोड़ रुपए जुटाए

नई दिल्ली,एजेंसी

सेकेंडरी बाजार में गिरावट और वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत का प्राथमिक बाजार वित्त वर्ष 2026 में नई ऊंचाइयों पर पहुंच गया। आईपीओ के जरिए कंपनियों ने रिकॉर्ड स्तर पर पूंजी जुटाई, हालांकि निवेशकों को अपेक्षित रिटर्न नहीं मिल पाया। वित्त वर्ष 2026 में भारत के प्राथमिक बाजार ने मजबूत प्रदर्शन करते हुए नया कीर्तिमान स्थापित किया। इस दौरान 112 कंपनियों ने मुख्य श्रेणी के आईपीओ के जरिए कुल 1.8 लाख करोड़ रुपये जुटाए, जो पिछले वित्त वर्ष 2025 के 78 आईपीओ से जुटाए गए 1.62 लाख करोड़ रुपये से अधिक है। लगातार दूसरे साल रिकॉर्ड फंड जुटाना बाजार की संरचनात्मक मजबूती को दर्शाता है। हालांकि, यह उपलब्धि ऐसे समय में आई जब सेकेंडरी बाजार दबाव में रहा। निफ्टी 50 में 5.1 प्रतिशत और सेंसेक्स में 7.1 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, जो वित्त वर्ष 2020 के बाद सबसे खराब प्रदर्शन है। भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की बिकवाली ने बाजार धारणा को प्रभावित किया। इसके बावजूद घरेलू संस्थागत निवेशकों की मजबूत भागीदारी ने बाजार को सहारा दिया और कंपनियों को पूंजी जुटाने का अवसर मिला।

इससे यह भी संकेत मिलता है कि भारतीय बाजार अब विदेशी निवेश पर कम निर्भर होता जा रहा है। हालांकि आईपीओ में निवेशकों का उत्साह लिस्टिंग के कमजोर प्रदर्शन से प्रभावित हुआ। औसत लिस्टिंग लाभ घटकर 8 प्रतिशत रह गया, जबकि पिछले वर्ष यह लगभग 30 प्रतिशत था। केवल 31 प्रतिशत आईपीओ ही 10 प्रतिशत से अधिक रिटर्न दे सके। वित्त वर्ष के अंतिम चरण में गतिविधियों में गिरावट भी देखने को मिली, जहां अंतिम तिमाही में केवल 18,772 करोड़ रुपये जुटाए गए। ऐसे में विशेषज्ञ अब निवेशकों को सतर्क और चयनात्मक निवेश की सलाह दे रहे हैं।

न्यूज इन शॉर्ट

भाजपा के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल 2 एवं 3 अप्रैल को दो दिवसीय प्रदेश प्रवास पर रहेंगे

विजय मत, भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल 2 एवं 3 अप्रैल को दो दिवसीय इंदौर, खण्डवा, बुरहानपुर, खरगौन, बडवानी एवं धार जिले के प्रवास पर रहेंगे। भाजपा के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल 2 अप्रैल को प्रातः 8 बजे इंदौर के चिड़ियाघर के मंदिर पहुंचकर हनुमान जी के दर्शन करेंगे। प्रातः 11.30 बजे खण्डवा के ओंकारेश्वर ज्योर्तिलिंग में दर्शन पूजन करेंगे। दोपहर 1 बजे ओंकारेश्वर मंडल के मंडल प्रशिक्षण वर्ग में शामिल होंगे। शाम 6 बजे बुरहानपुर के शाहपुर मंडल एवं शाम 7 बजे फोपनर मंडल के मंडल प्रशिक्षण वर्ग में शामिल होंगे। भाजपा के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल 3 अप्रैल को दोपहर 1 बजे बडवानी जिले के खेतिया मंडल, दोपहर 3 बजे पानसेमल मंडल एवं शाम 5 बजे सेंधवा मंडल के मंडल प्रशिक्षण वर्ग में शामिल होंगे।

हनुमान जन्मोत्सव पर दादाजी धाम में विशेष श्रृंगार, अभिषेक एवं भव्य आयोजन

विजय मत, भोपाल। जागृत एवं दर्शनीय तीर्थ स्थल दादाजी धाम मंदिर, रायसेन रोड, पटेल नगर, भोपाल में भगवान हाटकेश्वर जी का जन्मोत्सव अत्यंत श्रद्धा, विश्वास एवं धर्मभाव के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर प्रातः 9:30 बजे से भगवान हाटकेश्वर जी का विधि-विधान से अभिषेक, पूजन, आरती एवं भजन-कीर्तन दशोरा नागर समाज के महिला एवं पुरुष भक्तों द्वारा संपन्न किया गया। इसके उपरांत प्रसाद वितरण किया गया। इसी क्रम में गुरुवार को सूर्योदय के पावन बेला में रामसेवक महावीर हनुमान जी के जन्मोत्सव के अवसर पर मंदिर में विराजमान बाल स्वरूप हनुमान जी का विशेष श्रृंगार, अभिषेक, पूजन, हवन एवं आरती की जाएगी। साथ ही 11 बार हनुमान चालीसा पाठ किया जाएगा, जिसके पश्चात प्रसाद वितरण किया जाएगा। 1008 दादाजी गुरुदेव चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष शिवरतन नामदेव एवं सदस्यों ने बताया कि इस अवसर पर सायं 5:00 बजे से हनुमान चालीसा एवं भजन-कीर्तन का आयोजन ट्रस्ट के ट्रस्टीगण, मंदिर व्यवस्था समिति के सदस्य एवं महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा किया जाएगा।

शिक्षा विभाग के अस्थाई कर्मी होंगे रेगुलर

विजय मत, भोपाल। प्रदेश के शिक्षा विभाग में 10 साल की सेवा कर चुके अस्थाई कर्मी, दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को अब शिक्षा विभाग नियमित कर रहा है। इसके लिए लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल ने प्रदेश भर के जिला शिक्षा अधिकारियों को पत्र लिखकर जल्द जानकारी मंगाई है। मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच के प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया है कि मध्य प्रदेश शासन सामान्य प्रशासन विभाग ने 16 मई 2007 को आदेश जारी करके प्रदेश के दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को नियमित करने के निर्देश समस्त विभागों को दिए थे। उस आदेश के परिपालन में ही अब शिक्षा विभाग अपने विभाग में कार्यरत स्थाई कर्मी दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को नियमित कर रहा है। इससे शिक्षा विभाग के जिला शिक्षा विभाग के अंतर्गत कार्य हजारों दैनिक वेतन भोगियों को नियमित कारण का लाभ होगा।

सरसों की एमएसपी बढ़ाने की तैयारी में सरकार, किसानों को मिल सकती है राहत

विजय मत, भोपाल। प्रदेश में सरसों के गिरते बाजार भाव को देखते हुए सरकार एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) बढ़ाने पर विचार कर रही है। जानकारी के अनुसार, भावांतर योजना के तहत प्रस्तावित खरीदी को फिलहाल टाल दिया गया है, जबकि नियमित खरीदी 16 अप्रैल से शुरू होने की संभावना है। अधिकारियों का कहना है कि मंडियों में किसानों को घोषित समर्थन मूल्य से कम दाम मिल रहे हैं। वर्तमान में सरसों का समर्थन मूल्य लगभग 6200 रुपये प्रति क्विंटल है, जबकि मंडियों में कीमतें 6500 से 7100 रुपये प्रति क्विंटल तक बताई जा रही हैं। ऐसे में बाजार और समर्थन मूल्य के बीच अंतर को संतुलित करने के लिए सरकार अगले 15 दिनों तक स्थिति पर नजर रखेगी। यदि जरूरत पड़ी तो एमएसपी में बढ़ोतरी या अन्य राहत उपाय लागू किए जा सकते हैं, जिससे किसानों को बेहतर दाम मिल सकें।

सिंहस्थ-2028 और सांस्कृतिक विरासत पर विशेष ध्यान

किसान, महिला और युवा केंद्र में : सरकार ने पेश किया समावेशी बजट

विजय मत, भोपाल

मध्यप्रदेश सरकार ने वर्ष 2026-27 के बजट में समग्र और समन्वित विकास को प्राथमिकता देते हुए सामाजिक सुरक्षा, महिला सशक्तिकरण, कृषि उन्नयन और अधोसंरचना विस्तार पर बड़ा फोकस किया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इसे आर्थिक समृद्धि का स्पष्ट रोडमैप बताते हुए कहा कि यह बजट प्रदेश को आत्मनिर्भर और विकसित राज्य बनाने की दिशा में निर्णायक साबित होगा। राज्य सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट में विभिन्न वर्गों को साधने की रणनीति स्पष्ट नजर आती है। महिला सशक्तिकरण के तहत मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के लिए 23,883 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जो सरकार की प्राथमिकताओं में महिलाओं की आर्थिक भागीदारी को दर्शाता है। इसके साथ ही लाड़ली लक्ष्मी योजना के लिए 1,801 करोड़ रुपये और पोषण 2.0 व आंगनवाड़ी सेवाओं के लिए 3,863 करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया गया है। कृषि क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए भी सरकार ने कई बड़े कदम उठाए हैं। अटल कृषि ज्योति योजना के लिए 13,914 करोड़ रुपये, किसान कल्याण योजना के लिए 5,501

करोड़ रुपये और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के लिए 1,299 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसके अतिरिक्त किसानों को सस्ती बिजली उपलब्ध कराने हेतु 5 हॉर्स पॉवर तक के पंपों के लिए 5,276 करोड़ रुपये की प्रतिपूर्ति रखी गई है। ग्रामीण और शहरी अधोसंरचना विकास को गति देने के लिए भी बजट में व्यापक प्रावधान किए गए हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के लिए 6,850 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। वहीं सड़कों के उन्नयन के लिए 2,968 करोड़ रुपये और मेट्रो परियोजनाओं के लिए 656 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। जल जीवन मिशन के अंतर्गत हर घर नल से जल पहुंचाने के लिए 4,454 करोड़ रुपये का बजट रखा गया है।

महिला सशक्तिकरण पर बड़ा निवेश

राज्य सरकार ने महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए बजट में बड़े प्रावधान किए हैं। लाड़ली बहना योजना के तहत 23,883 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है, जिससे लाखों महिलाओं को प्रत्यक्ष आर्थिक सहायता मिलती रहेगी। इसके अलावा लाड़ली लक्ष्मी योजना और पोषण कार्यर भों के जरिए बालिकाओं और माताओं के स्वास्थ्य एवं शिक्षा को भी प्राथमिकता दी गई है। यह पहल सामाजिक सुरक्षा के साथ-साथ महिला भागीदारी को बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

किसानों के लिए राहत और सुविधाओं का विस्तार

कृषि क्षेत्र को सुदृढ़ करने के लिए बजट में व्यापक प्रावधान किए गए हैं। अटल कृषि ज्योति योजना, फसल बीमा और किसान कल्याण योजना के जरिए किसानों की आय बढ़ाने और जोखिम कम करने पर जोर दिया गया है। साथ ही मुफ्त बिजली सुविधा और सिंचाई संसाधनों को मजबूत करने से खेती की लागत घटाने की कोशिश की गई है। सरकार का लक्ष्य किसानों को आत्मनिर्भर बनाना और कृषि को लाभकारी व्यवसाय में बदलना है।

अधोसंरचना और विकास परियोजनाओं को गति

ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए बजट में बड़े निवेश का प्रावधान है। सड़क, आवास, पेयजल और मेट्रो परियोजनाओं पर जोर देकर सरकार ने समग्र विकास की रणनीति अपनाई है। जल जीवन मिशन और प्रधानमंत्री आवास योजना के जरिए जीवन स्तर सुधारने का प्रयास किया जा रहा है। यह निवेश प्रदेश में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने और रोजगार सृजन में भी सहायक होगा।

हर घर में शिक्षा का दीप जले, कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहेः खाद्य मंत्री राजपूत

विजय मत, भोपाल

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि हर घर में शिक्षा का दीप जलना चाहिए और कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित नहीं रहना चाहिए। शिक्षा वह प्रकाश है जो अज्ञानता के अंधकार को दूर करती है। मंत्री राजपूत सागर स्थित सांदीपनी विद्यालय (महारानी लक्ष्मीबाई कन्या विद्यालय) में आयोजित प्रवेश उत्सव कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मंत्री राजपूत ने कहा कि प्रवेश उत्सव केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि शिक्षा के प्रति जागरूकता, नए सपनों की शुरुआत और उज्ज्वल भविष्य की ओर पहला कदम है।

जब कोई बच्चा पहली बार विद्यालय की दहलीज पर कदम रखता है, तो वह केवल स्कूल में प्रवेश नहीं करता बल्कि ज्ञान, संस्कार और आत्मनिर्भरता की दुनिया में प्रवेश करता है। मंत्री राजपूत ने कहा कि प्रवेश उत्सव का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि हर बच्चा विद्यालय से जुड़े, शिक्षा प्राप्त करे और अपने जीवन को सफल बनाए। आज भी कई बच्चे ऐसे हैं जो किसी न किसी कारण से शिक्षा से दूर रह जाते हैं।

एम्स भोपाल में प्रिसिजन मेडिसिन पर सीएमई का सफल आयोजन

विजय मत, भोपाल

एम्स भोपाल लगातार चिकित्सा सेवाओं और शोध कार्यों में नई दिशा स्थापित करते हुए आधुनिक स्वास्थ्य प्रणाली को सुदृढ़ बनाने की दिशा में अग्रसर है। इसी क्रम में संस्थान के फार्माकोलॉजी और बायोकेमिस्ट्री विभाग द्वारा 30 मार्च 2026 को ÷प्रिसिजन मेडिसिन इन प्रैक्टिसः ग्लोबल पर्सपेक्टिव्स एंड द इंडियन कॉन्टेक्स्ट÷ विषय पर एक सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम इंडियन एकेडमी ऑफ बायोमेडिकल साइंसेज के तत्वावधान में आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रो. (डॉ.) माधवानन्द कर, कार्यपालक निदेशक एवं सीईओ, एम्स भोपाल के उद्घाटन संबोधन के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने आधुनिक चिकित्सा में प्रिसिजन मेडिसिन के महत्व को रेखांकित किया। आयोजन अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) अशोक कुमार ने स्वागत भाषण देते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की, जबकि इंडियन एकेडमी ऑफ बायोमेडिकल साइंसेज के अध्यक्ष डॉ. सुखेस मुखर्जी ने अकादमिक चर्चा की शुरुआत की। कार्यक्रम में नीदरलैंड्स के एरास्मस मेडिकल सेंटर से प्रो. (डॉ.) पीटर जे. वान डेर स्पेक ने बायोइन्फॉर्मेटिक्स और प्रिसिजन मेडिसिन पर व्याख्यान दिया। अन्य प्रमुख अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय वक्ताओं में प्रो. (डॉ.) हरि शंकर शर्मा (इरास्मस एमसी, नीदरलैंड्स), प्रो. विनीत कुमार शर्मा (आईआईएसईआर भोपाल), डॉ. चक्रधर राव यू. (जिपमर पुडुचेरी), प्रो. (डॉ.) अभिजीत आर. रोज़ातकर और डॉ. शुभम अटल (एम्स भोपाल) शामिल रहे। इन विशेषज्ञों ने जीनोमिक्स, हृदय रोग, कैंसर, मनोरोग और फार्माकोजीनोमिक्स जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार साझा किए, साथ ही सुश्री युक्ति गंभीर (थर्मो फिशर साइंटिफिक, इंडिया) द्वारा उद्योग जगत का दृष्टिकोण भी प्रस्तुत किया गया। सीएमई के दौरान फार्माकोलॉजी और बायोकेमिस्ट्री विभाग के वरिष्ठ संकाय सदस्यों ने वैज्ञानिक सत्रों की अध्यक्षता की। साथ ही ÷क्या भारत प्रिसिजन मेडिसिन के लिए तैयार है?÷ विषय पर आयोजित पैनल चर्चा में विशेषज्ञों और प्रतिभागियों के बीच सार्थक विचार-विमर्श हुआ।

8 साल में उजड़ गए मप्र के जंगल

प्रदेश में 19851 वर्ग किमी ग्रीन कवर घटा, भोपाल में लगाए पौने आठ लाख पौधे

विजय मत, भोपाल

बढ़ते शहरीकरण और विकास परियोजनाओं के कारण जंगल खत्म हो रहे हैं। ग्रीन कवर तेजी से घट रहा है। केंद्र सरकार द्वारा लोकसभा में पेश किए गए ताजा आंकड़ों ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। पिछले 8 सालों में (2015 से 2023 के बीच) देश के दो बड़े राज्यों महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में ग्रीन कवर (वन और वृक्ष आवरण) तेजी से घटा है। भोपाल सांसद आलोक शर्मा सहित अन्य सांसदों द्वारा पूछे गए एक सवाल के जवाब में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने यह डेटा सदन के पटल पर रखा। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक ग्रीन कवर घटने के मामले में महाराष्ट्र देश में पहले नंबर पर है, जबकि मध्य प्रदेश दूसरे स्थान पर है। टाइगर स्टेट के नाम से मशहूर मध्य प्रदेश में हरियाली का दायरा तेजी से सिमटा है। साल 2015 में

प्रदेश का कुल वन और वृक्ष आवरण 85,235 वर्ग किमी था, जो 2023 की रिपोर्ट में घटकर 65,383.41 वर्ग किमी रह गया है। यानी महज 8 सालों में राज्य ने 19,851.59 वर्ग किमी का हरा-भरा क्षेत्र खो दिया।

जहां ग्रीन कवर सबसे ज्यादा घटा

महाराष्ट्र में सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई, जहां वन क्षेत्र 60,186 वर्ग किमी से घटकर 16,795.28 वर्ग किमी रह गया। महाराष्ट्र में कुल 43,390.72 वर्ग किमी ग्रीन कवर घटा है। दूसरे नंबर पर एमपी है, जहां कवर 85,235 वर्ग किमी से घटकर 65,383.41 वर्ग किमी रह गया है। एमपी में आठ सालों में 19,851.59 वर्ग किमी वन क्षेत्र घट गया है। कर्नाटक का दायरा 41,973 वर्ग किमी से कम होकर 24,965.3 वर्ग किमी पर आ गया है। यहां 17,007.7 वर्ग किमी ग्रीन कवर कम हुआ है। पूर्वोत्तर के मिजोरम राज्य में कवर 19,283 वर्ग किमी से घटकर 12,616.49 वर्ग किमी रह गया। यहां 6,666.51 वर्ग किमी फॉरेस्ट एरिया घटा है।

महाराष्ट्र की स्थिति सबसे भयावह

आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि महाराष्ट्र में हरियाली की सबसे ज्यादा बलि चढ़ी है। 2015 में यहां 60,186 वर्ग किमी ग्रीन कवर था, जो 2023 में घटकर सिर्फ 16,795.28 वर्ग किमी रह गया है। महाराष्ट्र में कुल 43,390.72 वर्ग किमी की रिकॉर्ड गिरावट दर्ज की गई है, जो देश में किसी भी राज्य में सबसे अधिक है। सदन में दी गई जानकारी के अनुसार हरित भारत मिशन (ग्रद्धरू) और अन्य योजनाओं के जरिए वनीकरण के प्रयास तो हो रहे हैं, लेकिन धरातल पर बड़े राज्यों में कवर का कम होना चिंता का विषय है।

सृजन अभियान के तहत सामुदायिक पुलिसिंग की पहल

विजय मत, भोपाल

मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा संचालित सृजन अभियान के अंतर्गत सामुदायिक पुलिस सुरक्षा योजना के तहत कमजोर वर्ग की बस्तियों के किशोरों एवं युवाओं को पुलिस की कार्यप्रणाली एवं जन सुरक्षा व्यवस्थाओं से परिचित कराने हेतु एक महत्वपूर्ण पहल की गई। इसी क्रम में दिनांक 31 मार्च 2026 को निवसीद बचपन संस्था द्वारा पुलिस विभाग के सहयोग से बाबा नगर भोपाल स्थित बचपन संस्था के बच्चों एवं युवाओं के लिए डायल-112 का भ्रमणकराया गया। इसका उद्देश्य बच्चों को एकीकृत आपातकालीन सेवा प्रणाली की जानकारी देना एवं विभिन्न आपात परिस्थितियों में त्वरित सहायता प्राप्त करने के तरीकों से अवगत कराना रहा। कार्यक्रम के दौरान पुलिस टीम ने बच्चों को सरल एवं सहज भाषा में बताया कि अब अलग-अलग परिस्थितियों के लिए विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों–108 (स्वास्थ्य), 101 (अग्निशमन), 1930 (साइबर क्राइम), 1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन) एवं 139 (रेलवे सहायता)पर कॉल करने के स्थान पर केवल डायल-112 के माध्यम से किसी भी आपात स्थिति की सूचना तत्काल दर्ज कराई जा सकती है।

जनजातीय परिवारों की नई पीढ़ी की शिक्षा के लिए संकल्पित सरकारः मंत्री डॉ. शाह

विजय मत, भोपाल

जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने सभी जनजातीय परिवारों से अपने बच्चों को शाला भेजने की अपील की है। उन्होंने कहा है कि शिक्षा से ज्यादा मूल्यवान कुछ नहीं है। ज्ञान से ही सुनहरे भविष्य का निर्माण होता है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार जनजातीय परिवारों की नई पीढ़ी को शैक्षणिक रूप से समृद्ध बनाने के लिए संकल्पित है। मंत्री डॉ. शाह ने कहा कि मध्यप्रदेश में डबल इंजन की सरकार है। केन्द्र सरकार के सहयोग से जनजातीय क्षेत्रों में शिक्षा व्यवस्थाओं में अभूतपूर्व सुधार हुआ है। आज न तो शिक्षकों की कमी है और न ही स्कूली अधोसंरचना में कोई कमी है। सभी अभिभावकगण अपने बच्चों की शिक्षा के प्रति जागरूक रहें। उन्होने जनजातीय क्षेत्रों में काम कर रही स्वयं सेवी संस्थाओं और शासकीय योजनाओं और परियोजनाओं में काम कर रहे अमले से भी अपील की है कि वे स्कूल जाने योग्य बच्चों को शालाओं में प्रवेश दिलवाने में मदद करें और अपनी नागरिक जिम्मेदारी निभायें।

शिक्षा की पूरी व्यवस्था

केन्द्रीय जनजातीय कार्य मंत्रालय से शत-प्रतिशत अनुदान पर प्रदेश के जनजातीय क्षेत्रों में 63 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों का संचालन किया जा रहा है। इन 63 विद्यालयों में वर्तमान में 25 हजार विद्यार्थी आवासीय सुविधा के साथ अध्ययनरत है मंत्री डॉ. शाह ने जनजातीय क्षेत्रो में शिक्षा अधोसंरचना और सुविधाओं में हुए विस्तार की चर्चा करते हुए कहा कि कक्षा 11 वीं, 12 वीं एवं महाविद्यालयीन विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति योजना चलाई जा रही है। वर्ष 2024-25 में पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना अंतर्गत एक लाख 92 हजार विद्यार्थियों को राशि रूपये 348 करोड़ की छात्रवृत्ति दी गई है। मंत्री डॉ. शाह ने कहा कि 4485 उच्च माध्यमिक शिक्षक, माध्यमिक शिक्षक, प्राथमिक शिक्षक (खेलकूद), शिक्षक गायन-वादन, प्राथमिक शिक्षक (नृत्य) एवं प्राथमिक शिक्षक (विज्ञान) के पदों पर भर्ती की जा रही है।

मप्र में 16 अप्रैल से शुरू होगी जनगणना

मोबाइल ऐप और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से जुटेगा डेटा

विजय मत, भोपाल

भारत की 16वीं और स्वतंत्रता के बाद आठवीं जनगणना का पहला चरण एक अप्रैल से शुरू गया है। यह दुनिया का अब तक का सबसे बड़ा जनगणना अभियान होगा, जो पहली बार पूरी तरह से डिजिटल माध्यमों से संचालित किया जा रहा है। हालांकि मप्र में 16 अप्रैल से जनगणना का पहला चरण शुरू होगा। मप्र में कुल कितने मकान-दुकान या भवन है, इसकी गणना के लिए एक लाख 90 हजार कर्मचारी मैदान में उतरेंगे। मप्र के जनगणना कार्य निदेशालय ने मप्र में पहले चरण की जनगणना के लिए 1 लाख 60 हजार प्रगणक और 30 हजार पर्यवेक्षक नियुक्त किए हैं। एक प्रगणक के जिम्मे औसतन 200 मकानों की गणना का जिम्मा होगा। औसतन इतने ही मकानों का ब्लॉक बनाया जाएगा। विशेष परिस्थितियों में ब्लॉक्स में भवनों की संख्या कम या ज्यादा की जा सकती है। भवनों की गणना शहरी और ग्रामीण दो ही केटेगरी में की जाएगी। प्रगणक स्मार्टफोन आधारित मोबाइल ऐप के जरिए घर-घर जाकर जानकारी दर्ज करेंगे। इससे पहले आम नागरिकों को स्वयं ऑनलाइन पोर्टल पर अपनी जानकारी भरने का विकल्प मिलेगा। मप्र में जनगणना

का पहला चरण 16 अप्रैल से शुरू हो जाएगा। इसी दिन से मप्र में जनगणना निदेशालय की ओर से तैयार सेल्फ एन्युमरेशन पोर्टल पर मप्र की विंडो खुलेगी।

सब-ब्लॉक बनाकर काउंट करने की व्यवस्था

मप्र सरकार ने जनगणना आयुक्त से मप्र की परिस्थितियों के हिसाब से मजरे-टोलों के लिए अलग केटेगरी बनाने की मांग की थी, लेकिन इसे नहीं माना गया है। लेकिन जनगणना निदेशालय ने बड़े मजरे-टोलों को जनगणना के दूसरे चरण में सब-ब्लॉक बनाकर काउंट करने की व्यवस्था की है। मप्र में शहरी और ग्रामीण दोनों मिलाकर लगभग से 3 करोड़ भवन (हाउसहोल्ड) होने का अनुमान है।

विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रस्ताव करें तैयारः उप मुख्यमंत्री शुक्ल

विजय मत, भोपाल

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय भोपाल में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के अंतर्विभागीय विषयों की समीक्षा की। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ और प्रभावी बनाने के लिए अहम निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने विशेषज्ञ डॉक्टरों की भर्ती सुनिश्चित करने के लिए अन्य राज्यों के मॉडल के आधार पर नियुक्ति की शर्तों एवं प्रक्रिया में आवश्यक संशोधन का प्रस्ताव तैयार कर शीघ्र कैबिनेट अनुमोदन के लिये भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण और तृतीयक स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता के लिए विशेषज्ञ

चिकित्सकों की नियुक्ति महत्वपूर्ण है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने नर्सिंग एडमिशन प्रक्रिया को आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण कर सक्षम समिति के अनुमोदन के लिए शीघ्र अग्रेषित करने को कहा। उन्होंने क्रिटिकल केयर हेल्थ ब्लॉक के लिए पदों की स्वीकृति, मेडिकल कॉलेज ग्वालियर में सीटीवीएस सेवा, सागर में कैंसर अस्पताल की स्थापना और चिकित्सालयों में जन आश्रय सुविधा उपलब्ध कराने के संबंध में भी आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने सोनोग्राफी कोर्स पूर्ण कर चुके स्त्री रोग विशेषज्ञों को संबंधित रेडियोलॉजिस्ट की सेवाएं प्रदान करने के लिए अधिकृत करने के विषय में उन्होंने विशेष रूप से निर्देश दिए कि इस संबंध में शासन का पक्ष प्रस्तुत करते हुए प्राथमिकता के आधार पर स्वीकृति प्राप्त करने के प्रयास किए जाएं। उन्होंने कहा कि यह पहल प्रदेश में विशेषकर ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगी। बैठक में अपर मुख्य सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा अशोक बर्णवाल, अपर मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन संजय शुक्ला, आयुक्त लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा धनराजू एस तथा अपर सचिव सामान्य प्रशासन अजय कटसेरिया सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

विजय मत एंकर फिर तपेगा प्रदेश, 15 अप्रैल के बाद चलेगी लू

मप्र में अप्रैल की शुरुआत आंधी-बारिश और बादलों से

विजय मत, भोपाल

मध्यप्रदेश में मौसम का मिजाज एक बार फिर तेजी से करवट लेने वाला है। अप्रैल की शुरुआत जहां आंधी-बारिश और बादलों के साथ होगी, वहीं महीने के दूसरे हफ्ते से भीषण गर्मी अपना असली रंग दिखाने लगेगी। मौसम विभाग के अनुसार 1 से 4 अप्रैल तक प्रदेश के कई हिस्सों में तेज हवाएं, बारिश और कहीं-कहीं ओलावृष्टि का असर रहेगा, लेकिन इसके बाद तापमान में तेजी से उछाल आएगा। अगले 24 घंटे में ग्वालियर, भिंड, दतिया, टीकमगढ़, छतरपुर, रीवा, सीधी, शहडोल, आगर-मालवा, सीहोर, खंडवा, बुरहानपुर, इंदौर, उ'जैन, धार, बड़वानी सहित कई जिलों में आंधी-बारिश का असर देखने को मिलेगा। शुरुआती चार दिन मौसम में ठंडक और अस्थिरता बनी रहेगी। कई जिलों में तेज आंधी और बारिश के चलते तापमान में गिरावट महसूस होगी। हालांकि यह राहत 'यादा दिनों तक नहीं टिकेगी। 15 अप्रैल

के बाद प्रदेश के 'यादातर हिस्सों में तेज गर्मी के साथ लू चलने की संभावना जताई गई है।

बार-बार बदलता रहा मौसम

इस साल फरवरी और मार्च में मौसम ने कई बार करवट ली। कई जिलों में ओले और बारिश से फसलों को नुकसान हुआ। मार्च के आखिर तक भी आंधी-बारिश का दौर जारी रहा, जिससे गर्मी की शुरुआत टल गई थी। अब अप्रैल में मौसम का यह उतार-चढ़ाव खत्म होकर तेज गर्मी में बदलने वाला है।

ग्वालियर-चंबल सबसे 'यादा प्रभावित

आने वाले दिनों में ग्वालियर-चंबल क्षेत्र सबसे 'यादा गर्म रहेगा। इसके अलावा इंदौर, भोपाल, उ'जैन और सागर संभाग के शहरों में भी तापमान तेजी से बढ़ेगा। महीने के आखिरी सप्ताह तक कई जिलों में पारा 44 से 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है।

यहां दिख रहा गर्मी का असर

बदलते मौसम के बीच गर्मी ने भी दस्तक दे दी है। नर्मदापुरम में तापमान 40 डिग्री के पार पहुंच चुका है। खजुराहो, दमोह, रतलाम और नौगांव में भी पारा 9 डिग्री के आसपास बना हुआ है। बड़े शहरों भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर में तापमान 6 से 7 डिग्री के बीच दर्ज किया गया।

मौसम सिस्टम की वजह से बदलाव

प्रदेश में इस समय चक्रवाती सिस्टम और ट्रफ सक्रिय हैं, साथ ही पश्चिमी विक्षोभ का असर भी देखने को मिलेगा। इसी वजह से शुरुआती दिनों में मौसम बदलेगा, लेकिन सिस्टम हटते ही गर्मी तेजी से बढ़ेगी। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक, जब तापमान 40 डिग्री से ऊपर पहुंचता है और सामान्य से 5 डिग्री 'यादा रहता है, तब हीट वेव की स्थिति बनती है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सीता शुक्ला द्वारा प्रदेश वॉच मीडिया ग्रुप, 11 प्रेस कॉम्प्लेक्स, जोन-01, एमपी नगर, भोपाल (म.प्र.) से मुद्रित एवं ई.एम.एस. 21 इंडस टाउन, होशंगाबाद रोड, मिसरोद, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- सीता शुक्ला। प्रधान संपादक- विजय शुक्ला
(*समाचार चयन के लिए पी.आरर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार)। सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भोपाल होगा। आर.एन.आई. क्रमांक- MPHIN/2015/66998, e-mail□ vijaymat.bhopal@gmail.com। मोबाइल- +91 88899 77997